@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 6 जनवरी 2025

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 57 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

ਕੌਮੀ ਪਤ੍ਰਿਕਾ ਵੱਲੋ ਪਾਠਕਾਂ ਨੂੰ
ਸ਼੍ਰੀ ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਮਹਾਰਾਜ ਜੀ
ਦੇ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਪੁਰਬ ਦੀਆਂ
ਲੱਖ-ਲੱਖ ਵਧਾਈਆਂ

राहुल गांधी ने बताया भाजपा-कांग्रेस में अंतर

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 5 जनवरी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को भाजपा और कांग्रेस में अंतर बताया। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस निष्पक्ष रहने वालों में से है। जबकि भाजपा की सोच आक्रामक है। इसके साथ ही कांग्रेस नेता ने शिक्षा पर अधिक खर्च करने और सार्वजनिक संस्थानों को मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंनें कहा कि निजीकरण और वित्तीय प्रोत्साहनों के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हासिल नहीं की जा सकती है। राहुल गांधी ने आईआईटी मद्रास के छात्रों के साथ बातचीत की। इस दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कई मुद्दों पर बात की, जिसमें शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए वे जो बदलाव करना चाहते हैं, वह भी शामिल हैं। उन्होंने छात्रों के साथ अपनी बातचीत का एक संपादित वीडियो एक्स पर साझा किया, जिसमें उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि अपने लोगों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की गारंटी देना किसी भी सरकार की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। इसे निजीकरण और वित्तीय प्रोत्साहनों के जरिए हासिल नहीं किया जा सकता। हमें शिक्षा और सरकारी संस्थानों को मजबूत करने पर बहुत अधिक पैसा खर्च करने की जरूरत है। राहुल गांधी ने अपने व्हाट्सएप चैनल पर बताया कि उन्होंने भारत में सफलता को फिर से परिभाषित करने पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि हमारी बातचीत छात्रों को पारंपरिक करियर से परे रास्ते तलाशने के लिए सशक्त बनाने, उन्हें नवाचार को अपनाने और अपने जुनून को आगे बढ़ाने

के लिए प्रोत्साहित करने पर केंद्रित थी। जब छात्रों ने कांग्रेस और भाजपा के काम करने के तरीके के बारे में पूछा, तो उन्होंने कहा कि कांग्रेस संसाधनों को अधिक निष्पक्षता से वितरित करने में विश्वास करती है, जबकि भाजपा अधिक आक्रामक दृष्टिकोण अपनाती है। उन्होंने कहा कि वे आर्थिक दृष्टि से ट्रिपल-डाउन में विश्वास करते हैं। सामाजिक मोर्चे पर, हमें लगता है कि समाज जितना अधिक सामंजस्यपूर्ण होगा, लोग जितने कम लड़ेंगे, देश के लिए उतना ही बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों के मोर्चे पर, हम जिस तरह से अनेक देशों से संबंध रखते हैं, उसके संबंधों में शायद कुछ मतभेद हैं, लेकिन यह समान होगा। राहुल ने कहा, हमें अपने लोगों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की गारंटी देने की जरूरत है। निजीकरण इसका समाधान नहीं है। उन्होंने आईआईटी मद्रास के छात्रों को बताया कि देश में सबसे अच्छे संस्थान सरकारी हैं। उन्होंने यह भी कहा कि देश की शिक्षा प्रणाली में गंभीर समस्याएं हैं और यह बच्चों की कल्पना को पनपने नहीं देती। उन्होंने कहा कि हमारी शिक्षा प्रणाली सफलता को केवल कुछ पेशों में सीमित करती है, जैसे कि इंजीनियर या डॉक्टर बनना। उन्होंने कहा कि सिस्टम को बच्चों को वह करने देना चाहिए जो वे करना चाहते हैं और उन्हें कई चीजें अनुभव करने और करने की अनुमति देनी चाहिए। अंतरराष्ट्रीय संबंधों के संदर्भ में, उन्होंने कहा कि भारत को चीन और अमेरिका के बीच संतुलन बनाए रखने की जरूरत है। राहुल गांधी ने बच्चों को नवाचार के लिए प्रेरित करने की बात करते हुए कहा कि इसके लिए उनके कौशल का सम्मान किया जाना चाहिए।

प्रियंका गांधी पर दिए बयान पर रमेश बिधूड़ी ने मांगी माफी

नई दिल्ली, 5 जनवरी। बीजेपी के पूर्व सांसद और अब कालकाजी सीट से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी ने प्रियंका गांधी पर दिए गए विवादास्पद बयान पर चौतरफा घिरने के बाद माफी मांगी है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, किसी संदर्भ में मेरे द्वारा दिए गए बयान पर कुछ लोग गलत धारणा से राजनीतिक लाभ के लिए सोशल मीडिया पर बयान दे रहे हैं, उन्होंने कहा कि मेरा आशय किसी को अपमानित करने का नहीं था, लेकिन फिर भी अगर किसी भी व्यक्ति को दुख हुआ है, तो मैं खेद प्रकट करता हूं। किसी संदर्भ में मेरे द्वारा दिये गये बयान पर कुछ लोग ग़लत धारणा से राजनैतिक लाभ के लिए सोशल मीडिया पर बयान दे रहे है। मेरा आशय किसी को अपमानित करने का नहीं था। परंतु फिर भी अगर किसी भी व्यक्ति को दुख हुआ है तो मैं खेद प्रकट करता हूँ। कालकाजी विधानसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी रमेश बिधूड़ी ने विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी को लेकर विवादित बयान दिया। रमेश बिधूड़ी ने कहा कि जिस तरह संगम विहार और ओखला की सड़कें बना दी हैं वैसे ही यहां की सड़कें प्रियंका गांधी के गाल की तरह बना देंगे।

सरपंच संतोष देशमुख के दोषियों को नहीं बख्शा जाएगा: मुख्यमंत्री फडणवीस

नरेश मल्होत्रा

मुंबई, 5 जनवरी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार बीड जिले के सरपंच संतोष देशमुख की हत्या की जांच पूरी दृढ़ता के साथ कर रही है। इस अपराध में शामिल किसी भी व्यक्ति को नहीं छोड़ा जाएगा। पुलिस के अनुसार, सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के पीछे एक बड़ी जबरन वसूली का मामला है। बीड जिले में पवन चक्कियां स्थापित करने वाली एक ऊर्जा कंपनी से कथित तौर पर दो करोड़ रुपये की वसूली की जा रही थी। देशमुख ने इस जबरन वसूली का विरोध किया था, जिसके बाद नौ दिसंबर को उनका अपहरण किया गया और फिर हत्या कर दी गई। उनकी मौत के बाद मामले ने तूल पकड़ लिया, जिसके बाद चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। वहीं, कुछ दिन पहले, महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे के करीबी सहयोगी वाल्मीक कराड ने पुणे में पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया था। कराड को 14 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। अभी तक कुल सात आरोपी इस मामले में गिरफ्तार हो चुके हैं। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, बीड मामले में सरकार और पुलिस पूरी ताकत व दृढ़ता से काम कर रही हैं। दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। देशमुख एक लोकप्रिय सरपंच थे, इसलिए उनकी हत्या को राजनीतिक रूप से इस्तेमाल नहीं किया जाना

चाहिए। यहां तक कि अगर आरोपी फरार हैं, तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। हम उन लोगों को भी नहीं छोड़ रहे हैं, जिन्होंने आरोपियों की मदद की। एजेंसियों को मामले की सही तरीके से जांच करने दिया जाना चाहिए। भ्रष्टाचार विरोधी कार्यकर्ता अंजलि अनीश दमानिया ने सरपंच हत्या मामले में चल रही जांच को बकवास बताया। उन्होंने कहा कि इसके सच का खुलासा तभी हो सकेगा जब मामले की जांच बीड पुलिस के बाहर के अधिकारियों द्वारा की जाएगी। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि जबरन वसूली मामले में मुख्य आरोपी और एनसीपी मंत्री तथा परली विधायक धनंजय मुंडे के करीबी सहयोगी वाल्मिक कराड के आगे झुकी बीड पुलिस निष्पक्ष जांच नहीं कर सकती। धनंजय मुंडे और पंकजा मुंडे अपमानजनक और अश्लील भाषा से उन्हें निशाना बना रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, मुझ पर वंजारी समुदाय को निशाना बनाकर सामाजिक तनाव पैदा करने का आरोप है। मैंने ऐसा कुछ नहीं किया है। मैंने सिर्फ इतना कहा कि (दिवंगत भाजपा के दिग्गज) गोपीनाथ मुंडे के समय से ही बीड में सभी सरकारी नियुक्तियां एक ही समुदाय से होती हैं। जिले में एक विशेष समुदाय से ताल्लुक रखने वाले पुलिसकर्मी कराड से जुड़े हुए हैं और उनकी जांच नहीं कर सकते। उन्होंने कहा, यह चल रही जांच बकवास है। बीड पुलिस को इस मामले की जांच नहीं करनी चाहिए।

मैं नहीं चाहता कोई अपना पद खो दे: छगन भुजबल

मुंबई, 5 जनवरी। महायुति सरकार में मंत्री पद न मिलने से नाराज चल रहे एनसीपी नेता छगन भुजबल ने मंत्री धनंजय मुंडे को लेकर बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि मैं नहीं चाहता कोई अपना पद खो दे। मैं किसी और को मंत्रिमंडल से हटाने के बाद मंत्री पद नहीं चाहता हूं। भुजबल राज्य की सियासत में उनके कद की अनदेखी और देवेंद्र फडणवीस की सरकार में उन्हें कोई मंत्री पद न मिलने से नाराज चल रहे हैं। एनसीपी नेता छगन भुजबल ने कहा कि अगर आप अपनी नौकरी में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और फिर भी उसे खो देते हैं, तो आपको कैसा लगेगा, क्या आपको गुस्सा नहीं आएगा? क्या आप हंसते-हंसते लोटपोट हो जाएंगे? मैं कभी नहीं चाहूंगा कि कोई अपना पद खो दे। पिछले दिनों एनसीपी नेता छगन भुजबल ने कहा था कि मैंने जानबूझकर कुछ समय के लिए राजनीति से ब्रेक लिया। मैं 1967 से राजनीति में सक्रिय हूं, लेकिन कभी-कभी राजनीतिक दिमाग को आराम की जरूरत होती है। भुजबल ने यह भी स्पष्ट किया कि सीएम फडणवीस ने उन्हें मंत्री पद देने का वादा नहीं किया था। उन्होंने कहा, फडणवीस ने केवल इतना कहा था कि चलो सात से आठ दिन प्रतीक्षा करते हैं और इस पर चर्चा करते हैं। पिछले महीने महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर में अपने मंत्रिमंडल का विस्तार किया और अपनी टीम में 39 नए सदस्यों को शामिल किया। इसमें भाजपा से 19, शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना से 11 और अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा से नौ विधायक शामिल थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने नमो भारत ट्रेन का उद्घाटन किया

कौमी संवाददाता

मेरठ, 5 जनवरी। आनंद विहार, न्यू अशोक नगर तक नमो भारत के 13 किलोमीटर लंबे अतिरिक्त खंड का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को उद्घाटन किया। ऐसे में अब मेरठ साउथ से आनंद विहार और न्यू अशोक नगर तक नमो भारत ट्रेन से पहुंचा जा सकेगा। मेरठ साउथ से न्यू अशोक नगर तक साधारण कोच का किराया 150 रुपए है जबकि प्रीमियम कोच का किराया 230 रुपए रखा गया है। वहीं आनंद विहार के लिए साधारण कोच में 130 रुपये खर्च करने होंगे। प्रधानमंत्री ने साहिबाबाद से न्यू अशोक नगर तक ट्रेन में सफर किया और इस दौरान स्कूली बच्चों से भी बात की। बातचीत के बाद बच्चों ने कहा थैंक्यू मिस्टर प्राइम मिनिस्टर। अब मेरठ के शताब्दी नगर ब्रह्मपुरी तक ट्रेन का संचालन किया जाएगा। मेरठ से मोदीपुरम तक वायाडक्ट का काम पूरा हो चुका है। मेरठ साउथ से नमो भारत का

शहर में अगला पड़ाव अब शताब्दीनगर है। इन दोनों स्टेशन के बीच परतापुर और रिठानी स्टेशन भी हैं, जहां मेट्रो का ठहराव रहेगा। अफसरों के मुताबिक शताब्दीनगर तक मेट्रो रेल का रूट तैयार हो गया है। फिनिशिंग का काम चल रहा है और बिजली के लिए अब टेस्टिंग की जा रही है। दूसरी ओर दिल्ली की ओर भी नमो भारत का काम तेजी से चल रहा है। साहिबाबाद से न्यू अशोक नगर तक सेक्शन की लंबाई लगभग 13 किमी है। इस सेक्शन में आनंद विहार और न्यू अशोक नगर दो आरआरटीएस स्टेशन हैं। इस सेक्शन के संचालित होने पर यात्रियों के लिए नमो भारत ट्रेन न्यू अशोक नगर से मेरठ साउथ तक उपलब्ध हो जाएगी। यात्री 40 मिनट से भी कम समय में न्यू अशोक नगर से मेरठ साउथ तक आ सकेंगे। ओएचई का काम तेजी से चल रहा है, जो ब्रह्मपुरी तक अपने आखिरी चरण में पहुंच गया है।

पश्चिम बंगाल में फर्जी पासपोर्ट रैकेट का भंडाफोड़

कोलकाता, 5 जनवरी। पश्चिम बंगाल पुलिस के एक पूर्व अधिकारी को गिरफ्तार किया गया है। मामला फर्जी पासपोर्ट रैकेट से जुड़ा है। कोलकाता पुलिस के रिटायर्ड उपनिरीक्षक को बिना उचित सत्यापन के पासपोर्ट का आवेदन मंजूर करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आरोपी पुलिस अधिकारी को शनिवार को अलीपुर कोर्ट में पेश किया गया। अदालत ने उन्हें 18 जनवरी तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। फर्जी पासपोर्ट रैकेट का भंडाफोड़ होने के बाद अब तक नौ लोगों को पकड़ा जा चुका है। अब्दुल हुई की गिरफ्तारी मामले में पुलिस अधिकारी ने बताया, उस समय फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कई पासपोर्ट जारी करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जब वह सुरक्षा नियंत्रण संगठन (एससीओ) में पदस्थापित थे।

बस्तर में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, चार नक्सली ढेर

बस्तर, 5 जनवरी। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ की खबर है। जिसमें चार नक्सली ढेर हो गए हैं। वहीं, डीआरजी का एक जवान बलिदान हुआ है। मौके से एके-47 और एसएलआर जैसे ऑटोमेटिक हथियार भी बरामद हुए हैं। मुठभेड़ में तीन जवानों के घायल होने की भी जानकारी मिल रही है। जगदलपुर से वायुसेना का एमआई- 17 हेलिकाप्टर अबूझमाड़ के लिए रवाना किया गया है। मुठभेड़ में घायल हुए जवानों का रेस्क्यू करने में मदद करेगा। डीआरजी और एसटीएफ के तीन जवान घायल हुए हैं। सभी को सामान्य चोट है। चॉपर के जरिए सभी घायलों को इलाज के लिए ले जाया जाएगा रायपुर। मुठभेड़ में डीआरजी के प्रधान आरक्षक सन्नू कारम का पार्थिव शरीर भी घटनास्थल से लाने में एमआई-17 मदद करेगा। जानकारी के मुताबिक, नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिले की सरहद पर कल शाम 6 बजे से मुठभेड़ चल रही है। डीआरजी और एसटीएफ के जवानों ने मोर्चा संभाल रखा है। जवान सर्च ऑपरेशन चला रहे हैं। मुठभेड़ में दंतेवा?ा डीआरजी के प्रधान आरक्षक सन्नू कारम बलिदान हुए हैं। ऑपरेशन में चार जिलों की डीआरजी और एसटीएफ शामिल हैं। एक अधिकारी ने बताया कि नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिलों की सीमा पर दक्षिण अबूझमाड़ के जंगल में शनिवार शाम को उस समय गोलीबारी शुरू हो गई जब सुरक्षाकर्मियों की एक संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। उन्होंने बताया कि शनिवार देर रात गोलीबारी बंद होने के बाद चार नक्सलियों के शव और एके-47 राइफल तथा सेल्फ लोडिंग राइफल (एसएलआर) समेत स्वचालित हथियार मौके से बरामद किए गए हैं।

आपकी पीढ़ी 2047 तक भारत के गौरव का निर्माण करेगी: उपराष्ट्रपति

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 5 जनवरी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर-2025 का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने युवाओं से कहा कि दुनिया का कोई भी देश तब तक तरक्की नहीं कर सकता, जब तक उसके नागरिक राष्ट्रवाद के प्रति गहराई से प्रतिबद्ध न हों। राष्ट्रवाद को हमारे सभी हितों चाहे व्यक्तिगत हो या संगठनात्मक से ऊपर होना चाहिए। अपनी मातृभूमि के प्रति श्रद्धांजलि के रूप में इन गुणों को बनाए रखें। आपकी पीढ़ी 2047 तक भारत के गौरव का निर्माण करेगी। उन्होंने कहा कि आप देश के बेहतरीन युवाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। एनसीसी में आपकी सदस्यता एक अत्यधिक अनुशासित बल के तौर पर आपको उन गुणों को आत्मसात करने में सक्षम बनाती है जो मानव विकास के लिए आवश्यक हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमारे राष्ट्रीय परिवर्तन की नींव पांच प्रमुख स्तंभों पर टिकी है। इसमें सामाजिक सद्भाव, पारिवारिक प्रबोधन, पर्यावरण चेतना, आत्मनिर्भरता और नागरिक कर्तव्य शामिल है। सामाजिक सद्भाव विविधता को राष्ट्रीय एकता में बदलता है इसकी आज के समय में आवश्यकता है। जमीनी स्तर पर देशभक्ति के मूल्यों को पोषित करना हमारे पारिवारिक प्रबोधन का हिस्सा होना चाहिए। उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमें पर्यावरण

की रक्षा करनी चाहिए। उसका संरक्षण और सृजन करना चाहिए। स्वदेशी और आत्मनिर्भरता आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक हैं और हमें इन्हें बढ़ावा देना चाहिए। नागरिक कर्तव्य प्रत्येक नागरिक को प्रगति का पथ प्रदर्शक बनाते हैं। ये पंच प्राण हमारी संस्कृति में रच-बसकर, व्यक्तिगत जिम्मेदारी, पारंपरिक मूल्यों और एकता की ओर यात्रा को प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि ये पांच मूल्य जिम्मेदारी और चेतना के माध्यम से एक मजबूत राष्ट्रवादी भावना का निर्माण करेंगे। इनका प्रतिदिन अभ्यास करें और हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए राष्ट्र विरोधी ताकतों के खिलाफ सतर्क रहें। मातृभूमि के प्रति हमारा समर्पण दृढ़ और अडिग होना चाहिए, क्योंकि यह हमारे अस्तित्व का आधार है। चुनौतियां इसलिए पैदा होती हैं क्योंकि राष्ट्र पिछले एक दशक में वैश्विक स्तर पर प्रशंसित वृद्धि देख रहा है। जिससे दुनिया ईर्ष्या करती है और हर नागरिक पर सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। उपराष्ट्रपति ने यह भी कहा कि हम राष्ट्रीय आशावाद के दौर में जी रहे हैं, क्योंकि भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। वैश्विक संस्थाओं द्वारा भारत को एक प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में स्वीकार किए जाने के कारण युवाओं के लिए अवसर बढ़ रहे हैं। यह बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी और एक ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के माध्यम से हासिल किया गया है।

पानी घोटाले में कांग्रेस नेता व ठेकेदारों को बचा रही सरकार: जयराम ठाकुर

तेजिन्दर कौर बब्बर

शिमला, 5 जनवरी। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मंडी में मीडिया से बातचीत में कहा कि सुक्खू सरकार के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश में एक के बाद एक घोटाले हो रहे हैं। अब पानी घोटाला चर्चा का विषय बन गया है। एक तरफ जलशक्ति विभाग के मंत्री उप मुख्यमंत्री चंद अधिकारियों पर कारवाई कर मामला दबाने में लगे हुए हैं वहीं, मुख्यमंत्री उन सरकारी संरक्षण प्राप्त ठेकेदारों और कांग्रेस नेताओं को बचाने में लगे हुए हैं। उपमुख्यमंत्री गला फा? फा? कर सुक्खू सरकार का दामन पाक साफ होने का दावा कर रहे थे और इधर उनके अपने विभाग में स्कूटर पर पानी ढोकर करोड़ों का घोटाला हो गया। लोगों को पानी पिलाने के नाम पर सत्ता के संरक्षण में फर्जी बिल तैयार कर सरकारी ख?ाने की लूट होती रही और सरकार सोती रही। उन्होंने कहा कि पहले प्रदेश में और भी चर्चित घोटाले हुए, लेकिन सत्ता के संरक्षण में बिना सड़को केंटैंकर दौड़ाने और पानी की ढुलाई में कार और मोटर साइकिल का इस्तेमाल करने वाला इकलौता राज्य बन गया। पहली बार शिमला के ठियोग में हुए लगभग सवा करोड़ रुपए के पानी आपूर्ति घोटाले मामले में स्कूटर और मारूति कारों पर पानी की आपूर्ति की गई। इसमें आरटीआई के माध्यम सभी वाहनों के नंबर और लोगों

के नाम भी उजागर हो गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने संबंधित अधिकारियों के खिलाफ तो कार्रवाई की है, लेकिन प्रदेश के मुख्यमंत्री घोटाले में अधिकारियों के साथ संलिप्त कांग्रेस नेता और ठेकेदारों को बचाने में लगे हुए हैं। इस कृत्य के लिए उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश में दो साल से इस प्रकार की घटनाएं घटित हो रही हैं, लेकिन प्रदेश में सरकार का संरक्षण प्राप्त ठेकेदार दनदना रहे हैं और गलत तरीके से कार्य करते हुए पैसे कमा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार भ्रष्टाचार की सारी सीमाएं लांघ चुकी है। हिमाचल में सिर्फ लूट मची हुई है। सरकार विकास कार्य कर ही नहीं पा रही है जबकि कई विभागों में सिर्फ बिल बनाकर सरकारी खजाना लुटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा भ्रष्टाचार के मामलों की तह तक जाने की कोशिश कर रही है, ताकि इनके कारनामें उजागर हो सके। जयराम ठाकुर ने कहा कि ऐसा कोई विभाग नहीं है जिसमें गोलमाल नहीं हुआ हो। उद्योग, वन, पर्यटन, स्वास्थ्य और कृषि विभाग में कई तरह की धांधलियां होने की शिकायतें आ रही हैं लेकिन इस सरकार से जांच की मांग करना ही गुनाह हो गया है। जो आवा? उठाता है उसी के खिलाफ मामले दर्ज किए जा रहे हैं। यहां तक कि लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ मीडिया को भी निशाना बनाकर मामले दर्ज कर उन्हें डराने का काम किया जा रहा है। हमने पहले ही इनके कारनामों का कच्चा चिट्ठा राज्यपाल महोदय को सौंपा है।

झारखंड में सीपीआईएम के नौ ठिकानों पर एनआईए की छापेमारी

नई दिल्ली, 5 जनवरी। झारखंड के पश्चिम सिंहभूम सीपीआई (माओवादी) साजिश मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने नौ जगहों पर छापेमारी की। एनआईए की टीमों ने प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) संगठन के संदिग्धों और ओवर-ग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) के परिसरों की तलाशी के दौरान मोबाइल फोन, मेमोरी कार्ड, सिम कार्ड और अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की। एनआईए ने बताया कि यह मामला मार्च 2024 में चाईबासा पुलिस ने दर्ज किया था। जुलाई में इसे एनआईए को सौंपा गया। इस मामले में 10.50 लाख रुपये नकद, वॉकी-टॉकी, सैमसंग टैबलेट, पावर बैंक, रेडियो सेट, लेवी संग्रह रसीद, पुल-थ्रू, जिलेटिन की छड़ें, एक गर्दन बैंड, टाइटन चश्मा और सीपीआई (माओवादी) के सदस्य मिसिर बेसरा से संबंधित अन्य आपत्तिजनक चीजों से भरे 20 लीटर के प्लास्टिक के डिब्बे की बरामदगी और जब्ती की गई थी। इस सामग्री को हुसीपी और राजाभासा गांवों के बीच स्थित वन क्षेत्र से आरोपी राजेश देवगम के खुलासे के बाद जब्त किया गया था। इस सामग्री को जंगल में दफनाया गया था। एनआईए ने बताया कि जांच में कुछ संदिग्धों और ओजीडब्ल्यू की पहचान हुई है।

बांग्लादेश में तफ़सीरुल कुरान महफ़िल में भगदड़, तीस घायल

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में तीन दिवसीय तफ़सीरुल कुरान महफ़िल के आखिरी दिन रात मची भगदड़ में कम से कम 30 लोग घायल हो गए। इनमें एक व्यक्ति की हालत नाजुक बताई जा रही है। यह हादसा जशोर जिला के शरशा उपजिला के पुलेरहाट में एड-दीन सकीना मेडिकल कॉलेज अस्पताल और उसके आसपास हुआ। द डेली स्टार के अनुसार,मशहूर वक्ता मिज़ानुर रहमान अज़हरी का भाषण होना था। उन्हें सुनने के लिए अप्रत्याशित रूप से बहुत अधिक लोग पहुंच गए। इस वजह से भगदड़ मची। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि घायलों में से नौ को जशोर जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जिन्हें भगदड़ के दौरान कुछ ज्यादा चोट आई है, उनमें 32 वर्षीय मैनुल इस्लाम, 18 वर्षीय उस्मान गनी, 21 वर्षीय जियान, मार्जान, 18 वर्षीय इब्राहिम, 40 वर्षीय मसूद, 26 वर्षीय सईदुल और 28 वर्षीय लबली शामिल हैं। भगदड़ में घायल मैनुल इस्लाम ने बताया कि वह रात करीब आठ बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, लेकिन मुख्य द्वार बंद था। कार्यक्रम स्थल में प्रवेश करने का इंतजार करते समय उन्हें किसी ने पीछे से धक्का दिया गया। उनके गिरते ही अराजकता फैल गई। लोग आगे वालों को रौंदते हुए बढ़ने लगे। जशोर जनरल हॉस्पिटल इमरजेंसी की डॉक्टर डॉ. जुबैदा इस्लाम ने कहा कि घायलों में शामिल अफीफा की हालत सबसे गंभीर है।

सिडनी में विमान दुर्घटना में दो लोगों की मौत

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्वी तट पर सिडनी के उत्तर में एक हल्के विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से दो लोगों की मौत हो गई है। न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) पुलिस न एक बयान में कहा कि स्थानीय समयानुसार शाम चार बजे सिडनी से लगभग 400 किमी उत्तर में नंबुका हेड्स शहर के पास समुद्र में एक हल्के विमान दुर्घटना की रिपोर्ट पर आपातकालीन सेवाओं को बुलाया गया था। एनएसडब्ल्यू पुलिस ने कहा, विमान के पायलट और यात्री की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और अभी तक औपचारिक रूप से उनकी पहचान नहीं की जा सकी है।ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (एबीसी) ने बताया कि मलबा तट से लगभग 1.5 किमी दूर पाया गया। जल पुलिस, एम्बुलेंस दल और एक बचाव हेलीकॉप्टर को घटनास्थल पर तैनात किया गया।अग्नि एवं बचाव एनएसडब्ल्यू अधीक्षक ग्रांट राइस ने एबीसी को बताया कि मलबा तटरेखा के किनारे बहकर आ गया है। एनएसडब्ल्यू पुलिस ने कहा कि उसने ऑस्ट्रेलियाई परिवहन सुरक्षा ब्यूरो (एटीएसबी) की सहायता से घटना के आसपास की परिस्थितियों की जांच शुरू कर दी है।

नाटो के पूर्वी तट पर 2600 से अधिक ब्रिटिश सैनिक और 730 अभ्यास में भाग लेंगे

लंदन। उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) नाटो के पूर्वी तट पर 2,600 से अधिक ब्रिटिश सैनिक और 730 वाहन अभ्यास में भाग लेंगे। देश के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, अग्रणी मोर्चे पर नेतृत्व करते हुए, ब्रिटेन 2,600 से अधिक सैनिकों और 730 वाहनों के साथ नाटो के पूर्वी हिस्से में तैनात बलों का सबसे अधिक योगदान दे रहा है। बयान के अनुसार, ब्रिटेन का पहला डिवीजन बुल्गारिया और रोमानिया में अभ्यास स्टीडफास्ट डार्ट 25 के दौरान नाटो के सभी सशस्त्र बलों की कमान संभालेगा, ताकि नए अलाइड रिएक्शन फोर्स को तैनात कर अभ्यास किया जा सके, जो नाटो के पूर्वी हिस्से को 'तेजी से सुदृढ़' कर सकता है। रूस ने अपनी पश्चिमी सीमाओं के पास नाटो की अभूतपूर्व गतिविधि की ओर इशारा किया है। नाटो अपनी पहलों का विस्तार कर रहा है और कहता है कि ऐसा 'रूसी आक्रामकता' को रोकने के लिए किया जा रहा है। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय (क्रेमलिन) ने कहा है कि मास्को किसी को धमकी नहीं दे रहा है, लेकिन वह उन कार्रवाइयों को नजरअंदाज़ नहीं करेगा, जो उसके हितों के लिए संभावित रूप से खतरनाक हैं।

आरएसएफ के हमलों में उत्तरी दारफुर में आठ लोगों की मौत

खार्तूम। सूडान की राजधानी खार्तूम और पश्चिमी सूडान के उत्तरी दारफुर राज्य के एल फशर शहर में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) द्वारा किए गए हमलों में कम से कम आठ नागरिकों की मौत हो गई और 53 अन्य घायल हो गए है। खार्तूम के स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा, आरएसएफ मिलिशिया ने शनिवार को खार्तूम के उत्तर में ओमडुरमन शहर के करारी इलाके और खार्तूम के पूर्व में शार्क अलनील (ईस्ट नाइल) इलाके में नागरिकों के खिलाफ अपनी गोलाबारी जारी रखी जिसमें चार नागरिकों की मौत हो गई और 43 अन्य घायल हो गए। बयान में कहा गया है कि घायलों को ओमडुरमन में अल-नो और अबू सीद अस्पतालों और शार्क अलनील इलाके में एल बान जदीद अस्पताल में इलाज के लिए स्थानांतरित किया गया है। सूडानी सशस्त्र बल (एसएएफ) के 6वें इन्फैंट्री डिवीजन ने भी एक बयान में कहा कि एल फशर में आवासीय इलाकों पर आरएसएफ द्वारा की गई गोलाबारी में चार नागरिक मारे गए और 10 अन्य घायल हो गए। आरएसएफ ने अभी तक इन घटनाओं पर कोई टिप्पणी नहीं की है। 10 मई 2024 से एल फ़ैशर में एसएएफ और आरएसएफ के बीच भीषण झड़पें हो रही हैं। अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के नवीनतम अनुमान के अनुसार अप्रैल 2023 के मध्य से सूडान एसएएफ और आरएसएफ के बीच विनाशकारी संघर्ष की चपेट में है जिसमें सूडान के अंदर या बाहर कम से कम 29,683 लोगों की जान चली गई।

नेपाल से विदेश का हवाई सफर महंगा, स्थानीय पर्यटकों और श्रमिकों की भारतीय एयरपोर्ट पर भीड़

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में अंतरराष्ट्रीय हवाई किराया अत्यधिक अधिक होने के कारण पर्यटक और श्रमिक के रूप में तीसरे देशों में जाने वाले नेपाली नागरिक आजकल भारत के विभिन्न विमानस्थलों का प्रयोग करने को बाध्य हैं। नेपाल से तीसरे देश में पर्यटकों को भेजने वाली विभिन्न ट्रैवल एजेंसियां और श्रमिकों को भेजने वाली मैनपावर कंपनियां अपने ग्राहकों को पहले भारत और फिर वहां से हवाई मार्गों के जरिए से उन्हें उनके गंतव्य तक पहुंचा रही हैं। काठमांडू-यूएई का एक तरफ का हवाई किराया इस समय नेपाली करेंसी में 55 हजार से 75 हजार रुपये तक है। नेपाली सीमा से सबसे करीब पश्चिम बंगाल के बागडोगरा विमानस्थल से यूएई का किराया नेपाली करेंसी में सिर्फ 35 से 40 हजार के बीच ही है। यानी काठमांडू-यूएई की तुलना में बागडोगरा-यूएई का हवाई किराया करीब 20 से 35 हजार रुपये सस्ता है। काठमांडू से कतर

के दोहा तक जाने में 80,000 नेपाली रुपये से अधिक का खर्च आता है। भारत के बागडोगरा से यह खर्च केवल 50,000 रुपये आता है। काठमांडू से बैंकाक का किराया 35 हजार से 40 हजार रुपये के बीच है। दिल्ली से बैंकाक का किराया महज 16 से 20 हजार रुपये के बीच है। एक ट्रैवल एजेंसी के अनुसार, भारत से बैंकाक, मलेशिया, मॉरीशस, सऊदी अरब, कतर, लेबनान, ओमान और बहरीन सहित खाड़ी देशों में जाना सस्ता है। नेपाल की तुलना में बागडोगरा हो या दिल्ली, इन देशों में जाने पर हवाई किराया 12 से 35 हजार रुपये सस्ता है। नेपाल से निकटतम भारतीय हवाई अड्डा पश्चिम बंगाल का बागडोगरा है। इस एयरपोर्ट पर नेपाली कामगारों की काफी आवाजाही रहती है। काठमांडू में स्थित मैनपावर ऑपरेटर संजय सुबेदी ने कहा कि पिछले तीन महीने में सिर्फ बागडोगरा एयरपोर्ट से हफ्ते में लगभग 200 श्रमिकों को खाड़ी देशों में भेजा गया।

इसके अलावा भारतीय एयरपोर्ट का उपयोग करने के पीछे का प्रमुख कारण अब बिना नो आब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) के यात्रा की अनुमति देना भी है। पहले किसी भी नेपाली नागरिकों को भारतीय एयरपोर्ट का प्रयोग कर तीसरे देश की उड़ान भरने के लिए नेपाली दूतावास से एनओसी लेना आवश्यक होता था। नेपाल सरकार ने तीन पहले पहले इसकी अनिवार्यता को समाप्त कर दिया था। नेपाल फॉरेन एम्प्लॉयमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र भंडारी के मुताबिक, किराया अधिक होने के कारण पर्यटक और मजदूर भारतीय रास्ते से खाड़ी देशों में जाना अधिक पसंद कर रहे हैं। जब तक नेपाल सरकार हवाई टिकट के महंगे मूल्य को नियंत्रित नहीं करती तब तक लोग नेपाल छोड़ कर भारतीय एयरपोर्ट से विदेश जाते रहेंगे। भंडारी का अनुमान है कि पिछले तीन महीनों में कम से कम 15,000 नेपाली श्रमिकों ने विदेशी रोजगार के लिए भारतीय हवाई अड्डों का उपयोग किया है। वर्तमान में भी हर दिन 1,500 नेपाली रोजगार के लिए विदेश जा रहे हैं।

नेपाल में पेट्रोलियम पदार्थ मिलने की प्रधानमंत्री ओली ने की घोषणा

एजेंसी

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने नेपाल में पेट्रोलियम उत्पाद मिलने की घोषणा की है। पिछले कुछ महीने से नेपाल में पेट्रोलियम पदार्थों की संभाव्यता अध्ययन के लिए उत्खनन का काम किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ओली ने अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर एक पोस्ट के माध्यम से इस बात को सार्वजनिक किया है। अपने फेसबुक पेज पर प्रधानमंत्री ओली ने लिखा है कि दैलेख जिला में किए जा रहे अन्वेषण में 402 मीटर की गहराई पर पेट्रोलियम पदार्थ का नमूना मिला है जिसे परीक्षण के लिए भेजने के बाद नेपाल में भी पेट्रोलियम पदार्थ होने की बात पक्की हो गई है। हालांकि पेट्रोलियम पदार्थ के निकाले गए नमूने को वाणिज्यिक निष्कर्षण की ओर बढ़ने से पहले प्रयोगशाला परीक्षण से गुजरना होगा। प्रधानमंत्री ओली ने इस खोज को महत्वपूर्ण बताते हुए आश्वासन दिया कि इसके उपयोग के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। बताया जा रहा है कि पिछले कई दशकों से दैलेख जिले के इस स्थान के इर्द गिर्द पृथ्वी की सतह पर गैस जल रही है और पेट्रोलियम उत्पाद बाहर निकल रहे हैं। पेट्रोलियम

अन्वेषण और संवर्धन परियोजना के प्रमुख दिनेश कुमार नपीत के अनुसार यह क्षेत्र पेट्रोलियम उत्पादों के अस्तित्व की पुष्टि करने वाले कई प्रमाण मिलने के बाद खुदाई का काम मई 2024 में शुरू किया गया था।

नए सीरियाई प्रशासन की मुट्ठी में तुर्किये सीमा की चार क्रॉसिंग

एजेंसी

दमिश्क। नए सीरियाई प्रशासन ने देश के उत्तर में तुर्किये के साथ सीमा पर कई क्रॉसिंगों पर कब्जा कर लिया। प्रशासन ने अल-राय, जाराबुलस, अजाज और अल-हमाम क्रॉसिंग पर पूरी तरह कब्जा करने की घोषणा की। यह सभी क्रॉसिंग प्रशासनिक रूप से अलेप्पो गवर्नरेट से संबद्ध हैं। अरबी न्यूज वेबसाइट '963+' की खबर में सूत्रों के हवाले से कहा गया कि दिसंबर 2024 में असद शासन के पतन से पहले क्रॉसिंग का प्रबंधन सीरियाई अंतरिम सरकार से संबद्ध बॉर्डर क्रॉसिंग प्रशासन करता था। सीरिया में वर्षों के गृह युद्ध के दौरान अपदस्थ असद शासन ने पड़ोसी देशों के साथ अधिकांश सीमाओं पार पर अपना नियंत्रण खो दिया था। यह चारों क्रॉसिंग पिछले कई वर्षों से बंद थी। इनके खुल जाने से सीरियाई शरणार्थियों की वापसी का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इस बीच सीरियाई नागरिक सुरक्षा (व्हाइट हेलमेट्स) ने राजधानी

दमिश्क में अपने स्वयंसेवक सुभी अल-वावी की मौत पर शोक व्यक्त किया है। व्हाइट हेलमेट्स ने कहा कि सोभी की शुक्रवार देरशाम दमिश्क में गोली लगने से मौत हो गई। रूस के हवाई हमलों और अपदस्थ शासन की सेनाओं की बमबारी के परिणामस्वरूप नागरिक सुरक्षा ने पिछले वर्षों में 312 स्वयंसेवकों को खो दिया है। व्हाइट हेलमेट्स ने अपने फेसबुक अकाउंट पर यह भी कहा कि बशर अल-असद के शासन के पतन के बाद सोभी की हत्या अपनी तरह की दूसरी हत्या है। इससे पहले 10 दिसंबर, 2024 को मध्य सीरिया में होम्स गवर्नरेट के पूर्वी ग्रामीण इलाके में स्थित अल-करायतायन शहर में नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवक मोहम्मद जहरा की हत्या कर दी गई थी।

बांग्लादेश में घना कोहरा, नौका सेवा प्रभावित, नदी घाटों पर 300 से अधिक वाहन फंसे

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में घने कोहरे ने नदी जलमार्ग पर ब्रेक लगा दिया है। दृश्यता बेहद कम होने के कारण पतुरिया-दौलतदिया और अरिचा-काजीरहाट जलमार्ग पर नौका सेवा पर पूरी तरह रोक लगा दिया गया है। मौसम जब तक नहीं खुलता यह सेवा निलंबित रहेगी।ढाका ट्रिब्यून समाचार पत्र के अनुसार, खान जहान अली, बीरश्रेष्ठ जहांगीर और बैगर घाट पर 300 से अधिक वाहन नदी के बीच में फंसे हुए हैं। इनमें ज्यादातर मालवाहक ट्रक हैं। इनको चार नदी घाट पार कर गंतव्य तक पहुंचना है। बांग्लादेश अंतर्देशीय जल परिवहन निगम के उप महाप्रबंधक नासिर चौधरी ने बताया कि अरिचा-काजीरहाट जल मार्ग पर सूर्यास्त के बाद कोहरे की तीव्रता बढ़ने लगी। रात 11:30 बजे कोहरा इतना घना हो गया कि इसने समस्त जलमार्ग को पूरी तरह ढक लिया। इसलिए नौका

सेवा को निलंबित करने का फैसला लेना पड़ा। यात्रियों और वाहनों को लेकर जा रही खान जहान अली रो-रो नौका बीच नदी में फंस गई। तीन अन्य घाट-चित्रा, कृष्णी और शाह अली-अरिचा टर्मिनल पर वाहन फंसे हुए हैं। रात करीब एक बजे घने कोहरे के कारण पतुरिया-दौलतड़िया जलमार्ग भी बंद हो गया। इस समय दो नौकाएं बिरश्रेष्ठ जहांगीर और बैगर में नदी में फंसी हुई हैं। कोहरे की मार आठ नदी घाटों पर पड़ी है।

बेलगोरोड में यूक्रेन के एटीएसीएमएस मिसाइल हमले का करारा जवाब देगा रूस

एजेंसी

मॉस्को। रूस ने यूक्रेन को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि वह अमेरिकी एटीएसीएमएस ऑपरेशनल-टैक्टिकल मिसाइलों के साथ बेलगोरोड क्षेत्र पर हमला करने के यूक्रेनी सशस्त्र बलों के प्रयासों का करारा जवाब देगा।

रूसी रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है, पश्चिमी क्यूरेटर द्वारा समर्थित कीव शासन की इन कार्रवाइयों का उचित जवाब दिया जाएगा। मंत्रालय ने यूक्रेनी सैनिकों द्वारा बेलगोरोड क्षेत्र पर एटीएसीएमएस हमला करने का प्रयास का भी उल्लेख किया।रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा, मिसाइल-रोधी लड़ाई के दौरान एस-400 एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल सिस्टम और पैंटिर-एसएम एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल और गन सिस्टम के लड़ाकू दल ने सभी एटीएसीएमएस मिसाइलों को मार गिराया। इससे पहले, 12 दिसंबर 2024 को भी रूस ने यूक्रेनी सेना पर रूस के रोस्तोव क्षेत्र में टैगान्रोग सैन्य हवाई क्षेत्र पर पश्चिमी उच्च-सटीक हथियारों के साथ मिसाइल हमला करने का आरोप लगाया था। तब रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि छह अमेरिकी निर्मित एटीएसीएमएस बैलिस्टिक मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया था, उनमें से दो को मार गिराया गया था और बाकी को रूसी इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियों द्वारा विक्षेपित कर दिया गया था। हालांकि मंत्रालय ने उस वक्त भी कहा था कि पश्चिमी लंबी दूरी के हथियारों से किया गया यह हमला अनुत्तरित नहीं रहेगा और उचित कदम उठाए जाएंगे।

पाकिस्तान में बलूचिस्तान के तुरबत में विस्फोट, चार की मौत, 32 घायल

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बलूचिस्तान के तुरबत शहर में हुए विस्फोट में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 32 अन्य घायल हो गए। इनमें से पांच की हालत गंभीर है। घायलों में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और उनके परिवार के छह सदस्य भी शामिल हैं। प्रतिबंधित बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। पुलिस ने यह जानकारी दी।

जियो न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, हाथ लगे एक सीसीटीवी फुटेज में सड़क पर कई वाहन चल रहे हैं और अचानक हुए विस्फोट के बाद एक चलती यात्री बस में आग लग गई। पुलिस ने कहा कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (अपराध शाखा) जोहैब मोहसिन व उनके परिवार के

छह सदस्य भी घायल हो गए। जब विस्फोट हुआ तब मोहसिन और उनका परिवार इलाके से गुजर रहा था। सुरक्षा बलों के मुताबिक, प्रतिबंधित आतंकी संगठन बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने हमले की जिम्मेदारी ली है। मृतकों की पहचान नूर खान, अब्दुल वहाब, इजाज और लियाकत अली के रूप में की गई है। चारों नागरिक बलूचिस्तान के अलग-अलग इलाकों के रहने वाले थे। सुरक्षा सूत्रों ने कहा कि बीएलए ने एक साल में 100 से अधिक निर्दोष बलूच नागरिकों की जान ली है। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने विस्फोट में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए घटना की निंदा की। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी शोक व्यक्त किया है।

सिंध के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह ने तुरबत विस्फोट की कड़ी निंदा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्दोष लोगों को निशाना बनाना क्रूर और बर्बर कृत्य है। सिंध के गवर्नर कामरान टेसोरी ने भी तुरबत में हुए विस्फोट की निंदा करते हुए कहा कि आतंकवादी निर्दोष नागरिकों के जीवन के दुश्मन हैं।

कुर्रम गोलीबारी में शामिल पांच हमलावरों की पहचान

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सर्वाधिक अशांत प्रांत खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम में संघर्ष विराम तोड़ते हुए हिंसा करने वाले सशस्त्र हमलावरों में से पांच की पहचान कर ली गई है। इस गोलीबारी में कुर्रम के उपायुक्त जावेदुल्ला महसूद घायल हुए हैं। प्रांतीय सरकार ने उपायुक्त पर हमले के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का फैसला किया है। सरकार ने इसे जिले में प्रतिद्वंद्वी जनजातियों के बीच हाल ही में हस्ताक्षरित शांति समझौते का उल्लंघन बताया है।

पाकिस्तान के समाचार पत्र द न्यूज इंटरनेशनल के अनुसार यह निर्णय मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर की अध्यक्षता में देररात हुई बैठक में लिया गया। बैठक में कुर्रम जिले के बागान गोलीबारी की घटना के बाद की स्थिति पर चर्चा की गई। बैठक में

मुख्य सचिव और प्रांत के पुलिस प्रमुख सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। जिला प्रशासन के अधिकारियों ने कहा कि उपायुक्त के अलावा छह अन्य घायल हो गए। इनमें फ्रंटियर कांस्टेबुलरी कर्मी, एक पुलिसकर्मी और चार नागरिक शामिल हैं। अशांत क्षेत्र में शांति बहाल करने के प्रयासों में अहम भूमिका निभाने वाले उपायुक्त और अन्य को अस्पताल ले जाया गया। देररात हुई बैठक में यह निष्कर्ष निकला कि इस घटना के लिए स्थानीय निवासी ही जिम्मेदार हैं। उन्होंने शांति समझौते का उल्लंघन किया है। अधिकारियों ने निर्णय लिया कि गोलीबारी की घटना में शामिल लोगों को तुरंत गिरफ्तार किया जाएगा। अधिकारियों ने शनिवार देररात कहा कि हमले में शामिल पांच लोगों की पहचान कर ली गई है।सनद रहे कुर्रम कई महीनों से सुर्खियों में है। जिले में लगातार हो रही हिंसा में 130 से अधिक लोगों की जान गई है। आदिवासी बुजुर्गों के बीच लगभग 50 दिन की लंबी बातचीत के बाद आखिरकार नए साल के पहले दिन एक जनवरी को शांति समझौता हुआ। कुर्रम जिले में दोनों युद्धरत पक्ष ग्रैंड जिरगा की सहायता से 14 बिंदुओं पर सहमत हुए थे। इनमें निजी हथियारों को सरकार को सौंपने के साथ-साथ बंकरों को नष्ट करना भी शामिल था।

हिलेरी क्लिंटन समेत 19 अमेरिका के सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम से अलंकृत

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पूर्व विदेशमंत्री हिलेरी क्लिंटन समेत 19 हस्तियों को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम' से अलंकृत किया। सम्मान समारोह का आयोजन व्हाइट हाउस के ईस्ट रूम में आयोजित किया गया।

द व्हाइट हाउस की विज्ञप्ति के अनुसार, राष्ट्रपति बाइडेन ने कहा कि अलंकृत होने वालीं हिलेरी क्लिंटन समेत सभी 19 लोगों ने अमेरिका की बेहतरी के लिए बहुत कुछ किया है। अन्य अलंकृत लोगों में अभिनेता माइकल जे. फॉक्स, डेन्जेल वाशिंगटन, यू2 फ्रंटमैन बोनो, इंटर मियामी फुटबॉल स्टार लियोनेल मेस्सी और अरबपति परोपकारी जॉर्ज सोरोस शामिल हैं। मरणोपरांत इस सम्मान से अलंकृत होने वालों में पूर्व अटॉर्नी जनरल रॉबर्ट एफ कैनेडी, नागरिक अधिकार नेता फैनी लू हैमर, पूर्व रक्षा सचिव ऐश कार्टर और मिशिगन के पूर्व गवर्नर जॉर्ज डब्ल्यू

रोमनी हैं। बाइडेन ने एथोलॉजिस्ट और संरक्षणवादी डॉ. जेन गुडॉल, सेवानिवृत्त लॉस एंजिल्स लेकर्स के दिग्गज मैजिक जॉनसन, शेफ और वर्ल्ड सेंट्रल किचन के संस्थापक जोस एंड्रेस, फैशन डिजाइनर राल्फ लॉरेन, वोग के प्रधान संपादक अन्ना विंटोर, विज्ञान शिक्षक बिल नी, द साइंस गाइ, एलजीबीटीक्यू कार्यकर्ता और उद्यमी टिम गिल, अरबपति परोपकारी डेविड रूबेनस्टीन और अमेरिकन फिल्म इंस्टीट्यूट के संस्थापक जॉर्ज स्टीवंस जूनियर को भी इस सम्मान से अलंकृत किया। व्हाइट हाउस के अनुसार, मेस्सी किन्हीं कारणों से उपस्थित नहीं हो सके। इस पुरस्कार की स्थापना 1963 में रॉबर्ट एफ कैनेडी के भाई दिवंगत राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी ने की थी।

इक्वाडोर के राष्ट्रपति ने सात प्रांतों में की आपातकाल की घोषणा

एजेंसी

क्विटो। इक्वाडोर में बढ़ती आंतरिक अशांति और सशस्त्र संघर्ष के बीच राष्ट्रपति डेनियल नोबोआ ने देश के सात राज्यों और तीन नगर पालिकाओं में 60 दिनों के लिए आपातकाल की घोषणा की है। यह आपातकाल गुआयास, लॉस रियोस, मनाबी, सांता एलेना, एल ओरो, ओरेलाना और सुकुम्बियोस प्रांतों के साथ-साथ क्विटो, ला ट्रोनकल और कैमिलो पोंस एनरिकेज़ के मेट्रोपॉलिटन जिले में लागू होगा।

गाजा पर इजरायली हमलों में 184 लोगों की मौत-हमास

एजेंसी

गाजा । गाजा पट्टी में इजरायली सेना के पिछले 72 घंटों में किए गए 94 हवाई हमलों और गोलीबारी में 184 लोग मारे गए है। हमास द्वारा संचालित गाजा मीडिया कार्यालय ने यह जानकारी दी। कार्यालय ने अपने बयान में निहत्थे नागरिकों और आवासीय क्षेत्रों विशेषकर गाजा शहर को निशाना बनाते हुए वृद्धि को खतरनाक और क्रूर बताया।बयान में कहा गया है कि कई पीड़ित या तो मारे गए या घायल हुए, मलबे में फंसे रहे, क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे के कारण उनकी अस्पतालों तक पहुंच में बाधा उत्पन्न हुई। गाजा में फिलिस्तीनी नागरिक सुरक्षा अधिकारियों ने पुष्टि की कि पिछले तीन दिनों में इजरायली हवाई हमले हिंसक रूप से तेज हो गए हैं जिसे स्थानीय निवासियों ने असाधारण रूप से कठिन अवधि बताया है। बयान में इन भयानक अपराधों के लिए इजरायली सेना को पूरी तरह से जिम्मेदार ठहराया गया और इजरायल को हथियार और राजनीतिक समर्थन प्रदान करने के लिए अमेरिकी प्रशासन की भी आलोचना की गई। बयान में अंतरराष्ट्रीय समुदाय और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से इन जघन्य अपराधों का दस्तावेजीकरण करने और अपराधियों के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए स्वतंत्र जांच टीमों को भेजकर अपने

कानूनी और नैतिक दायित्वों को बनाए रखने का आह्वान किया गया।गाजा पर इजरायली हवाई हमले गुरुवार सुबह तब शुरू हुए जब रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने बुधवार को चेतावनी दी कि अगर हमास ने बंधकों को रिहा नहीं किया और इजरायल पर रॉकेट दागना बंद नहीं किया तो अभूतपूर्व बल का इस्तेमाल किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि सात अक्टूबर 2023 को शत्रुता फैलने के बाद से इज़रायल गाजा में हमास के खिलाफ बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान में लगा हुआ है। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार हमलों में 45,000 से अधिक फिलिस्तीनी मौतें हुई हैं। यह युद्ध दक्षिणी इज़रायल पर हमास के हमले के कारण शुरू हुआ था जिसमें 1,200 से अधिक इज़रायली मारे गए और लगभग 250 बंधकों का अपहरण कर लिया गया था।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

दो दिवसीय दौरे पर भारत आएंगे अमेरिकी सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन 5-6 जनवरी को भारत का दौरा करेंगे। इस दौरान वे भारत के एनएसए अजीत डोभाल और विदेश मंत्री डॉ एस. जयशंकर के साथ बैठक करेंगे। व्हाइट हाउस की ओर से विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी गई है। व्हाइट हाउस के अनुसार, दोनों देशों के एनएसए अपनी बैठक के दौरान अंतरिक्ष, रक्षा तथा रणनीतिक प्रौद्योगिकी सहयोग के मुद्दों पर चर्चा करेंगे। साथ ही चीन के बांध प्रोजेक्ट तथा हिंद-प्रशांत व उससे परे साझा सुरक्षा प्राथमिकताओं पर भी अहम चर्चा होगी। अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण से पहले अमेरिकी एनएसए सुलिवन का दौरा बेहद अहम माना जा रहा है। अपनी यात्रा के दौरान जेक सुलिवन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (दिल्ली) का भी दौरा करेंगे, जहां वह युवा भारतीय उद्यमियों से मुलाकात करेंगे। साथ ही क्रिटिकल एंड इमर्जिंग विषय पर यूएस-इंडिया पहल के तहत हमारे नवाचार गठबंधन को मजबूत करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत द्वारा मिलकर उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों को रेखांकित करते हुए एक भाषण भी देंगे। अपनी यात्रा के दौरान सुलिवन विदेश मंत्री एस जयशंकर और अन्य भारतीय नेताओं से भी मुलाकात करेंगे।

जयंत एन. खोबरागड़े पोलैंड में भारत के अगले राजदूत नियुक्त

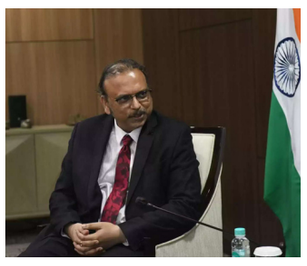

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने बताया कि 1995 बैच के भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी जयंत एन. खोबरागड़े को पोलैंड में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। खोबरागड़े वर्तमान में आसियान में भारत के राजदूत हैं। विदेश मंत्रालय की विज्ञप्ति में कहा गया है कि उम्मीद है कि वह जल्द ही अपना कार्यभार संभाल लेंगे।

फर्जी फॉर्म भरवाकर महिलाओं का वोट हासिल करने की कोशिश में केजरीवालः कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी (पार्टी) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की घोषणा के प्रति यहां की महिलाओं को आगाह करने आए पंजाब के पार्टी नेताओं का धन्यवाद किया है और श्री केजरीवाल पर फर्जी फॉर्म भरवाकर महिलाओं का वोट हासिल करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि पंजाब में तीन साल पहले श्री केजरीवाल ने महिलाओं को 1000 रुपये देने का जो वादा किया था, लेकिन तीन साल में किसी एक महिला को एक पैसा नहीं दिया गया है। इसके बावजूद श्री केजरीवाल पंजाब का हवाला देकर दिल्ली में महिलाओं को 2100 रुपये देने की घोषणा करके महिलाओं से फर्जी फॉर्म भरवाकर रहे हैं और उनके वोट हासिल करने का षडयंत्र रच रहे हैं। उन्होंने कहा कि कहा कि दिल्ली की महिलाओं के लिए अब तक कुछ क्यों नहीं सोचा, जबकि श्री केजरीवाल पिछले 11 वर्षों से दिल्ली की सत्ता में है। भ्रष्टाचार, कुशासन और जनता की पूर्ण निष्क्रियता के चलते जब श्री केजरीवाल को आम आदमी पार्टी का जहाज डूबता दिखाई दे रहा है, तो लुभावनी महिला सम्मान योजना, संजीवनी योजना, फरिश्ते योजना, पुजारी-ग्रंथी सम्मान योजना आदि की घोषणा कर रहे हैं। उनका ध्यान वोट की राजनीति करने पर केन्द्रित है और सत्ता हथियाने के लिए हर संभव हथकंडे अपना रहे है। कांग्रेस नेता ने कहा कि श्री केजरीवाल का यह बयान कि दिल्ली की जनता कांग्रेस पार्टी को संवेनशीलता से नहीं ले रही है, उनकी सियासी जमीन खिसकने का परिचायक है।

आआपा के विधायक चुनाव आयोग के अधिकारियों को धमका रहे हैंः भाजपा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि आम आदमी पार्टी (आआपा) के संयोजक अरविंद केजरीवाल को नई दिल्ली विधानसभा चुनाव में हारने का डर सता रहा है। इसलिए, आम आदमी पार्टी के दो राज्यसभा सदस्य संजय सिंह और राघव चड्ढा आए दिन सिर्फ नई दिल्ली विधानसभा के चुनाव आयोग के कार्यालय जाकर अफसरों को धमकाते हैं और असंवैधानिक कार्य करने को कहते हैं। वीरेंद्र सचदेवा ने एक वक्तव्य में कहा कि 21 दिसंबर, 28 दिसंबर और 29 दिसंबर के बाद राघव चड्ढा और संजय सिंह तीन जनवरी को चुनाव आयोग से जाकर कहते हैं कि पोलिंग स्टेशन नंबर 50 धोबी घाट और पोलिंग स्टेशन नंबर 53 सरोजिनी नगर जहां की तीन से चार साल पहले सारी झुग्गियां शिफ्ट कर दी गई, उनके वोट वहीं बने रहने दो। सचदेवा ने कहा कि सरोजनी नगर की सारी झुग्गियों को शिफ्ट कर दिया गया लेकिन दोनों चाहते हैं कि यहां के वोट नहीं कटने चाहिए। सचदेवा ने कहा कि पोलिंग स्टेशन नंबर 18, जहां की झुग्गियों को हटाकर इनको द्वारका शिफ्ट किया गया लेकिन दोनों राज्यसभा के सदस्य चाहते हैं इनका वोट नहीं कटना चाहिए। इसका मतलब है कि चुनाव आयोग किस प्रकार काम करेगा, यह अब अरविंद केजरीवाल और उनके राज्यसभा सदस्य तय करेंगे।

'पंचायत से संसद 2.0' का आयोजन करेगा राष्ट्रीय महिला आयोग

एजेंसी

नई दिल्ली। अनुसूचित जनजातियों से निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों को संसद में लाने के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग 'पंचायत से संसद 2.0' की शुरुआत करने जा रहा है। लोकसभा सचिवालय और जनजातीय मामलों के मंत्रालय के सहयोग से आयोजित किए जाने वाले विशेष कार्यक्रम ÷पंचायत से संसद 2.0÷ में देश भर से 500 निर्वाचित महिला प्रतिनिधि भाग लेंगी। यह कार्यक्रम 6 जनवरी को आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने अपने आवास पर आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि संसद के सेंट्रल हॉल में आयोजित होने वाले इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में देश के 22 राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाली अनुसूचित

जनजातियों की 500 निर्वाचित महिला प्रतिनिधि भाग लेंगी। यह कार्यक्रम एक ऐतिहासिक होगा। यह सम्मानित आदिवासी नेता और स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के मौके पर भी आयोजित हो रहा है। उनकी स्थायी विरासत का सम्मान करते हुए, यह कार्यक्रम आदिवासी महिला नेताओं की नेतृत्व क्षमताओं को मजबूत करने और उन्हें अपने समुदायों में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए सशक्त बनाने का प्रयास है। इस पहल को महिला सशक्तीकरण के लिए मील का पत्थर बताते हुए रहाटकर ने कहा कि यह पहल जमीनी स्तर पर महिला नेताओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक कदम है। उन्हें संवैधानिक सिद्धांतों, संसदीय प्रक्रियाओं और शासन तंत्र से अवगत कराकर, हमारा लक्ष्य उन्हें प्रभावशाली नेतृत्व के लिए आवश्यक उपकरणों से लैस करना है। महिला नेता एक विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण हैं और यह कार्यक्रम उनकी यात्रा का समर्थन करने के लिए एनसीडब्ल्यू की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में आयोजित होने वाले तकनीकी सत्र में राष्ट्रीय नेता मार्ग दर्शन करेंगे। भाग लेने वाले प्रतिभागी लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय जनजातीय मामलों के मंत्री जुएल ओराम और महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी से मिलेंगे। प्रतिभागी ऐतिहासिक लोकसभा कक्षों, प्रधानमंत्री संग्रहालय और राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का दौरा करेंगे।

समावेशी स्वास्थ्य का रोड मैप तैयार करने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय ने किया मंथन शिविर का आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। समावेशी स्वास्थ्य के लक्ष्यों की पूर्ति के लिए रोड मैप तैयार करने के मकसद से केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंथन शिविर का आयोजन किया। इस बैठक की अध्यक्षता केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने की।

इस बैठक का उद्देश्य नागरिकों को सस्ती, आसानी से सुलभ, गुणवत्तापूर्ण, समावेशी और व्यापक स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लक्ष्यों के लिए एक समग्र, अभिनव और प्रगतिशील रोडमैप तैयार करना है। जेपी नड्डा ने बैठक के बाद एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री के विकसितभारत2047 का विजन न केवल हम सभी को मार्गदर्शन दे रहा है, बल्कि हमें ऐसे देश की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित भी कर रहा है, जहां नागरिकों को सस्ती, आसानी से सुलभ, गुणवत्तापूर्ण, समावेशी और व्यापक स्वास्थ्य सेवा मिले। इन लक्ष्यों के लिए एक समग्र, अभिनव और प्रगतिशील रोडमैप तैयार करने के उद्देश्य से, स्वास्थ्य मंत्रालय ने आज एक मंथन शिविर का आयोजन किया। उन्होंने जानकारी दी कि इस बैठक में वरिष्ठ नीति निर्माताओं और कार्यान्वयन एजेंसियों ने इस मंथन में भाग लिया और देश के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में बदलाव, सुधार और ऊर्जा लाने वाले विभिन्न विषयों पर उत्साहपूर्वक बहस और चर्चा की।

उन्होंने विश्वास जताया कि इन सत्रों की ऊर्जा से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा परिकल्पित विकसित भारत को बढ़ावा देगी।

भाजपा ने दिल्ली की आआपा सरकार पर वित्तीय कुप्रबंधन का लगाया आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने एक बार फिर दिल्ली की आम आदमी पार्टी (आआपा) की सरकार पर निशाना साधा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने पार्टी मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में आआपा सरकार पर वित्तीय कुप्रबंधन का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एक दिन पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कहा था कि दिल्ली में गंभीर आपदा आई हुई है।

दिल्ली की आर्थिक स्थिति कमजोर होती जा रही है। दिल्ली लगातार घाटे में जा रही है। केंद्र सरकार से जो सहायता मिलती है उस पर निर्भरता लगातार बढ़ती जा रही है। आज केंद्र सरकार से मिलने वाला फंड 3 गुना से अधिक हो गया है। डॉ. त्रिवेदी ने कहा कि दिल्ली में आपदाओं की तो एक श्रृंखला है, जो 10 वर्षों से यहां की जनता झेल रही है लेकिन आज हम एक गंभीर विषय पर हम अपना पक्ष रखेंगे और प्रतिदिन एक आपदा के बारे में बताएंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लघु बचत कोष इसमें शामिल है। उन्होंने इस बार 10,000 करोड़ रुपये के ऋण के लिए आवेदन किया है, लेकिन यह इतना आसान नहीं है। 2016-17 में, उन्होंने 2,896 करोड़ रुपये उधार लिए और पिछले तीन वर्षों में यह राशि बढ़कर 11,000 करोड़ रुपये हो गई। अब, सिर्फ़ इस एक साल में उन्होंने 10,000 करोड़ का ऋण लेने के लिए आवेदन किया है। इससे पता चलता है कि उन्होंने दिल्ली के खजाने को कैसे लूटा और खाली किया है। 2015-16 में दिल्ली का राजस्व 1.5 प्रतिशत था यानी कि जो व्यय था उसके दृष्टि से सही था। आज ये माइनस में चल गया है।

चीन में फैले एचएमपीवी वायरस के मद्देनजर स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुलाई संयुक्त निगरानी समूह की बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। परिवार कल्याण मंत्रालय के डीजीएचएस अतुल गोयल की अध्यक्षता में पिछले कुछ सप्ताह में चीन में सांस संबंधी बीमारियों के बढ़ते मामलों की रिपोर्ट के मद्देनजर स्वास्थ्य एवं संयुक्त निगरानी समूह (जेएमजी) की बैठक हुई। बैठक में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), आपदा प्रबंधन (डीएम) सेल, एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी), राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), आपातकालीन चिकित्सा राहत (ईएमआर) प्रभाग और अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली सहित अस्पतालों के विशेषज्ञों ने भाग लिया। बैठक में कहा गया कि चीन में फ्लू के मौसम को देखते हुए स्थिति असामान्य नहीं है। रिपोर्ट्स यह भी बताती है कि मौजूदा बढ़ोतरी का कारण इन्फ्लूएंजा वायरस, आरएसवी और एचएमपीवी है- जो इस मौसम

में होने वाले सामान्य रोगजनक है। सरकार सभी उपलब्ध माध्यमों से स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है और विश्व स्वास्थ्य संगठन से भी चीन की स्थिति के बारे में समय पर जानकारी साझा करने का अनुरोध किया गया है।

मंत्रालय ने बैठक की जानकारी साझा करते हुए कहा कि ये वायरस भारत सहित विश्व भर में पहले से ही मौजूद है। भारत में इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी (आईएलआई) और इन्फ्लूएंजा के लिए गंभीर तीव्र श्वसन बीमारी (एसएआरआई) के लिए एक मजबूत निगरानी प्रणाली पहले से ही आईसीएमआर और आईडीएसपी नेटवर्क दोनों के माध्यम से मौजूद है और दोनों के आंकड़ों से पता चलता है कि आईएलआई और एसएआरआई मामलों में कोई असामान्य वृद्धि नहीं हुई है।अस्पतालों के चिकित्सकों ने भी पुष्टि की है कि अपेक्षित मौसमी बदलाव के अलावा पिछले कुछ सप्ताहों में श्वसन संबंधी बीमारियों के मामलों में कोई वृद्धि नहीं हुई है। आईसीएमआर नेटवर्क अन्य श्वसन वायरस जैसे एडेनोवायरस, आरएसवी, एचएमपीवी आदि के लिए भी परीक्षण करता है और ये रोगजनक भी परीक्षण किए गए नमूनों में असामान्य वृद्धि नहीं दिखाते हैं। एहतियाती उपाय के रूप में, आईसीएमआर द्वारा एचएमपीवी के लिए परीक्षण करने वाली प्रयोगशालाओं की संख्या बढ़ाई जाएगी और आईसीएमआर पूरे वर्ष एचएमपीवी पर निगरानी करेगा।

देश भर में हाल ही में आए कोरोना प्रबंधन से पता चला है कि देश श्वसन संबंधी बीमारियों में किसी भी वृद्धि से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है। मंत्रालय देश में किसी भी स्वास्थ्य चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।

डीयू के नए कॉलेज का नाम सावरकर पर रखने से केवल औपनिवेशिक मानसिकता वालों को आपत्ति : धर्मेंद्र प्रधान

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के नए कॉलेज का नाम स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर के नाम पर रखने के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति की सराहना की। वहीं इस फैसले का विरोध करने वालों को आड़े हाथों लेते हुए उन्होंने कहा कि केवल औपनिवेशिक मानसिकता रखने वालों को इससे आपत्ति है।

केंद्रीय मंत्री प्रधान डीयू के कन्वेंशन हॉल में दिल्ली विश्वविद्यालय फाउंडेशन के प्रथम 'समर्पण समारोह' को संबोधित कर रहे थे। प्रधान ने कहा कि डीयू के इतिहास में दानियों के 'समर्पण समारोह' का आयोजन पहली बार हुआ। उन्होंने कहा कि आज यह आयोजन बीज रूप में है, लेकिन एक दिन यह वट वृक्ष बनेगा। इस अवसर पर धर्मेंद्र प्रधान ने डीयू फ़ाउंडेशन की 'सशक्त बेटी' और 'ई-दृष्टि' नामक दो परियोजनाओं का शुभारंभ किया। सशक्त बेटी परियोजना का लक्ष्य विश्वविद्यालय में पढ़ रही उन छात्राओं को लैपटॉप प्रदान करके सशक्त बनाना है, जो या तो अनाथ हैं या 4 लाख रुपये से कम

पारिवारिक आय वाली एकल बेटी संतानें हैं। इसके तहत विश्वविद्यालय की छात्राओं और दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को लैपटॉप और टैबलेट का वितरण भी किया। इस अवसर पर 300 लैपटॉप और 300 टैबलेट वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय को पूर्णतः समर्पित एक एम्बुलेंस का अनावरण एवं 'कमेमोरेटिव वॉल्यूम ऑफ़ डोनर्स क्रॉनिकल, 2024' का विमोचन भी किया गया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने रोशनपुरा में बनने वाले कॉलेज का नाम वीर सावरकर के नाम पर रखने के लिए डीयू का धन्यवाद करते हुए कहा कि सावरकर का देशभक्त के रूप में अपना एक रास्ता था। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि सावरकर एक महान राष्ट्रवादी थे, लेकिन समाज का एक वर्ग औपनिवेशिक मानसिकता वाला है, जिसे डीयू कॉलेज का नाम उनके नाम पर रखे जाने पर आपत्ति है। प्रधान ने कहा कि हम इतिहास को बदलना नहीं चाहते, बल्कि इतिहास को बड़ा करना चाहते हैं। इतिहास भविष्य के लिए दर्पण होता है और डीयू इसमें बड़ी भूमिका निभा रहा है।

सफदरजंग अस्पताल में सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए लगाया गया टीकाकरण शिविर

एजेंसी

नई दिल्ली। सर्वाइकल कैंसर जागरूकता माह के अवसर पर सफदरजंग अस्पताल के बाल चिकित्सा ओपीडी में एचपीवी वैक्सीनेशन कैंप आयोजित किया गया। आयोजित इस कैंप में 9-20 वर्ष की लड़कियों को एचपीवी वैक्सीन दी गई। इस पहल को आरसीओजी नॉर्थ ज़ोन इंडिया ने सहयोग प्रदान किया।28 बच्चों ने कैंप में पंजीकरण कराया, जिनमें से 25 को वैक्सीन दी गई। कैंप का उद्घाटन मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. कपिल सूरी और वीएमएमसी व एसजेएच की प्रिंसिपल डॉ. गीता खन्ना ने किया। इस मौके पर एडिशनल एमएस डॉ. आरपी अरोड़ा, बाल रोग विभाग के एचओडी डॉ. कृष्ण कुमार और गायनी विभाग के एचओडी डॉ. रत्तन गुप्ता भी मौजूद रहे। डॉ. सरिता शमसुंदर (हेड, गाइन ऑन्कोलॉजी यूनिट), डॉ. अनीता कुमार, डॉ. अर्चना मिश्रा, डॉ. शीबा मारवाह और डॉ. सुमित मेंदीरत्ता इस आयोजन के प्रमुख आयोजक रहे। कैंप में बच्चों और अभिभावकों को एचपीवी वैक्सीन के महत्व और सुरक्षा के बारे में जानकारी दी गई। एचपीवी वैक्सीन का उद्देश्य

सर्वाइकल कैंसर और अन्य संबंधित बीमारियों से बचाव करना है। विशेषज्ञों ने बताया कि समय पर वैक्सीनेशन से इस घातक बीमारी को रोका जा सकता है। उल्लेखनीय है कि सर्वाइकल कैंसर के मामले दिनों दिन तेज़ी से बढ़ रहे हैं। ये कैंसर सर्विक्स के इनर टिश्यू यानि गर्भाशय ग्रीवा की कोशिकाओं में पनपता है। ह्यूमन पेपिलोमावायरस या एचपीवी वायरस, जो एक यौन संचारित संक्रमण है, रिप्रोडक्टिव सिस्टम को प्रभावित करने लगता है। इस संक्रमण के चलते शरीर में सर्वाइकल कैंसर की समस्या विकसित होने लगती है। यौन संपर्क के माध्यम से फैलने वाला यह रोग दुनियाभर में एक बड़ी स्वास्थ्य समस्या बनकर उभर रहा है। वहीं, भारत में ब्रेस्ट कैंसर के बाद महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर के मामले सबसे ज्यादा पाए जाते हैं। हांलाकि पैप स्मीयर परीक्षण या एचपीवी जांच से कैंसर का पता लगाया जा सकता है। सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर) भारत में महिलाओं में कैंसर से होने वाली मौतों का प्रमुख कारण है। देश में हर दिन इसकी वजह से करीब 200 महिलाओं की मृत्यु होती है। इस रोग से निपटने के लिए वर्ल्ड हैल्थ असेंबली द्वारा 2020 में एक ग्लोबल रणनीति तैयार की गई थी, जिसके अंतर्गत आरंभिक लक्ष्यों को 2030 तक हासिल किया जाना निर्धारित किया गया है।

मणिपुर में ताजा हिंसा को लेकर कांग्रेस ने प्रधानमंत्री पर साधा निशाना

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मणिपुर में ताजा हिंसा के लिए केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया है। पार्टी ने दोहराया है कि मणिपुर की समस्या को सुलझाने के लिए प्रधानमंत्री को सभी राजनीतिक दलों के साथ मिल बैठकर सार्थक कोशिश करनी चाहिए। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक वक्तव्य में कहा कि मणिपुर में हाल ही में एक बार फिर हिंसा की वारदात देखने को मिली है। इस बार भीड़ ने पुलिस अधीक्षक पर हमला किया, जिसके परिणामस्वरूप कांगपोकपी जिले में कई लोग घायल हो गए। खरगे ने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने इस घटना पर खेद जताया है लेकिन यह उनके लिए शर्मनाक है। प्रधानमंत्री के मणिपुर का दौरा नहीं करने के अवसरों को वहां के मुख्यमंत्री अपने तरीके से समय-समय पर भुना रहे हैं।

खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने आखिरी बार चुनावी बेला में जनवरी 2022 में प्रचार के लिए मणिपुर गए थे। राज्य में 3 मई 2023 को हिंसा भड़क उठी। 600 से ज़्यादा दिन बीत चुके हैं और सैटेलाइट इमेज के ज़रिए मीडिया रिपोर्ट्स से पता चला है कि राज्य में

कई गांवों का सफाया हो चुका है। हाल ही में एक बार फिर हिंसा की एक और घटना देखने को मिली जब भीड़ ने पुलिस अधीक्षक पर हमला किया, जिसके परिणामस्वरूप कांगपोकपी जिले में कई लोग घायल हो गए। यह खूबसूरत सीमावर्ती राज्य जिस तरह से खूनखराबे के दौर से गुजर रहा है, उसमें अबतक 250 से ज़्यादा निर्दोष लोगों की मौत हो चुकी है और 60,000 लोग विस्थापित हो चुके हैं। लोग अभी भी 20 महीने से शिविरों में रह रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा है कि शांति और सामान्य स्थिति सुनिश्चित करना केंद्र और राज्य सरकारों की प्राथमिक ज़िम्मेदारी है। कांग्रेसाध्यक्ष ने कहा कि 6 दिसंबर को मणिपुर के लिए इंडी गठबंधन (आईएनडीआईए) के घटक दलों ने प्रधानमंत्री से तीन खास अनुरोध किए थे। पहला- 2024 खत्म होने से पहले मणिपुर का दौरा करें, लेकिन आपने ऐसा नहीं किया। दूसरा- दिल्ली में अपने कार्यालय में सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को बुलाएं लेकिन आपने ऐसा नहीं किया। तीसरा- मणिपुर में खुद को सीधे तौर पर शामिल करें, लेकिन ऐसा नहीं लगता कि आपने ऐसा किया है। खरगे ने सख्त लहजे में कहा, प्रधानमंत्री मोदी अगर इनमें से कुछ भी नहीं करते हैं तो आप राजधर्म का पालन न करने के संवैधानिक दोष से बच नहीं सकते।

आईएएफ ने गुवाहाटी वायु सेना केंद्र में उद्योग आउटरीच कार्यक्रम 2025 की योजना बनाई

एजेंसी

गुवाहाटी। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) भारत की रक्षा क्षमता को मजबूत करने और स्वदेशी नवाचार को बढ़ावा देने के लिए एक उद्योग आउटरीच कार्यक्रम 25 (आईओई25) आयोजित करने जा रही है। यह कार्यक्रम दो दिनों के लिए तैयार किया गया है, जिसका पहला चरण 13 जनवरी को ऑनलाइन आयोजित किया जाएगा और दूसरा चरण 15 जनवरी को गुवाहाटी वायु सेना केंद्र में आयोजित किया जाएगा। आईओई25 रक्षा उद्योग के भागीदारों, नवप्रवर्तकों और स्टार्ट-अप्स को भारतीय वायु सेना से जोड़ने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में काम करेगा, जो रक्षा में नवाचार की जरूरत और एक आत्मनिर्भर रक्षा परितंत्र के निर्माण की दिशा में भारत सरकार के प्रयासों और दृष्टिकोण पर प्रकाश डालेगा। ऑनलाइन चरण के दौरान प्रमुख सत्रों में आईएएफ के एयरोस्पेस डिजाइन निदेशालय द्वारा 'आईएएफ की ओर से आत्मनिर्भरता पहल पर एक संक्षिप्त विवरण'; रक्षा मंत्रालय के डीआईओ द्वारा 'आईडीईएक्स योजनाओं, नीतियों एवं प्रक्रियाओं पर एक संक्षिप्त विवरण'; डीजीएक्यूए द्वारा 'गुणवत्ता आश्वासन एवं प्रमाणन प्रक्रियाओं पर प्रस्तुति'; सीईएमआईएलएसी द्वारा उड़न योग्यता प्रमाणन प्रक्रिया पर प्रस्तुति और आईएएफ के एयरक्राफ्ट सिस्टम्स टेस्टिंग एस्टेब्लिशमेंट (एएसटीई) द्वारा 'एयरबोर्न और एविएशन से संबंधित प्रणालियों के लिए प्रमाणन आवश्यकताओं और परीक्षण प्रक्रियाओं का परिचय' शामिल है। आईओई25 का दूसरा चरण 15 जनवरी को गुवाहाटी वायु सेना केंद्र में आयोजित किया जाएगा, जहां ऑपरेटरों के साथ सीधे संपर्क से रक्षा उद्योग के प्रतिनिधियों को परिचालन जरूरतों को बेहतर तरीके से समझने और उन क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिलेगी, जहां वे अभिनव समाधानों के साथ योगदान दे सकते हैं। इस पहल का उद्देश्य रक्षा क्षेत्र में मौजूद अवसरों की पहचान करके रक्षा उद्योग की भागीदारी को मजबूत करना और भारत के आत्मनिर्भर बनने के रणनीतिक लक्ष्य को हासिल करने में मदद के लिए अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करना है।

इंफोसिस के पूर्व सीईओ विशाल सिक्का ने एआई पर चर्चा के लिए प्रधानमंत्री से मुलाकात की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय-अमेरिकी उद्यमी और इंफोसिस के पूर्व सीईओ विशाल सिक्का ने भारत के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की परिवर्तनकारी क्षमता पर चर्चा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री ने इस मुलाकात को एक ज्ञानवर्धक बातचीत बताया और कहा कि भारत एआई में अग्रणी बनने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें नवाचार और युवाओं के लिए अवसर पैदा करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। दोनों ने एआई और भारत पर इसके प्रभाव और आने वाले समय के लिए कई अनिवार्यताओं पर विस्तृत और व्यापक चर्चा की।विशाल सिक्का की एक्स पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, ÷यह वास्तव में एक ज्ञानवर्धक बातचीत थी। भारत एआई में अग्रणी बनने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें नवाचार और युवाओं के लिए अवसर पैदा करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। विशाल सिक्का ने प्रधानमंत्री की प्रौद्योगिकी की गहरी समझ और जीवन को बेहतर बनाने की इसकी क्षमता की प्रशंसा की तथा एक्स पर एक पोस्ट में उल्लेख किया

कि किस प्रकार लोकतांत्रिक मूल्य समाज के लाभ के लिए एआई के जिम्मेदार उपयोग का मार्गदर्शन कर सकते हैं।

विशाल सिक्का ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा करते हुए लिखा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलकर एआई, भारत पर इसके प्रभाव और भविष्य की अनेक आवश्यकताओं पर विस्तृत और व्यापक चर्चा करना सौभाग्य की बात थी। मैं बैठक से प्रेरित होकर लौटा, क्योंकि उन्होंने बताया कि प्रौद्योगिकी का हम सब पर क्या प्रभाव पड़ता है तथा किस प्रकार लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ इसका प्रयोग सभी का उत्थान कर सकता है।

पंजाब कांग्रेस के नेताओं ने दिल्ली के लोगों को आआपा के झूठे वादों के खिलाफ चेताया

एजेंसी

नई दिल्ली। पंजाब प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वडिंग के नेतृत्व में वहां के कांग्रेस पार्टी से सांसदों, विधायकों और पदाधिकारियों ने दिल्ली में विजय चौक पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने हाथ में प्लेकार्ड थाम रखा था, जिस पर लिखा था, पंजाब की महिलाओं को देकर धोखा, झूठे मांग रहे दिल्ली में मौका।इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत में राजा वडिंग ने कहा कि यह प्रदर्शन दिल्ली के लोगों को आम आदमी पार्टी (आआपा) के झूठे वादों के प्रति सचेत करने के लिए है। उन्होंने कहा कि आआपा संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पौने तीन साल पहले पंजाब की महिलाओं को हर महीने 1000 रुपये देने का वादा किया था, जो आज तक पूरा नहीं हुआ। अब वह दिल्ली की महिलाओं को हर माह 2100 रुपये देने का वादा कर रहे हैं, इसलिए दिल्ली के मतदाताओं उनके झांसे में आने की जरूरत नहीं है।

पंजाब कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि केजरीवाल ने सूबे के लोगों से जो चुनावी वादे किए थे, उन्हें पौने तीन साल से लोग पूरा होने का इंतजार कर रहे हैं। उन वादों पर लोगों ने भरोसा कर विधानसभा में 92 सीटें उन्हें दीं। आआपा का नारा था कि पंजाब बदलेगा, इस पर लोगों ने भरोसा किया लेकिन वो ठगे गए। उनके साथ वादा दर वादा ही किया गया। आआपा ने सूबे की महिलाओं को 1100 रुपये हर माह देने का वादा किया लेकिन यह आज तक पूरा नहीं हुआ। अब ऐसा ही वादा दिल्ली की महिलाओं के साथ कर रहे हैं। दिल्ली में वो 2100 रुपये हर माह देने का वादा कर रहे हैं। यह धन कहां से आएगा, इसका उनके पास ठोस जवाब नहीं है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में आप कहते हैं कि उपराज्यपाल आपको कुछ नहीं करने देते लेकिन पंजाब में ऐसा कोई मुद्दा नहीं था। फिर भी आपने 3 साल पहले महिलाओं को मिलने वाले हर महीने 1000 रुपये नहीं दिए। हम यहां दिल्ली की महिलाओं को यह बताने आए हैं कि पंजाब की महिलाएं कैसे ठगी हुई महसूस कर रही हैं। आआपा के पास 2100 रुपये देने का क्या प्रावधान है? केजरीवाल की लगातार घोषणाएं दिखाती हैं कि उन्हें डर है कि वे दिल्ली चुनाव हारने वाले हैं।

जल जीवन मिशन को सफल बनाने में ग्राम जल एवं सीवरेज समिति की अहम भूमिका : इंद्रजीत

एजेंसी

नारनौल। ग्राम पंचायत बलाह खुर्द में सरपंच आशा देवी की अध्यक्षता में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन की ओर से पेयजल व्यवस्था प्रबंधन व स्वच्छता अभियान को सफल बनाने के लिए ग्राम जल एवं सीवरेज समिति के प्रशिक्षण का कार्यक्रम व जल चौपाल का आयोजन किया। खंड संसाधन संयोजक इंद्रजीत ने बताया कि जल प्रबंधन व स्वच्छता को अपनाते हुए जल जीवन मिशन को सफल बनाने में ग्राम जल एवं सीवरेज समिति की अहम भूमिका है। इसलिए ग्राम जल एवं सीवरेज समिति को अपने अधिकार व कर्तव्यों के प्रति जागरूक होते हुए कार्य करने की जरूरत है ताकि पेयजल के उचित प्रयोग के साथ उसकी स्वच्छता बनी रहे। यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर पेयजल व्यवस्था को बाधित करता है तो ऐसे व्यक्ति के खिलाफ होने वाली पंचायती या विभागीय कारवाई के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। स्वस्थ जीवन के लिए सभी को स्वच्छता अभियान को सफल बनाने में भागीदारी करते हुए सार्वजनिक स्थानों व जल स्त्रोतों के पास गंदगी नहीं डालनी चाहिए। किसी एक व्यक्ति की लापरवाही डायरिया जैसी जल जनित बीमारी का कारण बनती है जो हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इसलिए सभी को इसमें सहयोग करते हुए भागीदारी करनी चाहिए और अपने पेयजल कनेक्शन को सुरक्षित करते हुए नालियों से बाहर रखने चाहिए ताकि जल जीवन मिशन योजना के तहत सभी को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके।

आंदोलन का पूरा ड्राफ्ट तैयार,चार-पांच महीने और चलेगा : राकेश टिकैत

एजेंसी

फतेहाबाद। हरियाणा के फतेहाबाद के टोहाना में संयुक्त किसान मोर्चा की किसान महापंचायत हुई। यहां किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि खनौरी-शंभू बॉर्डर पर किसान आंदोलन अभी चार-पांच महीने और चलेगा। इससे भारत सरकार को फायदा हो रहा है। यह सरकार के खिलाफ नहीं, क्योंकि यह उनकी जमीन पर नहीं। पंजाब सरकार को नुकसान जरूर हो रहा है। टिकैत ने कहा कि सिख समाज को इससे नुकसान है, क्योंकि लोगों में यह बात जा रही है कि यह रास्ते बंद करते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि किसान आगे नहीं आएं, यहीं उलझे रहें। उन्होंने कहा कि पंजाब की धरती पर चल रहे आंदोलन का हम समर्थन करते हैं। डल्लेवाल की हालत खराब है, लेकिन हम उनकी मदद नहीं कर सकते, या तो उनकी मदद भारत सरकार कर सकती है, या फिर उनकी कमेटी कर सकती है। उन्होंने कहा कि या तो सरकार उनकी बात मानकर उनका अनशन खत्म करे, या कमेटी देखे। सिख समाज शहीदी से पीछे नहीं हटता, यदि डल्लेवाल को कुछ होगा तो उनकी कमेटी भी बॉडी नहीं देगी और वहीं रखेगी। यह चिंताजनक बात है। संयुक्त मोर्चा ने उनसे बात करने के लिए 5 मेंबरी कमेटी बनाई, लेकिन बात सिरे नहीं चढ़ी, यह आंदोलन अभी चार-पांच महीने और चलेगा। टोहाना की महापंचायत में बड़ी संख्या में किसान पहुंचे हैं। राकेश टिकैत के अलावा यहां भाकियू उगराहां के अध्यक्ष जोगिंदर सिंह उगराहां भी शामिल हैं।

अवैध हथियार धारकों की धरपकड़ के विशेष अभियान मे क्राइम ब्रांच ने अवैध हथियार सहित आरोपी को दबोचा

एजेंसी

पलवल। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक चंद्र मोहन के कुशल निर्देशन में जिला पुलिस द्वारा एक विशेष अभियान अवैध हथियार धारकों की धरपकड़ के संबंध में चलाया हुआ है। इसी मुहिम के अंतर्गत क्राइम ब्रांच पलवल प्रभारी दीपक गुलिया टीम ने अवैध हथियार धारक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।क्राइम ब्रांच पलवल प्रभारी दीपक गुलिया के अनुसार मामले में दिनांक 2 जनवरी को स्टॉफ में तैनात ए एस आई कुलदीप सिंह ने विश्वसनीय सूत्रों से सूचना प्राप्त के आधार पर थाना शहर पलवल क्षेत्र अंतर्गत पलवल नूह रोड ईरा ग्रुप के सामने खडे आरोपी मुनेश पुत्र चन्द्रपाल निवासी कारना पलवल को अवैध हथियार एक देशी कट्टा एवं 2 कारतूस सहित गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। हथियार बारे आरोपी कोई लाईसैस पेश नही कर सका।इस संबंध में प्रभारी क्राइम ब्रांच पलवल ने आगे बताया कि बरामद अवैध हथियार को कब्जे में लेकर संबंधित थाना शहर में आरोपी के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया तथा आगामी जाँच इकाई ने आरोपी से बरामद अवैध हथियार स्त्रोत्र बारे गहनता से पूछताछ करके अदालत में पेश किया जाएगा।

सिहमा में जोतराम धाम पर ठंडे जल की धारा में तपस्या कर रहा भगत

सिहमा। जोतराम धाम सिहमा में पिछले 4 दिनों से संजय भगत ठंडे पानी की धारा में तपस्या कर रहे हैं। जोतराम के भगत की तपस्या के चलते दिनभर श्रद्धालुओं का तांता तपस्या स्थल पर लगा रहता है। उनकी तपस्या 11 दिनों तक चलेगी। जिसकी समाप्ति पर मंदिर परिसर में विशेष पूजा होगी तथा हवन यज्ञ के साथ भंडारा भी लगाया जाएगा। जानकारी के अनुसार भगत संजय की तपस्या के लिए सायं के समय साफ 51 मटकों में ठंडा पानी भरा जाता है। रात भर खुले आसमान के नीचे मटकों को रखा जाता है तथा सुबह 5 बजे संजय भगत मटके के नीचे से निकलने वाली पानी की धारा में बैठ जाते हैं। मटकों में भरे पानी की धारा जब तक चलती है तब तक महंत उसके नीचे बैठकर ध्यान में रहते हैं। इसके बारे में संजय भगत ने बताया कि वह जोतराम बाबा के धाम पर पिछले एक वर्ष से पूजा करते रहे आ रहे हैं।

हरियाणा आईएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन के नववर्ष स्नेह मिलन में शामिल हुए राज्यपाल

एजेंसी

चंडीगढ़। नववर्ष के अवसर पर हरियाणा आईएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन की ओर से हरियाणा निवास में दोपहर भोज का आयोजन किया गया, जिसमें राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बतौर विशिष्ट अतिथि शिरकत की। इनके अलावा, कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा और रणबीर गंगवा सहित तमाम आला अधिकारी भी मौजूद रहे। एसोसिएशन के अध्यक्ष और मुख्य सचिव डॉ विवेक जोशी और सचिव डॉ अमित अग्रवाल ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री का स्वागत किया। इस अवसर पर राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि भोज में विशेष रूप से श्रीअन्न से बने व्यंजनों को शामिल किया गया है। मोटा अनाज हमारी सदियों की विरासत की पहचान रहा है और आज के समय में भी ये उतना ही उपयोगी है। राज्य सरकार इन फसलों की खेती व इनसे बने उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि भारत के श्री अन्न की

विरासत को हरियाणा सरकार निरंतर पहचान दिला रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा आईएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन की प्रशंसा करते हुए सभी को नववर्ष की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि मोटे अनाज से बने व्यंजन न केवल सेहत के लिए लाभकारी हैं, अपितु मोटे अनाज से बने उत्पादों को बेचकर आज किसान भी आर्थिक रूप से मजबूत हो रहे हैं। मोटा अनाज सेहत और पर्यावरण दोनों के लिए आवश्यक हैं। भारत की श्री अन्न की विरासत देशवासियों को स्वास्थ बनाने में कारगर सिद्ध होगी। मुख्यमंत्री ने आईएएस अधिकारियों का आह्वान किया कि सभी अधिकारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत संकल्प को साकार करने में भूमिका अदा करें। इस नए वर्ष में नए संकल्प और नए विजन के साथ कार्य करें और सरकार की योजनाओं को जन जन तक पहुंचाकर उन्हें उनका लाभ देने का काम करें।

हरियाणा आईएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष और मुख्य सचिव डॉ विवेक जोशी ने राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय और मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का स्वागत करते हुए कहा कि हमारी एसोसिएशन समय-समय पर प्रशासनिक दक्षता को बढ़ाने के लिए सेमिनार, ट्रेनिंग प्रोग्राम व अन्य कार्यक्रम आयोजित करती रहती है। इसी कड़ी में आज का यह आयोजन किया गया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरूण कुमार गुप्ता सहित बड़ी संख्या में आईएएस अधिकारी मौजूद थे।

पुलिस के आंख, कान बनकर मदद करें ग्रामीण : शशांक सावन

एजेंसी

हिसार। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने कहा है कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखना हमारी जिम्मेदारी है। इसके साथ ही अपराध पर रोकथाम, महिला सुरक्षा, नशे के प्रसार को रोकना पुलिस की प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि पुलिस यह सुनिश्चित करेगी कि क्षेत्र में हर प्रकार के अपराध पर रोक लगे। पुलिस महिलाओं व कमजोर वर्ग की सुरक्षा भी सुनिश्चित करेगी।

पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ग्रामीण भ्रमण के दौरान पुलिस पब्लिक संवाद कार्यक्रम के तहत गांव जाखोद खेड़ा व चिकनवास में ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। ग्राम सचिवालय पहुंचने पर गांव के मौजिज व्यक्तियों ने उनका स्वागत किया। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने ग्रामवासियों का अभिनंदन कर गांव के सरपंच से गांव केबारे में जानकारी ली। उन्होंने गांव के लोगों से मुलाकात करके गांव के नागरिकों कीसुरक्षा व पुलिस से संबंधित समस्याओं के बारे में पूछा व उसके त्वरित समाधान का आश्वासन देते हुए कहा कि आपकी जो भी समस्याएं है उन्हें बताएं। पुलिस से संबंधित शिकायतों का तुरंत प्रभाव से निदान किया जाएगा यह पुलिस की जिम्मेवारी है जो शिकायत किसी अन्य विभाग की है उसे उस विभाग तक पहुंचाया जाएगा। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि हमें नशे के खिलाफ सजग रहना है। नशे के प्रसार को रोकने के लिए पुलिस प्रतिबद्ध है। पुलिस नशीले पदार्थों का व्यापार करने वालों पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर नशीले पदार्थों की बरामदगी भी कर रही है।ये एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें अभिभावकों का अहम रोल है। बच्चे नासमझ होते हैं, उन्हें नशे से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में बताएं। नशे के प्रति समाज को ढिलाई नहीं बरतनी है, अगर आपको ऐसे लोगो के बारे में कोई भी जानकारी हो तो तुरंत पुलिस को सूचित करें।

हरियाणा विधानसभा कर्मचारियों की क्षमता निर्माण के लिए प्रशिक्षण 8 जनवरी से

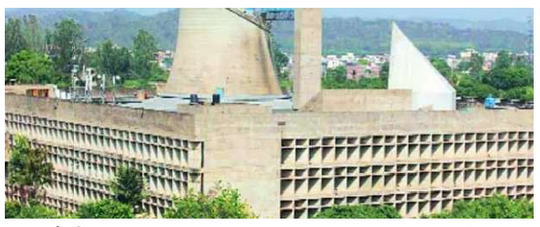

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा की ओर से अपने कर्मचारियों की क्षमता निर्माण के लिए अगले सप्ताह दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। 8 जनवरी से चंडीगढ़ के सेक्टर 26 स्थित महात्मा गांधी राज्य लोक प्रशासन संस्थान में शुरू होने वाले इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री नायब सिंह करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण करेंगे। इस मौके पर विधानसभा उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा भी मौजूद रहेंगे। इस दौरान लोक सभा की ओर से संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान की टीम विधान सभा के अधिकारियों और कर्मचारियों को विधायी और सचिवालय के कामकाज के संबंध में प्रशिक्षण देगी।

सरकारी स्कूलों को बंद करने में लगी है हरियाणा सरकार : कुमारी सैलजा

एजेंसी

सिरसा। सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों की दयनीय स्थिति को देखते हुए लग रहा है कि सरकार सरकारी स्कूलों को बंद करने में लगी हुई है साथ ही वह किसी न किसी रूप में प्राइवेट स्कूलों को प्रमोट करने में लगी हुई है। हालात ये है कि प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कही विद्यार्थी नहीं है, विद्यार्थी है तो टीचर नहीं है और कही पर इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं है। हालात ये है कि इन स्कूलों में एससी-बीसी और अल्पसंख्यक वर्ग के बच्चों की संख्या कम होती जा रही है। मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा है कि भाजपा सरकार शिक्षा को लेकर गंभीर नहीं है वह गरीब वर्ग को शिक्षा के अधिकार से वंचित करना चाहती है। सरकार सरकारी स्कूलों

की ओर ध्यान नहीं दे रही है, उसका पूरा ध्यान प्राइवेट स्कूलों को प्रमोट करने में लगा हुआ है। शिक्षा मंत्रालय की यूडीआईएसई की रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि हरियाणा के 81 स्कूलों में एक भी विद्यार्थी नहीं है जबकि इन स्कूलों में 178 टीचर नियुक्त हैं। इसके साथ ही 867 स्कूल ऐसे है जहां पर एक ही अध्यापक तैनात है जबकि वहां पर 40828 बच्चे हैं। प्रदेश के 579 स्कूलों में लाइब्रेरी तक नहीं है तो 2198 स्कूलों में खेल का मैदान तक नहीं हैं, 599 स्कूल ऐसे है जहां लड़कियों के शौचालय तक नहीं हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि इतना ही नहीं सरकारी स्कूलों में अल्पसंख्यक खासकर मुस्लिमों और लड़कियों के दाखिलों में कमी आई है। दोनों के दाखिलों में गत वर्ष की अपेक्षा गिरावट आई है। कुमारी सैलजा ने कहा है कि शिक्षा मंत्रालय के आंकड़े खुद इस बात की गवाही दे रहे है कि प्रदेश में सरकारी स्कूलों और उनमें शिक्षा का स्तर क्या है कैसे देश के भविष्य के साथ खिलवाड़ की जा रही है, किसी भी प्रदेश या देश की प्रगति वहां के शिक्षा के स्तर पर निर्भर करती है। सरकार को खुद सोचना चाहिए और मनन भी करना चाहिए कि प्रदेश के 81 स्कूलों में एक भी बच्चा क्यों नहीं है।

अभिभावक सरकारी स्कूलों में बच्चों को क्यों नहीं भेज रहे है, अगर वहां पर बच्चे नहीं है तो वहां पर तैनात शिक्षकों को प्रतिनियुक्ति पर ऐसे स्कूलों में भेजना चाहिए जहां पर बच्चों की संख्या ज्यादा है और टीचर कम हैं। सरकारी स्कूलों में सुविधाएं उपलब्ध करवाना सरकार की ही जिम्मेदारी है और सरकार इस जिम्मेदारी से पल्ला नहीं झाड़ सकती।

गन्ने की बिजाई व कटाई को मशीनों पर दिया जाए अनुदान : श्याम सिंह राणा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने केंद्रीय प्री बजट आयोजित बैठक में सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि गन्ने की फसल को बढ़ाने के लिए गन्ने को बोने व काटने की मशीनें किसानों को अनुदान पर उपलब्ध करवाई जाए ताकि धान की जगह गन्ने की फसल उगाई जाए और पानी को भी बचाया जा सकें।

श्याम सिंह राणा ने केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा सभी प्रदेशों के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रियों के साथ प्री बजट को लेकर आयोजित कृषि और उद्यान विषय पर सुझाव बैठक में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से यह मांग उठाई। उन्होंने कहा कि बागवानी को बढ़ावा देने के लिए इसमें 40 से 50 हेक्टेयर के छोटे क्लस्टर बनाने की जरूरत है। इसके साथ ही बागवानी किसानों के बागों की फेंसिंग के लिए योजना बनाकर अनुदान दिया जाए ताकि

बागों को नुकसान न पहुंचे। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती की फसलों के लिए मंडियों को बनाया जाए और इनमें फसल टेस्टिंग की लैब को लगाया जाए, ताकि प्राकृतिक खेती की प्रमाणिकता का पता चल सके। श्याम सिंह राणा ने केंद्रीय कृषि मंत्री से अनुरोध किया कि वर्तमान में प्राकृतिक खेती क्षेत्र में निर्देशन और मानकीकरण की कमी है। इसलिए केंद्रीय कृषि संस्थानों को इस पर काम करने के लिए निर्देशित करें कि प्राकृतिक खेती को कृषि उपज की गुणवत्ता या खेती की प्रक्रिया या दोनों के आधार पर प्रमाणित किया जाना है या नहीं। उन्होंने केंद्रीय मंत्री का ध्यान फसल अवशेषों को जलाने से होने वाले प्रदूषण की ओर भी आकर्षित किया। राज्य ने खेतों में आग लगने की घटनाओं को नियंत्रित करने में जबरदस्त प्रगति की है। इस वर्ष 40 प्रतिशत की और कमी आई है और हरियाणा में खेतों में आग लगने की घटनाएं 700 से कम तक सीमित रहीं।

हरियाणा को स्टार्टअप का अग्रणी हब बनाना सरकार की प्राथमिकता : नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा को स्टार्टअप के लिए एक अग्रणी हब के रूप में स्थापित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। हरियाणा स्टार्टअप का एक प्रमुख केंद्र बने, इसके लिए राज्य सरकार द्वारा समर्पित प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार का ध्येय है कि मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया के तहत देशभर में हरियाणा की एक अनूठी पहचान बने, जो न केवल आर्थिक विकास का माध्यम बने, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसरों के द्वार भी खोले। मुख्यमंत्री हरियाणा के स्टार्टअप उद्यमियों के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में सहकारिता और पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा भी उपस्थित रहे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि आगामी समय में हरियाणा में स्टार्टअप की संख्या 3 गुना बढ़नी चाहिए। इसके लिए आज हर सफल स्टार्टअप उद्यमी को यह संकल्प लेना चाहिए कि वह आगे 3 नए स्टार्टअप

को बढ़ावा देने में सहयोग करेंगे। सैनी ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के राज्य बजट में सरकार स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए नई योजनाएं बनाने पर विचार कर रही है ताकि युवाओं को स्टार्टअप शुरू करने के लिए मार्गदर्शन और फंड की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।बैठक में सहकारिता और पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि हरियाणा में पर्यटन को बढ़ावा देने पर विशेष फोकस किया जा रहा है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में अगले 6 माह में पर्यटन विभाग द्वारा नई-नई योजनाओं को क्रियान्वित करते हुए हरियाणा टूरिज्म को बढ़ावा दिया जायेगा और पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए अनेक प्रकार की सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी।

निगमायुक्त ने शहर का दौरा करके देखी समस्याएं, समाधान के दिए आदेश

सफाई व्यवस्था व सीवरेज समस्याओं के निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

एजेंसी

गुरुग्राम। शहर की सफाई पर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा उठाए गए सवालों के बाद नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त अशोक कुमार गर्ग शहर में निकले और सफाई का जायजा लिया। एक दिन पहले ही हाइकोर्ट द्वारा नियुक्त लोकल कमिश्नर ने शहर में सफाई का जायजा लिया था। सफाई से वे कितने संतुष्ट हुए, यह उनकी ओर से कोर्ट को दी जाने वाली रिपोर्ट से खुलासा होगा।

नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त अशोक कुमार गर्ग ने अधिकारियों की टीम के साथ शहर के एक दर्जन से अधिक स्थानों का दौरा किया। सफाई व्यवस्था व सीवरेज संबंधी शिकायतों के निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निगमायुक्त ने सदर बाजार स्थित सब्जी मंडी के निरीक्षण के दौरान वहां के दुकानदारों से भी बातचीत की तथा सख्त हिदायत दी कि वे अपनी दुकानों के सामने कूड़ा ना फैलाएं। यदि उनकी दुकान के

सामने कूड़ा पाया गया तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके तहत पहली व दूसरी बार कूड़ा पाए जाने पर चालान किया जाएगा, जबकि तीसरी बार दुकान को हटाने की कार्रवाई भी की जा सकती है। उन्होंने दुकानदारों से कहा कि वे अपनी दुकानों के सामने सफाई बनाए रखें तथा डस्टबिन का उपयोग अनिवार्य रूप से करें। यहां सब्जी मंडी क्षेत्र में सफाई व्यवस्था सही ना पाए जाने पर संबंधित सफाई सुपरवाइजर से स्पष्टीकरण भी निगमायुक्त द्वारा मांगा गया है।

अपने निरीक्षण के समय गुरुद्वारा रोड पर सफाई करते हुए मिले मेहनती सफाई कर्मियों को निगमायुक्त ने गुलाब का फूल देकर उनका सम्मान किया। निगमायुक्त ने सेक्टर-5 व सेक्टर-21 क्षेत्र का निरीक्षण करने के दौरान सफाई अधिकारियों से कहा कि वे खाली जमीनों से कूड़े व मलबे की सफाई कराएं। यहां अधिकारियों ने बताया कि सेक्टर-21 में कुछ निजी व्यक्तियों द्वारा कचरा छंटाई का कार्य किया जा रहा था।

इसके लिए सैकड़ों झुग्गियां बसाई गई थी। नगर निगम द्वारा दूसरी स्थानों से यहां कूड़ा लाने पर पाबंदी लगा दी गई है । निगमायुक्त ने गुरुद्वारा रोड स्थित सब्जी मंडी तथा कमला नेहरू पार्क स्थित सार्वजनिक शौचालयों का निरीक्षण करने के दौरान अधिकारियों से यहां की नियमित सफाई तथा बेहतर रख रखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी सार्वजनिक व सामुदायिक शौचालय अच्छे होने चाहिएं, ताकि सभी नागरिक शौचालयों का उपयोग करें।

पर्यावरण संरक्षण और वन्य जीवों की रक्षा में सहयोग करें आम जनः राव नरबीर सिंह

एजेंसी

गुरुग्राम। वन, पर्यावरण एवं उद्योग मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि इस धरती पर हर एक जीव का अपना एक अलग महत्व है। इसलिए सभी नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण तथा वन्य जीवों की रक्षा में सहयोग देना चाहिए। जिससे कि हम अपनी भावी पीढ़ी को एक शुद्ध एवं सुरक्षित वातावरण देकर जाएं। वे सुल्तानपुर स्थित बर्ड सेंचुरी में हरियाणा राज्य जैव विविधता बोर्ड व वेस्टलैंड इंटरनेशनल संस्था की ओर से एशिया में बर्ड सेंसस-2025 का शुभारंभ करते हुए यह बात कही। उन्होंने इस अवसर पर वेस्टलैंड बर्डस हरियाणा नामक बुकलेट का विमोचन भी किया। कार्यक्रम में राज्य जैव विविधता बोर्ड के चेयरमैन डा. रणबीर सिंह जौहर, बोर्ड के सचिव एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक डा. विवेक सक्सेना, मुख्य वन संरक्षक अनंत पांडे भी मौजूद रहे। अपने संबोधन में वन, पर्यावरण एवं उद्योग मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि मनुष्य अपनी मनमर्जी से धरती पर रहेगा तो प्राकृतिक असंतुलन पैदा होना स्वाभाविक है। धरती से जीव-जंतु, पक्षियों व कीट-पतंगों की प्रजातियां समाप्त हो गई तो मानव जाति भी स्वमेव इनके साथ नष्ट हो जाएगी। अपने आसपास पेड़-पौधों, पोखर, पक्षी यहां तक कि छोटे से छोटे जीव की महत्ता को समझें और उनको सुरक्षित रहने दें।

मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि गुरुग्राम एनसीआर क्षेत्र का प्रमुख शहर

है। यहां प्रदूषण मुक्त वातावरण को बनाने में सभी जिला वासियों को अपना सहयोग करना चाहिए। सर्दी के मौसम में भी ग्रैप-3 का लागू होना हमारे लिए चिंता का विषय है। जैव विविधता बोर्ड के चेयरमैन डा. रणबीर सिंह जौहर ने मंत्री राव नरबीर सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में सिरसा से बिश्नोई समाज के लोगों ने मुख्य अतिथि राव नरबीर सिंह को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया।

दो अलग-अलग जगहों से दो विवाहित महिलाएं हुए लापता, मामला दर्ज

एजेंसी

नारनौल। नारनौल क्षेत्र से दो अलग-अलग जगहों से दो विवाहित महिलाएं लापता हो गई। दोनों के पति ने इस बारे में पुलिस में शिकायत दी है। वहीं एक महिला अपनी 11 साल की लडक़ी को भी अपने साथ ले गई।

शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर दोनों महिलाओं की तलाश शुरू कर दी है। शहर थाना में पुलिस को दी गई शिकायत में मोहल्ला दया नगर निजामपुर रोड के रहने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि गत दिवस करीब ढाई बजे उसकी पत्नी अपनी 11 साल की बेटी को साथ लेकर घर से कहीं पर चली गई।

जिसके बाद उन्होंने अपने तौर पर सभी जगह उनकी तलाश की, लेकिन वह कहीं पर भी नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने इसकी शिकायत पुलिस में दी है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर महिला की तलाश शुरू कर दी है। वहीं दूसरी ओर सदर थाना के अंतर्गत पड़ने वाले गांव डोहर कला निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस में दी शिकायत में बताया कि गत दिवस उसकी पत्नी उसके भाई के साथ गांव डोहर कलां से अपनी मां से मिलने के लिए शीला अस्पताल नारनौल आई थी। वहां पर उसके भाई ने उसकी पत्नी को अस्पताल के सामने बाइक से उतार दिया और उसको फोन करके कहा कि भाभी को अस्पताल के सामने छोड़ दिया है। वह उस समय जयपुर हार्ट हॉस्पिटल में था।

वह जब शीला अस्पताल पहुंचा तो वहां उसकी पत्नी नहीं मिली। जिस पर उसने उसके पास फोन किया तब उसने कहा कि वह मां को लेकर नागरिक अस्पताल में आ गई। तब वह नागरिक अस्पताल पहुंचा तो वह वहां पर भी नहीं मिली। इस पर उसने फोन किया तो कहने लगी की मेरी बात पर विश्वास नहीं हो रहा लो पापा से बात कर लो, लेकिन दूसरी तरफ से कोई आवाज नहीं आई।

फिर उसने फोन बंद कर दिया। इसके बाद वह कहीं पर भी नहीं मिली। रिश्तेदारियों में भी वह नहीं गई।

शीत लहर के प्रकोप से पशुपालक करें अपने पशुओं का बचाव

एजेंसी

पलवल। डीसी डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने बताया कि मौसम में बदलाव हो रहा है। बढ़ती ठंड के कारण पशुओं में भी ठंड से होने वाली बीमारियों की संभावना बढ़ जाती हैं। ठंड के तनाव के कारण दुधारू पशुओं में दुग्ध क्षमता घटने लगती है। इसलिए सर्दी के मौसम में इंसानों के साथ-साथ पशुओं को भी ठंड से बचाना बहुत जरूरी है। पशुओं को ठंड की मार से बचाने के लिए पशुपालन विभाग की ओर से पशुपालन के संबंध में एडवाइजरी जारी की गई है, जिसके अनुसार पशुपालक विशेष सावधानियां बरतकर अपने पशुओं को ठंड के कारण बीमार होने से बचाव कर सकते हैं।

पशुपालन विभाग के उपनिदेशक डा. विरेंद्र सहरावत ने जानकारी देते हुए बताया कि ठंड की चपेट से पशुओं को बचाने के लिए पशुपालक संतुलित चारे की मात्रा बढ़ाएं तथा गुड़ की मात्रा भी बढ़ाए। पशुओं को रात का रुका हुआ पानी न दे, हो सके तो ताजा पानी या गुनगुना पानी ही पिलाएं। उन्होंने बताया कि सर्दियों के मौसम में विशेष तौर से छोटे पशुओं में निमोनिया होने की संभावना बढ़ जाती है तथा बड़े पशुओं में ठंड के लक्षण आने लगते है, जिसके कारण पशु की नाक से पानी गिरना शुरू हो जाता है तथा पशु का तापमान गिर जाता है और पशु चारा छोड़ देता है। निमोनिया के कारण सांस लेने में कठिनाई होती है तथा उत्पादन कम हो जाता है।

उन्होंने बताया कि यदि पशुओं को बीमारी के लक्षण दिखाई देते हैं तो नजदीकी पशु चिकित्सालय में संपर्क करें। उन्होंने कहा कि दूध देने वाले पशुओं को व ब्याने वाले पशुओ को सामान्य पशु से ज्यादा ऊर्जा की जरूरत होती हैं। इसलिए उनके संतुलित चारे की मात्रा को बढ़ाना चाहिए और खनिज मिश्रण को भी डालना चाहिए। ठंड से पशुओं का बचाव करके ही पशुपालक उन्हें बीमार होने से बचाव सकते हैं। सर्दी से पशुओं को बचाने के लिए यह भी बताया कि बाड़े को चारो तरफ से ढककर रखें, ताकि सर्द हवाएं सीधे पशुओं को न लगें। बाड़े में पशुओं के मूत्र को एकत्रित न होने दें ओर सफाई का विशेष ध्यान रखें।

विदेशी मुद्रा भंडार 4.1 अरब डॉलर लुढ़ककर 640.3 अरब डॉलर पर

एजेंसी

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति और विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में गिरावट होने से 27 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.1 अरब डॉलर लुढ़ककर 640.3 अरब डॉलर रह गया। इसी तरह इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 8.5 अरब डॉलर की रिकॉर्ड गिरावट लेकर 644.4 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 27 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 4.6 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 551.9 अरब डॉलर पर आ गई। वहीं, इस अवधि में स्वर्ण भंडार 54.1 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 66.3 अरब डॉलर हो गया। आलोच्य सप्ताह एसडीआर में 1.2 करोड़ डॉलर की कमी हुई और यह घटकर 17.9 अरब डॉलर रह गया। वहीं, इस अवधि में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में 4.3 अरब डॉलर पर स्थिर रहा।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

नयी दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उबाल आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज यथावत रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे।तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा।वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 1.29 प्रतिशत उबलकर 74.07 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.24 प्रतिशत की तेजी के साथ 76.69 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। देश के चार महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत इस प्रकार रही।

टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस से मिले, राज्य के विकास पर हुई चर्चा

मुंबई। टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की। दोनों लोगों ने राज्य के आर्थिक विकास में तेजी लाने के लिए टाटा ट्रस्ट और सरकार के बीच सहयोग पर चर्चा की।सीएम फडणवीस ने दक्षिण मुंबई स्थित मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर हुई बैठक के बारे में ट्वीट कर जानकारी दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, हमने विभिन्न परियोजनाओं पर चर्चा की, ये वो क्षेत्र हैं जहां टाटा ट्रस्ट और महाराष्ट्र सरकार, राज्य के विकास को गति देने के लिए सहयोग कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने टाटा ट्रस्ट और राज्य सरकार के बीच मजबूत और स्थायी साझेदारी को बढ़ावा देने पर विश्वास व्यक्त करने के लिए टाटा को धन्यवाद दिया। नोएल टाटा ने पिछले वर्ष टाटा ट्रस्ट के अध्यक्ष का पद संभाला था। उन्होंने 9 अक्टूबर, 2024 को रतन टाटा के निधन के बाद उनका स्थान लिया था। टाटा ट्रस्ट के पास नमक से लेकर सॉफ्टवेयर बनाने वाले टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

एयर होस्टेस से 10 लाख रुपये की ठगी, 'मनी लॉन्ड्रिंग' के आरोप में गिरफ्तारी की धमकी देकर लगाया गया चूना

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के ठाणे जिले की 24 वर्षीय एक एयर होस्टेस साइबर धोखाधड़ी का शिकार हो गई। जालसाजों ने धन शोधन के आरोप में गिरफ्तारी का भय दिखाकर उससे करीब 10 लाख रुपये ट्रांसफर करवा लिए। कल्याण में रहने वाली एयर होस्टेस को 23 नवंबर, 2024 को अज्ञात फोन नंबरों से कॉल आया, जिसमें उसे बताया गया कि उसकी ओर से भेजा गया पार्सल ईरान में अपने गंतव्य तक नहीं पहुंचा है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि जब पीड़िता ने फोन करने वाले को बताया कि उसने कोई पार्सल नहीं भेजा है, तो फोन करने वाले ने वीडियो कॉल पर उसे बताया कि उसका नाम मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आया है और गिरफ्तारी की धमकी दी। इसके बाद फोन करने वाले ने उसके मोबाइल नंबर पर कुछ लिंक भेजे और फोन काटने से पहले उसे 9.93 लाख रुपये ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया। महिला को अहसास हुआ कि उसके साथ धोखा हुआ है और उसने पुलिस से संपर्क किया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि फोन नंबर की लोकेशन ÷विदेश÷ की है। भारतीय न्याय संहिता और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। मामले में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

कृषि एवं उससे जुड़े क्षेत्र की विकास दर इस साल 3.5-4 प्रतिशत के बीच रहने की संभावना: शिवराज सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि इस साल कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र की विकास दर 3.5 से 4 प्रतिशत के बीच रहने की संभावना है। केंद्र सरकार ने फैसला किया है कि सैटेलाइट बेस्ड यानी रिमोट सेंसिंग के माध्यम से अब फसल के नुकसान का सही व सटीक आकलन होगा। शिवराज सिंह नई दिल्ली में राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ मंत्रालय की विभिन्न योजनाओं की वर्चुअल माध्यम से समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस बैठक में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव डॉ. देवेश चतुर्वेदी और मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। शिवराज सिंह ने कहा कि नए वर्ष में नए संकल्पों के साथ कृषि विकास एवं किसान कल्याण के

कामों को हम तेज गति से आगे बढ़ाएंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पीएम किसान सम्मान निधि प्रारंभ की है। अब तक 11 करोड़ किसानों को 18 किश्तों में 3.46 लाख करोड़ रुपये की राशि वितरित की गई है। मोदी के तीसरे कार्यकाल के प्रथम 100 दिनों में 25 लाख से ज्यादा पात्र किसानों को जोड़ा गया। 18वीं किश्त का लाभ लेने वालों की संख्या बढ़कर 9.58 करोड़ हुई। पीएम फसल बीमा योजना विश्व की सबसे बड़ी फसल बीमा योजना है। इसमें ऋणी आवेदन 876 लाख हैं और गैर-ऋणी आवेदन 552 लाख हैं। कुल 14.28 करोड़ किसानों ने आवेदन किया है, 602 लाख हेक्टेयर क्षेत्र बीमित है और सकल बीमित राशि 2,73,049 करोड़ रुपये है। चार करोड़ किसानों को योजना से लाभ मिला है। योजना के प्रारंभ से अब तक 17 हज़ार करोड रुपए क्लेम के रूप में किसान भाइयों को दिया जा चुका है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से कहा था कि वे तीसरे कार्यकाल में तीन गुना ताकत से काम करेंगे। हम भी संकल्प लें कि अपनी पूरी क्षमता से काम में जुटेंगे। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में किसान कल्याण और कृषि क्षेत्र में विकास के लिए 6 सूत्री रणनीति तैयार है। सबसे पहली प्राथमिकता है उत्पादन बढ़ाना। प्रति हेक्टेयर या प्रति एकड़ उत्पादन कैसे बढ़ सकता है यह सरकार की रणनीति है, उसके लिए आईसीएआर लगातार रिसर्च करके उन्नत बीजों की किस्म को जारी करता है। सूक्ष्म सिंचाई योजना, मैकेनाइजेशन, तकनीक का प्रयोग, नई कृषि पद्धतियां आदि अनेक दिशा में हम काम कर रहे हैं। उत्पादन बढ़ाने के साथ-साथ उत्पादन की लागत कैसे घटे समेत कई बिंदुओं पर काम कर रहे हैं।

गन्ना क्रय केंद्र परिवर्तन की मांग को लेकर किसानों का धरना जारी

एजेंसी

बिजनोर। हल्दौर थाना क्षेत्र के ग्राम बाटपुरा में गन्ना क्रय केंद्र परिवर्तन की मांग को लेकर 9 दिसंबर से चल रहे अनिश्चितकालीन धरना आज 4 जनवरी को भी जारी है। किसानों का कहना है कि ठंड के मौसम में किसान धरने पर बैठे हुए हैं। लेकिन उनकी मांग को अनसुना किया जा रहा है। बाटपुरा के किसान बजाज ग्रुप की बिलाई मिल को गन्ना देने के लिए तैयार नहीं है। किसानों का कहना है कि जब तक किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं हो जाता है धरना जारी रहेगा। किसानों में जनप्रतिनिधियों के प्रति काफी नाराजगी है जो आज तक किसानों की समस्या को जानने तक की आवश्यकता नही समझ रहे है 7 धरने पर रोहित कुमार, सुधीर कुमार, जगदेव, मनोज कुमार, रघुनाथ सिंह, अंकुल आदि किसान उपस्थित रहे।

एआई के क्षेत्र में आगे रहना चाहता है भारत : मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत एआई (यांत्रिक मेधा) के क्षेत्र में अपनी अग्रणीय भूमिका स्थापित करने को प्रतिबद्ध है और इस क्षेत्र में नवाचार तथा युवाओं के लिए नए-नए अवसरों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

श्री मोदी ने सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र के भारत नामी उद्यमी विशाल सिक्का के सोशल मीडिया मंच-एक्स के एक पोस्ट के जवाब में यह बात कही। श्री सिक्का आज प्रधानमंत्री से उनके आवास पर मिले थे। उन्होंने कहा है कि एआई के क्षेत्र में भारत का ध्यान नवाचार करना और युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करना है।

प्रधानमंत्री ने श्री सिक्का के पोस्ट पर उनके साथ हुई बातचीत के बारे में लिखा, यह वास्तव में एक जानकारियों से भरी बातचीत थी। भारत एआई में अग्रणी बनने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें नवाचार और युवाओं के लिए अवसर पैदा करने पर विशेष ध्यान होगा। श्री सिक्का ने कहा, ÷माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से मिलना सौभाग्य की बात थी। उनसे एआई, भारत पर इसके प्रभाव

तथा आने वाले समय पर इसके प्रभावों पर व्यापक चर्चा हुई। इस बातचीत में मैं प्रौद्योगिकी के प्रभाव और मानवीय मूल्यों के साथ इसके प्रयोग से हर व्यक्ति के उत्थान की इसकी क्षमता के बारे में उनकी (प्रधानमंत्री की) असाधारण समझ से प्रेरित और प्रभावित हो कर निकला। एआई विषय पर स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से पीएचडी की उपाधि प्राप्त श्री सिक्का वियानाई सिस्टम्स के संस्थापक एवं सीईओ हैं। वह इससे इन्फोसिस टेक्नोलॉजीज और कई अन्य प्रमुख सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों में काम कर चुके हैं।

दाल-अनाज की खपत पांच फीसदी घटी

एजेंसी

नई दिल्ली। पिछले 12 वर्षों में भारतीय परिवारों की खर्च प्राथमिकता में काफी बदलाव आया है। नतीजतन, ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में दालों और अनाज की खपत पांच फीसदी से अधिक घटी है। एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट बताती है कि लोग खाद्य के बजाय गैर-खाद्य पदार्थों पर ज्यादा खर्च कर रहे हैं।

रिपोर्ट में सामने आए रुझान दर्शाते हैं कि भारतीय परिवारों को पोषक खानपान के बजाय साफ-सफाई और खूबसूरत दिखने के सौंदर्य प्रसाधनों पर खर्च करना ज्यादा पसंद आ रहा है। कपड़ों, जूतों जैसी चीजों पर खर्च करने में भी कमी आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह रुझान आर्थिक विकास और जीवनशैली में बदलाव के कारण प्राथमिकताओं में आए बदलाव को दर्शाता है। शहरों के मुकाबले गांव ज्यादा तेजी से बदले शहरी क्षेत्रों के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य पदार्थों पर व्यय ज्यादा तेजी से घटा है। पिछले 12 वर्षों के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में 5.86 फीसदी अंकों की गिरावट दर्ज की गई, जबकि शहरी क्षेत्र में यह आंकड़ा 2.94 फीसदी रहा। वहीं,

गैर-खाद्य पदार्थों की बात करें तो ग्रामीण क्षेत्र में इस पर खर्च 5.86 फीसदी बढ़ा है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह वृद्धि 2.94 फीसदी रही।

खाद्य पदार्थों पर व्यय

ग्रामीण क्षेत्र : 52.9 फीसदी था 2011-12 में, जो 47.04 फीसदी रह गया 2023-24 में।

शहरी क्षेत्र : 42.62 फीसद था 2011-12 में और 2023-24 में 39.68 फीसदी रह गया।

गैर-खाद्य पदार्थों पर व्यय

ग्रामीण क्षेत्र :47.1 फीसदी (2011-12) की तुलना में 2023-24 में 52.96 पर पहुंच गया।

शहरी क्षेत्र : 57.38 फीसदी (2011-12) की तुलना में 2023-24 में 60.32 फीसदी हो गया।

एअर इंडिया को अव्वल दर्जे की एयरलाइन बनाने के लिए प्रतिबद्ध : चंद्रशेखरन

एजेंसी

चेन्नई/नई दिल्ली। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने शनिवार को कहा कि उनकी कंपनी एअर इंडिया

को शीर्ष श्रेणी की एयरलाइन बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, जो वैश्विक स्तर पर असाधारण सेवा और प्रदर्शन प्रदान करेगी। टाटा समूह ने 2022 में एअर इंडिया का अधिग्रहण किया था। एन. चंद्रशेखरन ने यहां एनआईटी त्रिची के एक कार्यक्रम में टीवीएस सप्लाई चेन सॉल्यूशंस लिमिटेड के प्रबंध निदेशक रवि विश्वनाथन के साथ चर्चा के दौरान कही। चंद्रशेखरन ने पूछे गए एक सवाल के जवाब टाटा समूह के अधिग्रहण के बाद लोग एअर इंडिया से क्या उम्मीद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मेरी प्रतिबद्धता एअर इंडिया को दुनिया की शीर्ष श्रेणी की एयरलाइन कंपनी बनाने के लिए हर संभव प्रयास करने की है। उल्लेखनीय है कि टाटा समूह की एयरलाइन एयर इंडिया ने कुल 470 विमानों का ऑर्डर दिया है, जिसमें 250 एयरबस को दी है, जबकि 220 बोइंग कंपनी को दिया है।

तीन दिन की तेजी के बाद सर्राफा बाजार में गिरावट, सोना और चांदी की घटी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। तीन दिन की तेजी के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में आज गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोने की कीमत में आज 450 रुपये से लेकर 490 रुपये प्रति 10 ग्राम की कमजोरी दर्ज की गई है। सोने के भाव में आई गिरावट की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 78,860 रुपये से लेकर 78,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना 72,300 रुपये से लेकर 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी आज 1,000 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 91,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 78,860 रुपये प्रति 10

ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 72,300 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 78,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। सोने की रिटेल कीमत 78,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,200 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 78,710 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 78,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,150 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 78,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 72,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 78,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 72,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 78,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

एफपीआई ने 2025 के पहले तीन दिन में ही भारतीय बाजार से 4285 करोड़ रुपये निकाले

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों यानी एफपीआई ने भारतीय इक्विटी बाजार में 2025 की शुरुआत सावधान रवैये के साथ की। नए साल के पहले तीन कारोबारी सत्रों में ही एफपीआई की ओर से 4,285 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली हो चुकी है। नेशनल सेक्यूरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों से इसकी पुष्टि होती है। आंकड़ों से पता चलता है कि 2025 के पहले ही दिन एफपीआई ने इक्विटी में सबसे बड़ी बिकवाली की। उस दिन एफपीआई ने 5,351 रुपये भारतीय इक्विटी बाजार से निकाले।

बीते साल की तुलना में एफपीआई की खरीदारी में 99 फीसदी की कमी

हालांकि, दिसंबर महीने के आंकड़े बताते हैं कि पिछले महीने एफपीआई का बाजार में निवेश सकारात्मक रहा। दिसंबर में

एफपीआई ने शुद्ध रूप से 15,446 करोड़ रुपये की खरीदारी की थी। ऐसे तो 2024 का समापन हरे निशान पर हुआ, पर भारतीय इक्विटी बाजार में एफपीआई का शुद्ध खरीद मूल्य, इस दौरान 427 करोड़ रुपये कम हो गया। पिछले साल की तुलना में भारतीय बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की खरीदारी में 99 प्रतिशत की भारी गिरावट आई।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मजबूती लौटने से भारतीय बाजार में नरमी

अमेरिकी अर्थव्यवस्था के मजबूत प्रदर्शन, शेयर बाजार में लचीलापन और ब्याज दरों के लंबे समय तक उच्च रहने के कारण अमेरिकी बॉन्ड्स, मुद्रा व इक्विटी बाजार में निवेशकों का पर्याप्त झुकाव बढ़ा। इस बदलाव की कीमत भारत जैसे उभरते बाजारों को चुकानी पड़ी। इसके अलावे, भारतीय शेयरों के उच्च मूल्यांकन, जीडीपी के अनुपात में मार्केट कैप अधिक रहने, वृद्धि दर में सुस्ती, कमजोर आद्यौगिक उत्पादन और कंपनियों की आय में कमी से शेयर बाजार में नरमी आई।

विदेशी निवेशकों का भरोसा लौटे, इसके लिए क्या जरूरी?

साल की शुरुआत में हुई बिकवाली विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के सतर्क रुख का संकेत देते हैं। वे वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और घरेलू कारकों के बीच पुनर्मूल्यांकन कर रहे हैं। इससे साल की शुरुआत में बाजार में संभावित उठापटक दिख सकती है। एफपीआई निवेश में कमी संकेत देते हैं कि देश को बिना समय गंवाए वैश्विक और घरेलू चुनौतियों का समाधान निकालना होगा, जिससे विदेशी निवेश बरकरार रहे और भारतीय अर्थव्यवस्था की तेजी को बढ़ावा मिले।

खाद्य तेल सस्ता; दालों मे मिलाजुला रुख

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों की गिरावट के साथ ही स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल 1099 रुपये प्रति क्विंटल तक सस्ते हो गए जबकि दालों में मिलाजुला रुख रहा वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन: वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जनवरी वायदा सप्ताहांत पर 175 रिंगिट लुढ़ककर 4725 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह जनवरी का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.43 सेंट की गिरावट के साथ 40.25 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान खाद्य तेलों में गिरावट रुख रहा। सरसों तेल 402 रुपये, मूंगफली तेल 1099 रुपये, सूरजमुखी तेल 219 रुपये, सोया रिफाइंड 853 रुपये और वनस्पति तेल 294 रुपये

प्रति क्विंटल गिर गया जबकि पाम ऑयल में 146 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी रही। सप्ताहांत पर सरसों तेल 16813 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 18314 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 15897 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 14798 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 13919 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 15970 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

आरबीआई ने एचडीएफसी बैंक को एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक में 9.5फीसदी हिस्सेदारी हासिल करने की मंजूरी दी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने एचडीएफसी बैंक को एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक में अधिकतम 9.50फीसदी हिस्सेदारी हासिल करने की मंजूरी दे दी है। हालांकि, केंद्रीय बैंक ने खर्त रखी है कि यदि अनुमोदन पत्र की तारीख से सालभर के भीतर यह सौदा नहीं किया जाता तो, तो मंजूरी रद्द कर दी जाएगी। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक (एसएफबी) को 3 जनवरी, 2025 के आरबीआई के की ओर से एक पत्र मिला, जो एचडीएफसी बैंक लिमिटेड को संबोधित है। पत्र में एचडीएफसी बैंक और उसकी समूह संस्थाओं (एचडीएफसी म्यूचुअल फंड, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस, एचडीएफसी पेंशन मैनेजमेंट, एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस और एचडीएफसी सिक्योरिटीज सहित) को एक वर्ष के भीतर एयू एसएफबी की चुकता शेयर पूंजी या वोटिंग अधिकारों का 9.50त्न तक अधिग्रहण करने की मंजूरी दी गई है। एचडीएफसी बैंक ने भी एक्सचेंज को बताया है कि उसे कोटक महिंद्रा बैंक और एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक में 9.5त्न की हिस्सेदारी खरीदने की मंजूरी आरबीआई मिल गई है। यह मंजूरी आरबीआई के अनुमोदन पत्र जारी होने के बाद एक वर्ष तक के लिए वैध है। इसकी वैधता 02 जनवरी 2026 को समाप्त हो जाएगी।

बिहार के लोक शिकायत निवारण तंत्र के कामकाज की सराहना की उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम (बिहार आरपीजीपी अधिनियम) और बिहार लोक सेवा अधिकार अधिनियम (बिहार आरटीएस अधिनियम) के माध्यम से जनता की शिकायतों के निराकरण के काम की सराहना की है।प्रतिनिधिमंडल ने राज्य में उपरोक्त दोनों अधिनियमों के कार्यान्वयन को समझने के लिए शुक्रवार को बिहार का दौरा किया है। कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय की ओर से शनिवार को यहां जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) और पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग के सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में डीएआरपीजी के एक वरिष्ठ स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने इस प्रतिनिधिमंडल में अपर सचिव पुनीत यादव, संयुक्त सचिव सरिता चौहान, निदेशक सुवाशीष दास और उप सचिव शामिल हरि किरण भट्ट शामिल थे। विज्ञप्ति में कहा गया है, डीएआरपीजी प्रतिनिधिमंडल ने लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम 2015 के माध्यम से किए गए लोक शिकायतों के निवारण की सराहना की है।÷ बिहार के लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम 2015 में लोक शिकायतों के प्रभावी निवारण के लिए शिकायत निवारण अधिकारियों को अर्ध-न्यायिक शक्तियां मिली हैं। लोक शिकायत अधिकार अधिनियम, सेवा अधिकार अधिनियम, शिकायत अपीलीय

अधिकारी प्रक्रिया और बेहतर अभिलेख प्रबंधन प्रथाओं के कार्यान्वयन पर बिहार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीना, अपर मुख्य सचिव बी. राजेंद्र और बिहार प्रशासनिक सुधार मिशन की अपर मिशन निदेशक डॉ. प्रतिमा के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की आधिकारिक बैठकें हुईं। डीएआरपीजी प्रतिनिधिमंडल ने समाधान और जिज्ञासा कॉल सेंटरों का दौरा किया। टीम के समक्ष बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम और बिहार लोक सेवा अधिकार अधिनियम के कार्यान्वयन एवं प्रभाव पर केंद्रित एक प्रस्तुति दी गई।

इस प्रतिनिधिमंडल ने राज्य लोक शिकायत प्राप्ति केंद्र का दौरा किया और बाद में जिला शिकायत निवारण अधिकारी, पटना के कार्यालय का भी दौरा किया, जहां उन्होंने व्यक्तिगत रूप से सुनवाई प्रक्रिया और शिकायतों के निवारण का अवलोकन किया।

डीएआरपीजी प्रतिनिधिमंडल ने पटना में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा से मुलाकात की लोक शिकायतों के प्रभावी निवारण, सीपीजीआरएएमएस पोर्टल, स्वच्छता को संस्थागत बनाने और लंबित मामलों को कम करने के लिए विशेष अभियान और पेंशनभोगियों के डिजिटल सशक्तिकरण पर चर्चा की ।

क्या सचमुच पेड़ पर उगती है स्पेगेटी! पहली अप्रैल को क्यों हुई फेमस वेट लॉस तो होगा ही... शुगर भी नहीं बढ़ेगी

बच्चा हो या बड़ा, हर किसी को पास्ता खाना बहुत पसंद होता है. पास्ता की कई वैरायटी होती हैं लेकिन लोगों को इसके बारे में पता नहीं होता. स्पेगेटी पास्ता ही है लेकिन लोग उसे नूडल्स समझने की भूल कर बैठते हैं.

स्पेगेटी हर सुपरमार्ट में और रेस्टोरेंट में मिलती है. लेकिन बहुत से लोग इसे देखते ही कंफ्यूज हो जाते हैं. कोई इसे नूडल्स समझता है तो कोई इसे सेवई समझ बैठता है. स्पेगेटी एक इटैलियन डिश है जो पास्ता का ही एक प्रकार है. यह खाने में तो टेस्टी होती ही है लेकिन सेहत के लिए भी फायदेमंद होती है. 4 जनवरी को National Spaghetti Day मनाया जाता है. इस मौके पर जानते हैं कि लजीज, गोल, लंबे और पतले इस पास्ता को कैसे पॉपुलैरिटी मिली.

कई तरह की स्पेगेटी

पास्ता इटैलियन डिश है. इसे लगभग 2300 साल पहले बनाया गया. तब इसे आटे से चौकोर आकार का बनाया जाता था जो सैंडविच की तरह दिखता था. इसे डीप फ्राई किया जाता था. धीरे-धीरे पास्ता का रंग रूप बदला. इसे कई आकारों में बनाया गया. 1900 में पास्ता की इंडस्ट्री तेजी से बढ़ी और तभी स्पेगेटी का जन्म हुआ. दूसरे विश्व युद्ध से पहले 1955 तक इटली में इसका प्रोडक्शन डबल हो गया था. इटली में स्पेगेटी पहले 14 किलोग्राम प्रति व्यक्ति खाई जाती थी जो बाद में 28 किलोग्राम हो गई. बढ़ती डिमांड के चलते यह इटली से बाहर एक्सपोर्ट भी होने लगी थी.

स्पेगेटी की मोटाई के हिसाब से अलग नाम

स्पेगेटी 10 से 12 इंच लंबी, पतली यानी सिलेंड्रिकल शेप की होती है. इसकी थोड़ी ज्यादा मोटाई हो तो उसे Spaghettoni और बहुत ही पतली मोटाई वाली स्पेगेटी Capellini कहलाती है. स्पेगेटी इटैलियन शब्द spaghetti से बना है जिसका मतलब है पतली तार.

स्पेगेटी के लिए उड़ी अफवाह

1957 में अप्रैल फूल डे के दिन बीबीसी ने अपने कार्यक्रम 'पनोरमा' पर एक 3 मिनट की रिपोर्ट दिखाई जिसमें स्पेगेटी पेड़ पर उग रही थी. यह लोगों के साथ मजाक करने के लिए बनाई गई थी. इस फुटेज में दिखाया गया था कि दक्षिणी स्विट्जरलैंड में एक किसान परिवार स्पेगेटी के पेड़ से स्पेगेटी तोड़ रहा है. हालांकि तब ब्रिटेन के लोग स्पेगेटी से अनजान थे लेकिन कई लोगों ने चैनल पर फोन कर इसे उगाने का तरीका पूछा. कई साल बाद नामी न्यूज चैनल सीएनएन ने इस रिपोर्ट की पोल खोली थी.

हाथ से बनती है फ्रेश स्पेगेटी

इटली के कई घरों में स्पेगेटी हाथों से बनती है. आटे को हाथ की मदद से लंबा-लंबा बत्ती की तरह बनाया जाता है. वहीं, आजकल कुछ मशीनें भी आ रही हैं जिसमें आटा डालते ही स्पेगेटी लंबी-लंबी निकलने लगती है. इस ताजी स्पेगेटी को एक घंटे के अंदर ही बना लिया जाता है और इसका टेस्ट भी बहुत हटकर होता है. वहीं, बाजार में ड्राई स्पेगेटी बिकती हैं. यह सब फैक्ट्री में बनी होती हैं. इसे पहले पानी में उबाला जाता है और इसके बाद बनाया जाता है.

टमाटर की सॉस के बिना अधूरी

पास्ता की कल्पना बिना टमाटर की सॉस के नहीं की जा सकती. पास्ता को पॉपुलर टोमाटो सॉस ने ही बनाया है. स्पेगेटी भी पास्ता ही है इसलिए इसमें इसी को मिलाया जाता है. दरअसल पास्ता को पहले स्नैक्स के तौर पर खाया जाता था. यह ड्राई होता था लेकिन जब सॉस बनने लगी तो पास्ता ड्राई से करी वाला हो गया.

स्पेगेटी, सेवई और नूडल्स में फर्क

स्पेगेटी ड्यूरम नाम के गेहूं से बनती है. गेहूं के आटे को पानी में मिलाकर गूंधा जाता है और फिर इसे सुखाया जाता है. सेवई मैदा से बनती है जबकि नूडल्स मैदा, अंडे और पानी को मिलाकर बनाई जाती है. नूडल्स चीन में बनाई गई थी. स्पेगेटी को उबालने के लिए पानी में जैतून का तेल डाला जाता है, सेवई को दूध में उबाला जाता है जबकि नूडल्स को पानी में नमक और तेल डालकर उबाला जाता है.

गायब होता गंधमर्दन पर्वत

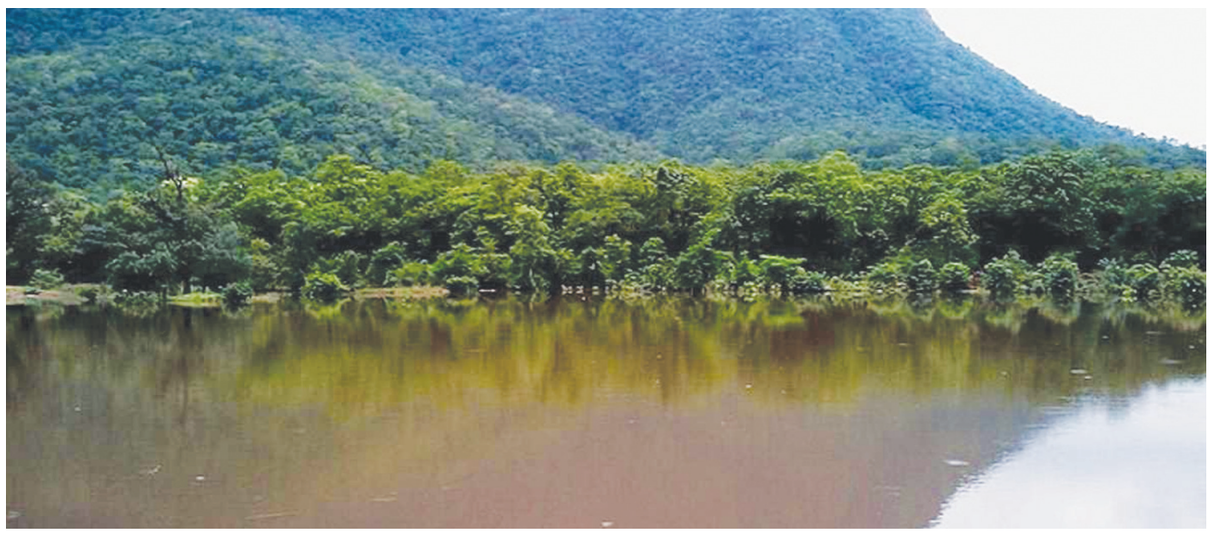

खनन का परिणाम-अगर गंधमर्दन पहाड़ से सारी खनिज संपदा निकाली जाएगी तो न तो भारत सरकार और न ही ओडिशा सरकार को कोई रॉयल्टी मिलेगी, लेकिन यदि खनन होगा तो सभी खनिज संसाधन समाप्त होने के बाद परिणाम गंभीर होंगे। सबसे पहले, गंधमर्दन गायब होने से प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र का संतुलन गड़बड़ा जाएगा। गंधमर्दन में औषधीय पौधों से स्थानीय लोगों को लाभ मिलता है और आयुर्वेदिक उपचार की सुविधा मिलती है।ओडिशा का गंधमर्दन पर्वत एक बार फिर सुर्खियों में है। बलांगीर और बरगढ़ जिले की सीमा पर स्थित यह पर्वत श्रृंखला प्राकृतिक, आध्यात्मिक और जैव-विविधता के लिए महत्वपूर्ण है। 1980 के दशक में गंधमर्दन पर्वत एक राष्ट्रीय मुद्दा बना था। आज वही मुद्दा एक बार फिर चर्चा का विषय बन गया है। भुवनेश्वर से 461 किमी, संबलपुर से 165 किमी, बरगढ़ से 105 किमी और पाइका माल से केवल 4 किमी दूर गंधमर्दन पर्वत प्रकृति की खूबसूरत गोद में स्थित है। इस पर्वत की ऊंचाई कहीं 2000 फीट और कहीं 3274 फीट है। गंधमर्दन पर्वत की चोटी पर एक समतल जगह है जिसकी लंबाई करीब 16 किमी और चौड़ाई एक किमी के करीब है।घने जंगलों वाली यह पर्वत श्रृंखला कभी विभिन्न जंगली जानवरों का निवास स्थान थी। सांभर, हिरण से लेकर बाघ और हाथी तक, विभिन्न प्रकार के जानवर यहां रहते थे। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट के अनुसार, गंधमर्दन पहाड़ों में पेड़ों की दो हजार से अधिक प्रजातियां हैं, जो पर्यावरण को संतुलित करने और पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा करने में मदद करती हैं। गंधमर्दन पहाड़ों में औषधीय पेड़ों और झाड़ियों की 200 से अधिक प्रजातियां भी पाई जाती हैं। यहां से सुनारी धारा सहित 4 धाराएं और 22 जल निकाय निकलते हैं जिनमें से अंग और सुकतेल नदियां महानदी में गिरती हैं और उसकी जलधारण क्षमता में वृद्धि करती हैं।खनन के लिए सर्वे और सरकारी तैयारी

1940 के दशक में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने गंधमार्दन पहाड़ों का अध्ययन करके बताया था कि यहां बड़ी मात्रा में खनिज संसाधन, बॉक्साइट हैं। 1948 में ओडिशा सरकार के इस्पात एवं खान विभाग भारत सरकार के खनिज संसाधन विकास निगम और भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने संयुक्त रूप से गंधमर्दन में खनिज संसाधनों की उपस्थिति, मात्रा और गुणवत्ता निर्धारित करने का प्रयास किया। 1959 तक, उनका मानना था कि गंधमर्दन पर्वत में उच्च गुणवत्ता वाला बॉक्साइट प्रचुर मात्रा में है जिसकी मात्रा 200 मिलियन टन से भी अधिक हो सकती है। इस संबंध में वैज्ञानिक रिपोर्टें प्रकाशित की गईं, जो गंधमर्दन पहाड़ों से बॉक्साइट और अन्य खनिज संसाधनों के उत्खनन के लिए उपयोगी थीं। इसके बाद गंधमर्दन से एल्यूमीनियम संयंत्र के लिए आवश्यक कच्चा माल बॉक्साइट निकालने का प्रयास किया गया।बाल्को का आगमन एवं व्यापक विरोध प्रदर्शन

र्ष 1975 तक सार्वजनिक क्षेत्र की बाल्को (भारत एल्यूमीनियम कंपनी लिमिटेड) ने मध्यप्रदेश के कोरबा में अपने एल्यूमीनियम संयंत्र के लिए बॉक्साइट निकालने के प्रयास शुरू कर दिए। भारत सरकार और तत्कालीन ओडिशा सरकार के साथ बातचीत के बाद बाल्को को गंधमर्दन से खनन की अनुमति मिल गई, लेकिन गंधमर्दन इलाके के स्थानीय लोगों के विरोध के कारण यह काम नहीं हो सका। गंधमर्दन सुरक्षा युवा परिषद ने बाल्को विरोधी आंदोलन जारी रखा। धीरे-धीरे इस आंदोलन को आम लोगों का समर्थन मिलने लगा। इसमें कुछ राजनेता भी शामिल हुए। आंदोलन को सर्वोदय समाज का समर्थन मिलने के बाद राज्य और देश के कई पर्यावरणविद् और कार्यकर्ता इस क्षेत्र में आये और आंदोलन का समर्थन किया।सर्व सेवा संघद्वारा आयोजित ाम स्वराज और नगर स्वराज यात्रागंधमर्दन सुरक्षा आंदोलन के समर्थन में बलांगीर और बरगढ़ जिलों से होकर गुजरी और यह मुद्दा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन गया।

कई युवा स्वयंसेवी बाल्को का विरोध करने के लिए आंदोलन में शामिल हुए और जन जागृति के साथ-साथ जनशक्ति निर्माण की दिशा में काम किया। धीरे-धीरे पूरे राज्य में गंधमर्दन के लिए जनमत व्यक्त किया गया और यह एक शक्तिशाली जनआंदोलन में बदल गया।नागरिक समाज, पर्यावरणविद्, कॉर्पोरेट विरोधी समूह, समाजवादी आदि स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ एकजुट हो गए और उनकी संयुक्त शक्ति सरकार और कंपनी की लूट की योजनाओं को विफल करने में सफल रही। दस वर्षों तक विरोध के कारण बाल्को को अपनी योजना से पीछे हटने के लिए मजबूर होना पड़ा। 1987 में ओडिशा सरकार ने जन आंदोलन का मुकाबला करने के लिए एक समिति का गठन किया और बाल्को को खनन में मदद करने की कोशिश की, लेकिन मजबूत जन आंदोलन के कारण उनकी यह योजना विफल हो गई।फिर गंधमर्दन लूट अभियान-इन दिनों एक बार फिर गंधमर्दन का मुद्दा चर्चा का विषय बन गया है। ओडिशा में पहली बार भाजपा सरकार आने के बाद देश की सार्वजनिक संपत्ति लूटने वाली अडाणी कंपनी की नजर गंधमर्दन पर है। यहां से बॉक्साइट को लूटकर विदेशी बाजार में बेचकर करोड़ों रुपए कमाए जाने वाले हैं और इस योजना को भारत सरकार और ओडिशा सरकार का समर्थन प्राप्त है, जिसे डबल इंजन सरकार के रूप में प्रचारित किया जाता है। लोगों को अडाणी की इस योजना के बारे में पता न चले और उन्हें बाल्को की तरह जनता के विरोध का सामना न करना पड़े, इसके लिए नए-नए हथकंडे अपनाए जा रहे हैं।मीडिया के मुताबिक, अडाणी कंपनी ने गंधमर्दन पर्वत के आसपास की जमीन खरीदी है। पता चला है कि बलांगीर जिले के खपराखोल क्षेत्र में हाल ही में अदाणी कंपनी द्वारा 18 एकड़ जमीन खरीदी है। इसी तरह, बरगढ़ जिले के गई सिल्ट ब्लॉक के तहत कटाबहाल के युवाखोल गांव में 23 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया गया है। अडाणी कंपनी ने बलांगीर जिले के पाटनागढ़ तहसील के तहत बेलपाड़ा ब्लॉक डुडुकमल में 33 एकड़ जमीन, वालुपुरी गांव में 61 एकड़ जमीन खरीदी है। ऐसा प्रतीत होता है कि अडाणी कंपनी ने भैंसा सर्कल के तहत 43 एकड़ जमीन खरीदी है। इस तरह गंधमर्दन के आसपास के 27 प्लॉट अडाणी के नाम पर खरीदे गए हैं।स्थानीय लोगों से पता चला है कि गंधमर्दन में कई महीनों से सरकारी सर्वे का काम चल रहा है। प्रशासन किसी को यह नहीं बता रहा कि यह सर्वे क्यों कराया जा रहा है। सरकार द्वारा कराए गए सर्वे और गंधमर्दन पहाड़ के आसपास अडाणी कंपनी द्वारा जमीन की खरीद से यह स्पष्ट है कि केंद्र, राज्य की सरकारें और अडाणी कंपनी मिलकर एक व्यापक योजना पर काम कर रहे हैं। यह योजना डकैती नहीं तो और क्या हो सकती है? आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार तेलनापाली, बुरोमाल, ढांडामुंडा, सापमुंडा, टिकपाली, लालखानपुर, चौलधारा जैसे कई गांवों में प्रचुर मात्रा में ग्रेफाइट और मैंगनीज हैं। जाहिर है, इन इलाकों में अडाणी कंपनी द्वारा जमीन खरीदने का उद्देश्य खनिज लूटना ही है।नन का परिणाम-अगर गंधमर्दन पहाड़ से सारी खनिज संपदा निकाली जाएगी तो न तो भारत सरकार और न ही ओडिशा सरकार को कोई रॉयल्टी मिलेगी, लेकिन यदि खनन होगा तो सभी खनिज संसाधन समाप्त होने के बाद परिणाम गंभीर होंगे। सबसे पहले, गंधमर्दन गायब होने से प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र का संतुलन गड़बड़ा जाएगा। गंधमर्दन में औषधीय पौधों से स्थानीय लोगों को लाभ मिलता है और आयुर्वेदिक उपचार की सुविधा मिलती है।

जब वहां के औषधीय पौधे नष्ट हो जाएंगे तो इसका सीधा असर वहां की आबादी के स्वास्थ्य पर पड़ेगा। जैव-विविधता की हानि, जलधाराओं के सूखने, नदी के प्रवाह में कमी के कारण व्यापक पर्यावरणीय क्षति होगी। इसी तरह, कई लोगों का जीवन और आजीविका नष्ट हो जाएगी।लोग क्या करें? ऐसे में लोगों को क्या करना चाहिए? कुछ लोग कह सकते हैं कि अडाणी कंपनी का मुनाफा ही जरूरी है। गंधमर्दन पर्वत को विशेष आर्थिक क्षेत्र घोषित हो जाने के बाद लोगों के हाथ में कुछ नहीं बचेगा। ऐसे क्षेत्र में ग्रामसभा, न्यायालय प्रभावी नहीं होंगे और हाईकोर्ट, सुप्रीम कोर्ट भी अपनी असमर्थता दर्शायेंगे।

संपादकीय

ज़हरीला भूजल

हरित क्रांति के अगुआ बनकर देश के खाद्यान्न संकट दूर करने वाले राज्य पंजाब व हरियाणा का भूजल चिंताजनक स्तर तक दूषित पाया गया है। धान व अन्य फसलों की बंपर पैदावार के लिये भूजल का अंधाधुंध दोहन करने वाले इन राज्यों का भूजल का स्तर उस गहराई तक जा पहुंचा है, जहां उसमें यूरेनियम जैसे घातक पदार्थों की मात्रा गंभीर स्थिति तक जा पहुंची है। पूरे देश में भूजल की गुणवत्ता की जांच के लिये लिये गए बीस फीसदी सैंपल निर्धारित कसौटी पर खरे नहीं उतरे हैं। इन सैंपलों में नाइट्रेट का स्तर सीमा से अधिक मिला है।

पानी की गुणवत्ता को लेकर केंद्रीय भूजल बोर्ड की सालाना रिपोर्ट गंभीर चिंताओं का खुलासा करती है। जहां अरुणाचल, मिजोरम, मेघालय, जम्मू- कश्मीर आदि के सौ फीसदी सैंपल भारतीय मानक ब्यूरो के मानकों पर खरे उतरे हैं, वहीं पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उ.प्र. तथा आंध्र प्रदेश में पानी बड़े पैमाने पर प्रदूषित मिला है। देश में कुल 15,259 भूजल निगरानी स्थानों का चयन पानी की क्वालिटी नापने के लिये किया गया। मगर पंजाब के पानी के नमूने में मिले घातक तत्व चिंता बढ़ाने वाले हैं। पंजाब के भूजल में तीस फीसदी सैंपलों में अधिक यूरेनियम पाया गया। फिक्र की बात यह है कि पंजाब व राजस्थान यूरेनियम प्रदूषण के मद्देनजर हॉट स्पॉट हैं। दरअसल, यूरेनियम के अधिक प्रदूषण का मुख्य कारण भूजल का अत्यधिक दोहन है। जो भूजल स्रोत अधिक यूरेनियम वाले क्लस्टर हैं, वे अति दोहित, गंभीर व अर्धगंभीर श्रेणी वाले इलाके हैं। वास्तव में भूजल के अंधाधुंध दोहन से पानी का स्तर उस स्थान तक जा पहुंचा है, जहां पानी में यूरेनियम अधिक है। जो कि कैंसर जैसी अनेक गंभीर बीमारियों का कारण बनता जा रहा है। हाल के वर्षों में पंजाब के कई इलाकों में कैंसर के अधिक मामले सामने आए हैं। यहां तक कि पंजाब से राजस्थान रोगियों को इलाज के लिए ले जाने वाली ट्रेन को कैंसर ट्रेन तक कहा जाता रहा है।

निश्चित रूप से केंद्रीय भूजल बोर्ड की यह रिपोर्ट चिंता बढ़ाने वाली है। हमने मुनाफा बढ़ाने के लिये जिस भूजल का अंधाधुंध दोहन किया है वह अब अपना नकारात्मक प्रभाव दिखाने लगा है। निश्चित रूप ने कुदरत ने हमें आवश्यकता का जल तो दिया है लेकिन उसके अनियंत्रित दोहन की अनुमति नहीं दी है। पंजाब बड़े पैमाने पर धान की खेती करता रहा है। हालांकि, पंजाब के भोजन में चावल प्राथमिक नहीं रहा है। लेकिन व्यावसायिक हितों की पूर्ति के लिये धान की खेती को प्रश्रय दिया गया। इस खेती की वजह धान की फसल पर न्यूनतम समर्थन मूल्य का मिलना भी है। अब किसानों को फसलों के विविधीकरण के लिये प्रेरित किया जाना चाहिए। ग्लोबल वार्मिंग संकट के मद्देनजर यह चुनौती और गंभीर हो जाती है क्योंकि वर्षा जल के पैटर्न में बड़ा बदलाव आया है।

जिसके चलते सूखे व बाढ़ जैसी स्थितियां कभी भी पैदा हो जाती हैं। ग्लोबल वार्मिंग के संकट के मद्देनजर उन फसलों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जो कम पानी में उग सकें और अधिक मुनाफा दे सकें। सरकारों की ओर से मुफ्त सिंचाई की सुविधा के सवाल पर भी पुनर्विचार किया जाना चाहिए। दरअसल, हमें जो चीज मुफ्त उपलब्ध हो जाती है, हम उसके उपयोग में किफायत नहीं बरतते। हमें हर मुफ्त चीज की बड़ी कीमत कालांतर चुकानी पड़ती है। वहीं दूसरी ओर केंद्रीय भूजल बोर्ड की रिपोर्ट राजस्थान व गुजरात के भूजल में निर्धारित मानक से अधिक फ्लोराइड होना बताती है। यहां एक विचारणीय प्रश्न यह भी है कि कई स्थानों पर मानसून के बाद पानी गुणवत्ता में सुधार देखा गया।

ऐसे में हमें वर्षा जल को धरती में रिचार्ज करने की दिशा में गंभीरता से सोचना चाहिए। दरअसल, रिपोर्ट बताती है कि बारिश के पानी के रिचार्ज होने से घातक पदार्थ का असर कम हो जाता है। गंभीर बात यह भी है कि इस रिपोर्ट में बताया गया है कि देश के 440 जिलों के भूजल में नाइट्रेट खतरनाक स्तर तक पाया गया है। जो कि अनेक गंभीर बीमारियों का कारक बन सकता है। इस गंभीर संकट पर समाज, सरकार व स्वयंसेवी संगठनों को गंभीरता से विचार करना चाहिए।

वामपंथी और धर्मनिरपेक्ष ताकतों का 2025 में होगा अति-दक्षिणपंथियों से मुकाबला

केंद्रीय ट्रेड यूनियनों (सीटीयू) और संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) द्वारा संयुक्त रूप से बड़े आंदोलन आयोजित किये गये। महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध और हिंसा के खिलाफ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन हुए। प्रतियोगी परीक्षाओं की दोषपूर्ण प्रणाली और प्रश्नपत्रों के लीक होने के खिलाफ कुछ राज्यों में युवा बड़ी संख्या में सामने आ रहे हैं।

वर्ष 2024,राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उथल-पुथल भरा रहा। भारत में, वर्ष की शुरुआत अयोध्या में नवनिर्मित लेकिन अधूरे राम मंदिर में राज्य प्रायोजित मूर्ति स्थापना के साथ हुई, जो भाजपा शासकों का संकेत था कि हिंदुत्व राज का युग शुरू हो गया है। इसके बाद केंद्रीय एजेंसियों के माध्यम से विपक्षी नेताओं को लक्ष्य बनाया गया, जिसमें दो मुख्यमंत्रियों की गिरफ्तारी भी शामिल है।18वीं लोकसभा के लिए निर्णायक मंच तैयार हो गया था, जहां एक ओर भाजपा-आरएसएस और उनके समर्थक, और दूसरी तरफ विपक्षी राजनीतिक पार्टियों के इंडिया ब्लॉक के बीच चुनावी दंगल की रेखाएं खींची गयीं। परन्तु भाजपा के लिए नतीजे एक झटका थे क्योंकि 400 से ज़्यादा सीटें जीतने का दावा करने के बाद पार्टी 240 सीटों के साथ बहुमत से नीचे रह गयी।

नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के आगमन के साथ राजनीतिक स्थिति को इस प्रकार संक्षेप में प्रस्तुत किया जा सकता है = मोदी सरकार हिंदुत्व-कॉर्पोरेट एजंडे के साथ आगे बढ़ने के लिए दृढ़ है; नवउदारवादी नीतियों का निरंतर अनुसरण लोगों पर अधिक बोझ डाल रहा है - चाहे वह मूल्य वृद्धि हो, बेरोजगारी हो या ग्रामीण और शहरी गरीबों के लिए निरंतर संकट हो; मजबूत विपक्ष के साथ, हिंदुत्व-सत्तावादी ताकतों के लिए मजबूत और व्यापक प्रतिरोध के लिए जगह खुल गयी है।संसद में कमजोर भाजपा का मतलब सरकार द्वारा सत्ता का कम खतरनाक इस्तेमाल नहीं है। सरकारी संस्थाओं का दुरुपयोग करने, संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जा करने और सभी क्षेत्रों - शैक्षिक, सामाजिक और सांस्कृतिक - में हिंदुत्व की विचारधारा को अंकित करने का अभियान जारी है। लोगों और समाज के बीच, स्थायी सांप्रदायिक विभाजन पैदा करने के लिए कपटपूर्ण ढंग से मुस्लिम-भेदभाव लगातार जारी है। संभल और अजमेर शरीफ में मस्जिदों के नीचे मंदिरों का सर्वेक्षण और पहचान करने की मांग इस खेल-योजना का हिस्सा है। यह एक ऐसा खतरा है, जिसका सामना वाम-लोकतांत्रिक ताकतों को और अधिक दृढ़ संकल्प और वैचारिक संघर्ष के साथ करना चाहिए।

2024 वह वर्ष था, जिसमें सांप्रदायिक-कॉर्पोरेट गठजोड़ को और आगे बढ़ाया गया। मोदी शासन के पसंदीदा बड़े पूंजीपतियों ने बहुत अधिक संपत्ति अर्जित की और अधिक लाभ कमाया। इनमें से पांच बड़े कॉरपोरेट - अंबानी, अडानी, टाटा, बिड़ला और भारती मित्तल - गैर-वित्तीय कॉर्पोरेट क्षेत्र की कुल संपत्ति का 20 प्रतिशत हिस्सा रखते हैं। मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में निजीकरण के लिए नये सिरे से जोर दिया गया है। बिजली वितरण क्षेत्र में डिस्कॉम का निजीकरण किया जा रहा है। इससे चंडीगढ़ जैसे बड़े संघर्षों को बढ़ावा मिल रहा है, जहां केंद्र शासित प्रदेश की एक लाभदायक डिस्कॉम को बेचने की कोशिश की जा रही है। फेरो स्क्रैप निगम लिमिटेड जैसे अन्य लाभदायक सार्वजनिक उपक्रम निशाने पर हैं।

इन नीतियों और लोगों के जीवन पर उनके प्रभाव को चुनौती दी गयी है। गत वर्ष मेहनतकश लोगों के विभिन्न वर्गों के कई संघर्ष देखने को मिले। सबसे व्यापक रूप से योजना कर्मियों - आंगनवाड़ी, आशा और मध्याह्न भोजन कर्मियों की हड़तालें और संघर्ष हुए हैं। विशाखापत्तनम स्टील प्लांट के निजीकरण के खिलाफ लंबा संघर्ष जारी है। बिजली कर्मियों, कोयला कर्मियों, डाक, बैंक और बीमा कर्मियों की क्षेत्रीय हड़तालें हुई हैं। सबसे महत्वपूर्ण हड़ताल तमिलनाडु के कांचीपुरम में सैमसंग इंडिया के प्लांट में 37 दिनों की हड़ताल थी। कर्मचारियों ने यूनियन बनाने और इस बहुराष्ट्रीय दिग्गज से मान्यता प्राप्त करने के अपने अधिकार के लिए सफल संघर्ष किया।केंद्रीय ट्रेड यूनियनों (सीटीयू) और संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) द्वारा संयुक्त रूप से बड़े आंदोलन आयोजित किये गये। महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध और हिंसा के खिलाफ देशव्यापी विरोध प्रदर्शन हुए। प्रतियोगी परीक्षाओं की दोषपूर्ण प्रणाली और प्रश्नपत्रों के लीक होने के खिलाफ कुछ राज्यों में युवा बड़ी संख्या में सामने आ रहे हैं। छात्र फीस वृद्धि और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं। नया साल कई और संघर्षों और प्रतिरोध स्थलों की शुरुआत करेगा।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, वर्ष 2024 को सबसे पहले 21वीं सदी के सबसे भयानक नरसंहार युद्ध के लिए याद किया जायेगा- वह है गाजा में फिलिस्तीनियों का इजरायली नरसंहार। अक्टूबर 2023 में शुरू हुआ यह क्रूर हमला पूरे 2024 में जारी रहा। नये साल में भी कोई राहत नहीं मिलती नज़र आ रही। गाजा के लोगों का सफाया हवाई हमलों, ड्रोन हमलों और नागरिकों को निशाना बनाकर तोपखाने की गोलाबारी के ज़रिए किया जा रहा है। अस्पतालों और स्कूलों को जानबूझ कर निशाना बनाया जा रहा है। भुखमरी नरसंहार का हथियार बन गयी है। गाजा में खाद्य आपूर्ति रोक दी गयी है। अमेरिका समर्थित इजरायली आक्रमण को रोकने और हस्तक्षेप करने में विफलता पर दुनिया भर में निराशा है, लेकिन इसके साथ ही फिलिस्तीनी लोगों के लिए प्रशंसा और एकजुटता भी है, जिन्होंने इस भयानक नरसंहार का सामना करने में अविश्वसनीय साहस और लचीलापन दिखाया है।

2024 में यूरोप में दूर-दराज़ के लोगों की बढ़त ने नवउदारवादी नीतियों को अपनाने के बाद सामाजिक-लोकतांत्रिक केंद्र के दाईं ओर जाने की परिणति को चिह्नित किया। इस क्षेत्र में एक व्यवहार्य वामपंथी ताकत की अनुपस्थिति में दुनिया के कई देशों में विपक्ष की जगह पर दक्षिणपंथी ताकतों का कब्जा है। लेकिन जहां वामपंथी ताकतें प्रभावी विकल्प पेश करने में सक्षम हैं, वहां वे दक्षिणपंथियों के खिलाफ संघर्ष में उतर आये हैं।फ्रांस में वामपंथी गठबंधन - न्यू पॉपुलर फ्रंट- संसदीय चुनाव में सबसे बड़े गुट के रूप में उभरने में सफल रहा, जिसने दक्षिणपंथियों की बढ़त को रोक दिया। बेल्जियम में वर्कर्स पार्टी ने पिछले साल यूरोपीय, राष्ट्रीय और स्थानीय चुनावों में महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की। भारत में भी आने वाले दिनों में वामपंथ की क्षमता सामने आनी है। नये साल में एक एकजुट और प्रभावी वामपंथी ताकत का उदयसंभव है, जो सभी लोकतांत्रिक ताकतों को एकजुट कर सके। इससे हिंदुत्व-कॉर्पोरेट शासन को हराने के लिए धर्मनिरपेक्ष-लोकतांत्रिक ताकतों द्वारा की जा रही लड़ाई को मजबूती मिलेगी।

ऐसे करें नन्हे की देखभाल

नाजुक से हाथ-पांव, मासूम-सा चेहरा और कोमल सी काया..., ऐसे में नन्हे को गोद में उठाते हुए भी डर लगता है परंतु मां ही ऐसी है, जो बेझिझक बच्चे को अपनी गोद में उठा कर उसे दुलारती और उसकी देखभाल करती है। नाजुक-सी जान के आते ही मां के इतने काम बढ़ जाते हैं कि कई बार तो उसे समझ ही नहीं आता कि वास्तव में वह अपने बच्चे की देखभाल कैसे करे कि उसकी सेहत हर मौसम के हिसाब से सही रहे।

हैल्दी मसाज

किसी भी नवजात शिशु को मसाज की बहुत आवश्यकता होती है जिससे कि उसकी बॉडी मजबूत तो बनेगी ही, साथ ही प्रॉपर शेप में भी आएगी। छोटे बच्चों की मसाज चेहरे से शुरू कर पांवों तक पहुंचनी चाहिए। बेहतर है कि उसकी मसाज देसी घी से की जाए। यदि अन्य तेल इस्तेमाल करना चाहती हैं तो वह तेज खुशबू वाला नहीं होना चाहिए।

नहलाना है जरूरी

यूं तो छोटे बच्चे को रोज गुनगुने पानी से नहलाया जाए तो वह काफी एक्टिव फील करता है। इसके लिए पहले उसे गुनगुने दूध से नहलाएं और बाद में उसे बेबी शैंपू से नहला दें। बहुत छोटे बेबी के नहाने के पानी में बेबी लोशन या ऑयल की कुछ बूंदें डाल दें। जब मौसम अनुकूल न हो तो उसे हर रोज नहलाना भी जरूरी नहीं, गुनगुने पानी में टॉवल भिगो कर उसे स्पंज कर उसके कपड़े बदल दें। बच्चे की स्कैल्प पर जन्म के बाद एम्नियोटिक फ्लूइड के अंश लगे रह जाते हैं। इन्हें एक दिन में हटाने की कोशिश न करें। हर रोज बच्चे के सिर पर बेबी कोम को हल्के हाथों से फिराते हुए निकालें।

नैपी नॉट

बच्चों के लिए डायपर खरीदते समय उसके वजन का ख्याल अवश्य रखें। ये उम्र की अपेक्षा उनके वजन को ध्यान में रख कर बनाए जाते हैं। डायपर को इस ढंग से बांधें कि उसकी स्किन पर रैशेज न पड़ें। इन्हें चेंज करते समय बच्चे के जननांग की विशेष रूप से सफाई करें।

सॉफ्ट हों परिधान

नन्हे- मुन्नों को हर मौसम में सॉफ्ट परिधान ही चाहिएं। उनके कपड़ों की डिजाइनिंग ऐसी होनी चाहिए जिसमें नैपी चेंज करना आसान हो। लेस वाले परिधानों में जहां उसकी उंगलियां फंसने का डर रहता है, वहीं बटन या फूलों वाली ड्रैस उसे चुभ सकती है। ठंडे मौसम में उसे फुल बॉडी सूट तथा गर्मियों में उसे सूती कपड़े के झबले पहनाएं।

जब रो उठे बच्चा

यूं तो बच्चों के रोने के कई कारण होते हैं। कई बार वह भूख लगने से रो सकता है, तो कभी उसे नींद आई होती है। कई बार उसकी नैपी गीली या गंदी हो जाने पर वह रोता है तो कभी थकान या दर्द की वजह से भी रो उठता है। इसके अलावा बच्चा अकेला होने पर डर कर भी रो उठता है। ऐसे में बच्चे को अपनी गोद में लेकर प्यार करें। आपके प्यार भरे स्पर्श से ही वह आश्वस्त हो जाता है कि कोई उसके पास है। यदि फिर भी बच्चे का रोना बंद न हो तो समझ जाएं कि उसे कोई तकलीफ है तथा उसे तुरंत डॉक्टर के पास ले जाएं।

सोने की रूटीन

यूं तो नवजात शिशु का दिन सोते हुए तथा रात जागते हुए बीतती है, जिससे परिवार के किसी एक सदस्य को भी उसके साथ जागना पड़ता है। लगभग 3-4 माह बाद बच्चे की यह आदत ठीक होने लगती है। अक्सर बच्चे दूध पीते-पीते गहरी नींद सो जाते हैं। बच्चे का बिस्तर गुदगुदा और मुलायम होना चाहिए तथा उसके कमरे में शोर नहीं होना चाहिए।

हैल्थ केयरिंग

बच्चे की हैल्थ से जुड़े हर प्रस्क्रिप्शन की फाइल बनाएं तथा उसका बर्थ सर्टीफिकेट भी उसमें रखें। पीडियाट्रीशियन के यहां से मिले वैक्सीन के कार्ड को भी इसी फाइल में संभाल कर रख दें। जन्म के बाद के उसके हर ट्रीटमैंट के पेपर इसी में होने चाहिएं और जब भी उसे हॉस्पिटल या नर्सिंग होम लेकर जाएं तो इस फाइल को भी साथ में ले जाएं।

सॉलिड फूड

छः माह तक बच्चे को मां का दूध ही दें तथा उसके बाद डॉक्टर की सलाह पर उसे सॉलिड फूड देना आरंभ करें।

स्टाइलिश बनाएं अपने बाथरूम को

बाथरूम घर के महत्वपूर्ण स्थानों में से एक है, क्योंकि सुबह उठते ही सबसे पहले हम सब सीधे वहीं तो जाते हैं ताकि फ्रैश हो कर दिन भर के लिए तैयार हो सकें। बाथरूम में यदि करीने से सारी एक्सैसरीज रखी जाएं तो उसे खूबसूरत लुक दिया जा सकता है। आजकल बाजार में उपलब्ध विस्तृत रेंज आपके लिए बहुत सारे विकल्प प्रदान करती है, परंतु इस बात का ध्यान रखें कि ये सारी वस्तुएं बाकी सजावट से मेल खाती हों।

दर्पण

दर्पण के बिना बाथरूम अधूरा-सा लगता है, क्योंकि दर्पण किसी भी बाथरूम का एक अभिन्न अंग है और किसी छोटे से बाथरूम को भी यह बढ़ा कर दिखा सकता है। एक स्टाइलिश दर्पण किसी भी जगह को एक शानदार लुक और फील भी प्रदान करेगा। आप अपनी पसंद से डिजाइन और साइज चुन सकती हैं, हालांकि आजकल बड़े आकार के दर्पण लगाने का ट्रैंड है।

नल

बाथरूम को स्टाइलिश लुक देते है खूबसूरत डिजाइन और रंगों वाले नल। इसलिए टाइल्स के रंग से मैच करते नल एवं शॉवर इसे खूबसूरती प्रदान करते हैं। खरीददारी करते समय इस बात का ध्यान रखें कि यदि आप के घर में बच्चे हैं तो ज्यादा कांप्लीकेटेड नल न लेकर साधारण नल ही लें।

वाशबेसिन

किसी भी बाथरूम का एक अभिन्न हिस्सा उसका वाशबेसिन होता है। इसका रंग बाकी एक्सैसरीज से मेल खाता हो तथा यह सही आकार में होना चाहिए अर्थात यह न ज्यादा छोटा हो और न ही ज्यादा बड़ा, क्योंकि दोनों से ही परेशानी हो सकती है। आप दीवार पर टंगने वाला वाशबेसिन भी चुन सकती हैं या फिर यह स्वतंत्र रूप से खड़ा होने वाला हो।

टायलैटरी होल्डर

साबुन ट्रे और टूथब्रश होल्डर बाथरूम में रखी जाने वाली महत्वपूर्ण और उपयोगी चीजें हैं। हालांकि ये चीजें बहुत छोटी और महत्वहीन लगती हैं, लेकिन इनके बिना निश्चित रूप से आपका बाथरूम अधूरा लगेगा। इसके अलावा आज रंगों और पैटर्न की बड़ी रेंज उपलब्ध होने से ये अद्भुत रूप से बाथरूम का केंद्र बिंदु बन सकते हैं। केवल यह सुनिश्चित करें कि ये बाकी की सजावट और रंगों से मेल खाते हों।

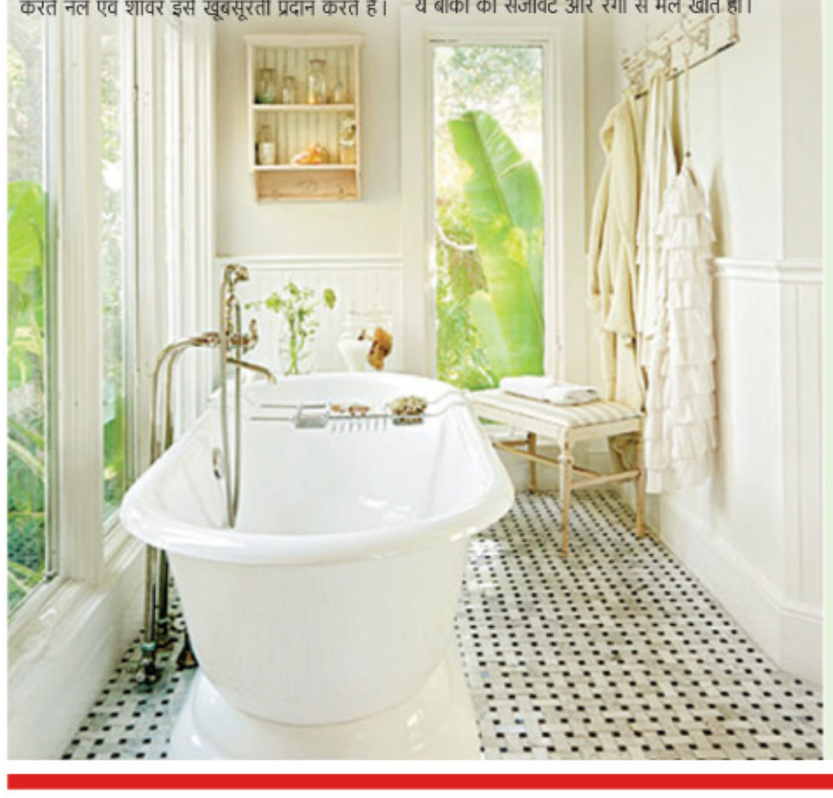

टायलैट रोल स्टैंड

यह आपको किसी महत्वहीन एक्सैसरी की तरह लग सकता है, लेकिन यकीनन यह सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाली चीज है। गीली टॉयलैट सीट या फिर धोने के बाद हाथ पोंछने के लिए टिशू का अभाव किसी को भी पसंद नहीं होता। टॉयलैट रोल होल्डर खरीदते समय ध्यान रखें कि वह कवर वाला हो। ऐसा करने से शॉवर का इस्तेमाल करने पर टिशू रोल गीला नहीं होगा।

डस्टबिन

बेशक यह बाथरूम की सबसे अधिक महत्वपूर्ण चीजों में से एक है। आखिर आप रैपर, बेकार टिशू पेपर, टायलैटरीज जैसे साबुन, टूथपेस्ट आदि के बचे हुए टुकड़े अपने बाथरूम के फर्श पर तो गिराना नहीं चाहेंगे। कूड़े पर मक्खियों और कीड़ों को बैठने से बचाने के लिए कवर वाला कचरे का डिब्बा एक बेहतर विकल्प है। विशेष रूप से पैडल टाइप कवर वाले डिब्बे को खोलने और बंद करने के लिए आपको झुकना नही पड़ेगा।

लांड्री बास्केट

यह आवश्यक नहीं है, परंतु बाथरूम में एक अच्छी चीज है। लांड्री बास्केट होने से परिवार के सभी लोग धोने वाले कपड़ों को एक ही जगह रख पाएंगे और इससे हर कमरे में जाकर कपड़े ढूंढने की आपकी परेशानी समाप्त हो जाएगी।

बाथरूम में स्टाइलिश कैबिनेट

आपके बाथरूम में उपलब्ध जगह के अनुसार आप एक दर्पणयुक्त पैनल का विकल्प चुन सकती हैं, ताकि एक अतिरिक्त दर्पण की आवश्यकता समाप्त हो जाए।

ग्लास डोर कैबिनेट

इस कैबिनेट के डोर ग्लास के बने होते हैं जो देखने में शानदार लगता है। आप इसके अंदर सामान रख सकते हैं तथा इसे वाश बेसिन के ऊपर भी इंस्टॉल कर सकते हैं।

वैनिटी कैबिनेट

बाथरूम वैनिटी कैबिनेट कई स्टाइल में बाजार में उपलब्ध हैं। ढेरों ऑप्शन्स में से पसंदीदा डिजाइन चुन कर आप इन्हें बाथरूम के साइज के अनुसार सैट कर सकती हैं। यह आपको सिंगल वाश बेसिन या डबल वाश बेसिन दोनों ही तरह से मिल जाएगा। इसे सीधे फ्लोर पर भी रख सकते हैं। इसमें आपको मिरर लगा मिलेगा और वाश बेसिन भी साथ होगा। नीचे की तरफ काउंटर बने होंगे जिनमें आप सामान रख सकते हैं, इस तरह हुआ न यह थ्री इन वन।

अल्मीरा कैबिनेट

ये कैबिनेट अलमारीनुमा है जिसे आप ज्यादा स्पेस वाले वाशरूम में रख सकते हैं। इसमें आपको सामान रखने की भरपूर स्पेस मिलेगी।

मिरर कैबिनेट

यदि बाथरूम छोटा हो तो आप मिरर कैबिनेट का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसमें कैबिनेट के दरवाजे में मिरर लगा होता है। यह कैबिनेट कम स्पेस को ध्यान में रखकर इस्तेमाल की जा सकती है।

वाल माऊंटेड कैबिनेट

इसे आप बाथरूम की दीवारों पर सैट कर सकती हैं, जिसमें सामान रखने के लिए कबर्ड तो होता ही है, टॉवल टांगने के लिए भी जगह होती है।

छिपाएं सौंदर्य की अनचाही कमियों को...

अवसर चाहे पार्टी का हो या अपनी सगाई और शादी का, सबसे सुंदर दिखना हर लड़की का सपना होता है और आज के माहौल में जहां हर किसी के पास समय का अभाव रहता है वहीं लेजर के माध्यम से कम समय में खूबसूरती पाने का प्रचलन काफी बढ़ गया है। लेजर के द्वारा आप अपने सौंदर्य की अनचाही कमियों को आसानी से छुपा सकती हैं।

ब्राइडल किट में आने वाली सुविधाएं

यह स्किन में बदलाव लाने वाली लेजर उपचार प्रणाली है जिसमें फेस में मौजूद दाग-धब्बों तथा चेहरे पर आई चोट के निशानों को हटाया जाता है। हेयर रिएक्शन बॉडी से अनचाहे बालों को हटाता है।

माइक्रोडर्मा ब्रेसन

यह एक नई तकनीक है जिसे लेजर फेशियल कहा जाता है जो त्वचा को आंतरिक चमक देती है। लेजर पद्धति की इन प्रक्रियाओं में सबसे ज्यादा लेजर फेशियल को पसंद किया जा रहा है।

टूथ व्हाइटनिंग

इस प्रक्रिया द्वारा दांतों की चमक को बढ़ा कर आपकी मुस्कान को सुंदर बनाया जाता है।

डर्मा सिल्क फेशियल

डर्मा सिल्क फेशियल के अंतर्गत डायमंड मोनो आक्साइड क्रिस्टल का प्रयोग किया जाता है जो त्वचा को गोरा तथा चमक प्रदान करता है। साथ ही त्वचा पर उम्र के पड़ने वाले प्रभावों को रोकता है। एक लेजर फेशियल आपको दस साधारण फेशियलों के बराबर लाभ देता है।

क्रोमोलाइट फेशियल

इस फेशियल के तहत डैड स्किन को हटाया जाता है और नई त्वचा के ऊपर पीली रंग की क्रोमोलाइट के द्वारा स्किन के भीतरी तत्वों का उपचार किया जाता है जो त्वचा को पोषण प्रदान करने वाले भागों को सक्रिय करता है। यह साधारण तौर पर लिए जाने वाले फेशियल से पांच गुणा अधिक लाभ पहुंचाता है।

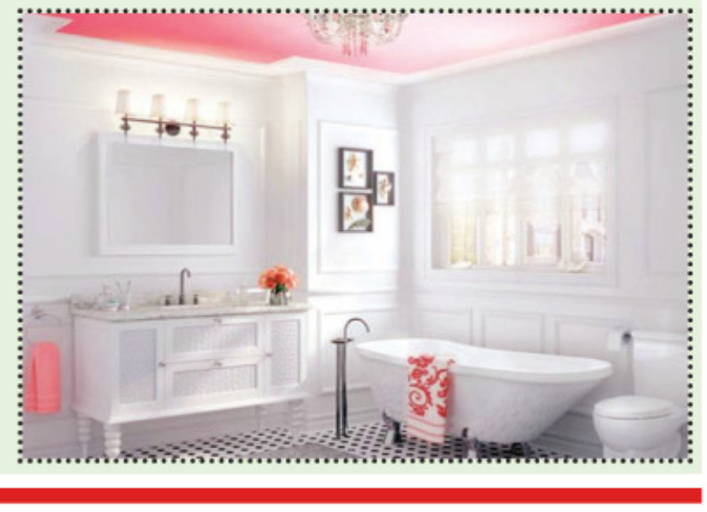

सेलिब्रिटीज के लुक की चाहत

इन दिनों एस्थेटिक सर्जनों द्वारा नया ट्रेंड देखने को मिल रहा है, जिसमें लोग मॉडल्स और सेलिब्रिटीज के लुक्स और लाइफस्टाइल को कॉपी करने करने की चाह रखने लगे हैं। इन 'अनरियलिस्टिक एक्सपेक्टेशन' के कारण सर्जन्स ऑपरेशन करने से दूर भाग रहे हैं। इसका मुख्य कारण वे सेलिब्रिटीज हो सकते हैं, जो सर्जरी करवाने के बाद मीडिया में घोषित भी करते हैं। इस वजह से सर्जरी की मुफ्त में मार्केटिंग भी हो जाती है। इस वजह से महिलाएं और लड़कियां यह सोचने लगी हैं, कॉस्मेटिक सर्जरी के बाद उनकी जिंदगी बेहतर हो जाएगी।

ब्रिटिश एसोसिएशन ऑफ एस्थेटिक प्लास्टिक सर्जन्स द्वारा किये गये सर्वे के अनुसार 'अनरियलिस्टिक एक्सपेक्टेशंस के कारण नवयुवकों में सेलिब्रिटीज की तरह दिखने की इच्छा बलवती होने लगी है। इस वजह से सर्जनों द्वारा मना करना जारी है। सर्जरी के लिए मना करने का दूसरा महत्वपूर्ण कारण यह है कि आज का युवा इसका प्रयोग करके किसी भी लाभ को हाथ से नहीं जाने देना चाहता। साथ ही इस प्रक्रिया से होने वाले स्वास्थ्य नुकसान को भी देखते हुए सर्जन क्लाइंट्स को मनाकर रहे हैं।'

लंदन के सर्जन एडम सीयरले का कहना है कि उनके पास आने वाले क्लाइंट्स किसी सेलिब्रिटी की फोटो लेकर आते हैं। दरअसल उनका इरादा वैसे फीचर्स पाना नहीं बल्कि उस लाइफ स्टाइल को अपनाना है। इंद्रप्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के कॉस्मेटिक सर्जरी के सीनियर कंसल्टेंट डॉ. अनूप धीर के अनुसार, अनरियलिस्टिक एक्सपेक्टेशन के कारण व्यक्ति स्वयं के लुक में कमी महसूस करता है। इसके चलते कई लोग अपनी रोजमर्रा की जिंदगी व सामाजिक रिश्तो को निभाने में भी कठिनाई महसूस करते है। वे सोचते है कि सर्जरी के बाद वे बेहतर हो जाएंगे। डॉ धीर का कहना है कि वे उन लोगों के खिलाफ हैं, जो अपनी पार्टनर को अपनी फैंटेसी वूमेन की तरह देखना चाहते हैं। इसी धोखे में कई बार ऐसे लोग गलत सर्जन के हाथ पड़ जाते हैं।

पनीर पाइनेप्पल संदेश

सामग्री: अनन्नास के 6 स्लाइस, 250 ग्राम मैश(मसला) किया हुआ पनीर, 2 टेबलस्पून पिसी हुई शक्कर, चुटकीभर केसर (हल्के गर्म पानी में भिगाकर रखें), सजावट के लिए कटे हुए बादाम और पिस्ते।

विधि: एक डिश में अनन्नास के स्लाइस रख दें। शक्कर और मसले हुए पनीर को अच्छी तरह से मिला लें। इस मिश्रण को अनन्नास के स्लाइस पर डालें। अब इसके ऊपर केसर डालकर बादाम और पिस्ते के टुकड़ों से सजा दें। ठंडा होने के लिए फ्रिज में रख दें।

चिन्टू का कमरा

अपने नन्हे के कमरे को पेंट करवाना आपको बहुत भारी काम लगता है। समझ में ही नहीं आता कि आखिर कौन सा रंग बच्चे को पसंद आएगा और वह स्फूर्तिवान महसूस करेगा। लेकिन यदि आप इस बारे में थोड़ा सोचेंगी तो इसे मजेदार पाएंगी। चाहें तो किसी पेंटर से उसका कमरे पेंट करवाएं लेकिन उसमें पर्सनल टच देने का अलग ही मजा है। खुद ही पेंट ब्रश उठा लीजिए, अपने बच्चे के कमरे को कोजी बनाने के लिए आपके पास कई विकल्प हैं, शुरूआत ऐसे कीजिए-

रंगों का मेल- कमरे में एक ही रंग क्यों चाहती हैं, जब आपके पास रंग के विकल्प हैं। मिक्स एंड मैच करके आप बच्चे के कमरे को खूबसूरत लुक दे सकती हैं। चाहें तो दो या अनेक रंगों का इस्तेमाल कीजिए। चाहें तो एक ही रंग के दो-तीन शेड्स का प्रयोग कर सकती हैं। दीवार के ऊपरी हिस्से को गहरे शेड दीजिए और नीचे वाले को हल्के।

थीम- यदि आपने कोई थीम सोच ली है तो काम बहुत आसान हो सकता है। इससे आपको बेसिक आइडिया मिल जाता है कि आपको कौन से रंग का इस्तेमाल करना है और कौन से नहीं। फूल-पत्ते, टेडी बियर, डॉल, समुद्र, महल, जहाज कोई भी थीम ले सकती हैं।

म्यूरल- म्यूरल्स का प्रयोग करके भी आप बच्चों के कमरे को नया लुक दे सकती हैं। इससे कमरे में नाटकीयता भी आती है। कमरा फैंटेसी में भी तब्दील हो सकता है। एक दीवार पर म्यूरल्स लगाइए और दूसरे को रंगों से रंग दीजिए। चाहें तो किसी म्यूरलिस्ट को भी इस काम में लगा सकती हैं।

स्टेंसिल- अपने प्यार को शब्दों से जाहिर कीजिए। अपने नन्हे के लिए आपके मन में जो प्यार है, उसे दीवारों पर लिख डालिए। इसके लिए स्टेंसिल का इस्तेमाल कीजिए। चाहें तो कुछ कविताएं और नर्सरी राइम भी लिख सकती हैं। इससे कमरे को व्यक्तिगत अहसास मिलेगा।

प्रिंट- किसी फूल, चिड़िया या मछली का कटआउट काट लीजिए। अब दीवार पर बेसिक कलर कीजिए। इसके बाद कटआउट को दीवार पर रखिए और दूसरे कलर से भर दीजिए। इन दिनों बाजार में चांद-सितारे, बार्बी, फूल आदि के स्टिकर भी मौजूद हैं, जिन्हें दीवार पर लगाने से ये रात में चमक उठते हैं।

स्केच- दीवार पर बेसिक कलर करने के बाद किसी पेड़ या फूल या जानवर की ड्राइंग बना दीजिए। आपके बच्चे का कमरा तैयार है।

चॉकबोर्ड- इन दिनों बाजार में वॉशेबल पेंट उपलब्ध हैं। बेसिक कलर करवाने के बाद थोड़ी जगह इनके लिए रहने दीजिए। आपका नन्हा अपनी कल्पनाओं को उतारने के लिए हमेशा उत्सुक रहता है तो क्यों न थोड़ी जगह उसके लिए छोड़ दी जाए।

टैरेस गार्डेन

मौसम के बदलते मिजाज से चारों तरफ धुला-धुला व खुशनुमा माहौल छा गया है। यही मौका है, जब आप अपने लॉन को नए-नए पौधों व फूलों से सजा-संवार सकते हैं। अपार्टमेंट कल्चर में संभव नहीं है कि हर कोई ग्राउंड गार्डेन मेंटेन कर सके, लेकिन आप अपना शौक टेरेस गार्डेन से पूरा कर सकते हैं। बाल्कोनी भी अच्छा ऑप्शन है। आप अपने टेरेस में तरह-तरह के गमलों में मनचाहे फूल-पौधे लगाकर यह शौक पूरा कर सकते हैं। धूप की तेजी में आई नरमी और बरखा की दस्तक से अब ऐसा होना मुश्किल भी नहीं है। मार्केट में तरह-तरह के शेप, साइज व डिजाइन के गमले मौजूद हैं। हैंगिंग गमलों की भी कई डिजाइन मार्केट में है। इन खूबसूरत हैंगिंग गमलों से आप बाल्कोनी व टेरेस को कोमल बेलों व सुन्दर फूलों से सजा सकते हैं।

टैरेस गार्डेन को सजाने से पहले कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है, ताकि आपकी गार्डनिंग का शौक व मेहनत सच्चा रंग व खुशबू बिखेरें।

- इस मौसम में लगाने वाले प्लांट्स की जानकारी नर्सरी से लेकर की प्लांटिंग करें।
- फ्लॉवर प्लांट्स में गेंदे की दो किस्में— मेरी गोल्ड व इन्का इस मौसम में काफी खुशनुमा खिलते हैं।
- गुलमेंहदी, कार्नेशन, गुलदाऊदी, राजनिया, पेंजी, सनानेनिया आदि किस्में इस मौसम में लगायी जा सकती हैं।
- खर-पतवार ज्यादा व जल्दी निकलते रहें, ताकि पौधों को सही बढ़त मिले।
- शो प्लांट के लिए नीम-सरसों खली, हड्डी व डीएपी खाद चारों का मिश्रण सही रहता है।
- नया पौधा लगाने के एक दिन बाद ही पानी दें।
- जब गमले की मिट्टी चिकनी होने लगे, तब गुड़ाई कर दें।
- हैंगिंग गमले में मिट्टी की सेटिंग करने में सबसे पहले मौस ग्रास, नेट, खाद-मिट्टी पौधा फिर ऊपर से मौस ग्रास लगाएं। मौस ग्रास के कारण कम पानी ही पर्याप्त होता है और वाटर लीकेज भी नहीं होता।
- बारिश की फुहारें ही पौधों को साफ- सुथरा कर देती हैं, लेकिन पौधों को कभी-कभी वाटर स्प्रे से क्लीन करते रहना चाहिए।
- बाल्कोनी व टैरेस में लगी बेलें हरा-भरा माहौल बनाती हैं। पर्दा बेल ब्यूटी के साथ शेडों का काम भी करती हैं।
- गमलों के नीचे ट्रे लगा दें, ताकि लीकेज वाटर बाल्कोनी को गंदा ना करे। ट्रे को समय-समय पर साफ करते रहें।

सफाई रसोईघर की

तंदुरूस्ती के लिए सफाई उतनी ही जरूरी है जितना जीने के लिए खाना। बात जब खाने की हो तो सबसे पहले ध्यान रसोईघर की ओर जाना स्वाभाविक ही है। घर की व्यवस्था को ठीक ढंग से चलाने में रसोईघर की भूमिका अहम होती है। अगर रसोईघर ही साफ-सुथरा व व्यवस्थित न हो तो वहां तैयार होने वाला भोजन कैसे साफ-सुथरा रह सकता है।

रसोईघर की सफाई के लिए महत्वपूर्ण बातों में सर्वप्रमुख सफाई के लिए आवश्यक सामानों जैसे कूड़ादाम, झाड़ू, विम पाऊडर, साबुन, नाइलोन का ब्रश, नारियल का कूचा और साफ कपड़ा रसोईघर में बराबर उपलब्ध होना आवश्यक है। प्राय: यह देखा जाता है कि गृहिणी खाना पकाने की अपनी जिम्मेदारी तो पूरा कर लेती है लेकिन रसोईघर का सामान अव्यवस्थित पड़ा रहत है अत: रसोईघर में सफाई एवं सामान व्यवस्थित करने की आदत का होना अति आवश्यक है। रसोईघर के आवश्यक सामानों को जब बाजार से खरीदकर लाएं तो संबंधित जार या बर्तन को भली-भांति साफ कर ही उसमें रखें। रसोईघर में अगर जगह कम हो तो बर्तन रखने के लिए दीवार में स्टैंड लगवा लें। इससे बर्तन रखने में काफी सुविधा होगी। अन्य वस्तुओं को भी क्रम से डिब्बे या शीशे के पात्र में सजाकर रखें। रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएं सुनिश्चित स्थान पर ही रखनी चाहिएं जैसे चाकू, कैंची, चिमटा, माचिस, लाइटर, मोमबत्ती इत्यादि।

रसोईघर के एक कोने में बंद कूड़ेदान का होना भी नितान्त आवश्यक है। खाना बनाने की प्रक्रिया में जो भी कचरा-छिलका आदि हो उसे कूड़ेदान में डालते जाएं। खाना बनाने के उपरांत कूडेदान के कचरे को यथाशीघ्र बाहर उचित स्थान पर डालें अन्यथा उसमें कीटाणु पैदा हो जाएंगे। रसोईघर में पानी की टंकी या नल भी लगा होना चाहिए ताकि बार-बार पानी लाने के लिए रसोई से बाहर न जाना पड़े।

रसोईघर में ढीले-ढाले व फैलावदार वस्त्र पहनकर काम नहीं करना चाहिए। नाइलोन या टैरीलीन की साड़ी पहनकर खाना कभी न बनाएं और न ही शाल या चादर ओढ़कर खाना बनाना चाहिए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-1-4-6

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-2-4-6

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

अपने संघर्ष में स्वयं के आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। शुभांक-2-5-6

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-5-7

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-6-7

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-8

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

शांतिपूर्वक नित्य कार्य करें। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-1-5-9

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-2-5-7

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-3-7-9

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-7-9

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 1920

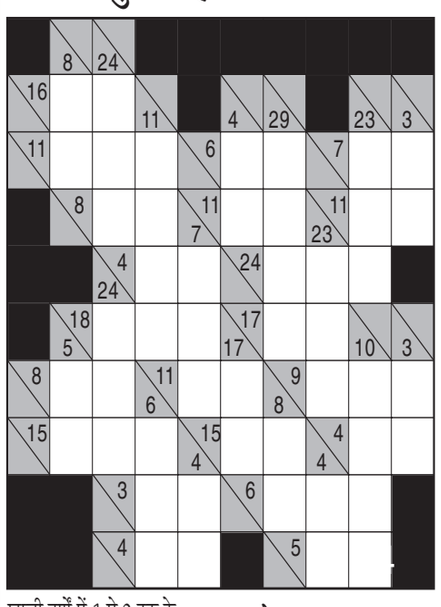

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

काकुरो - 1919 का हल

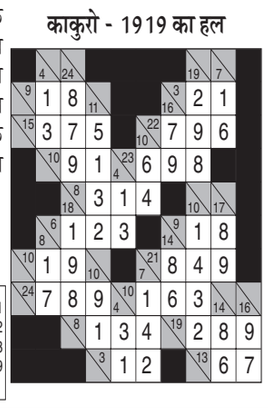

हंसी के फव्वारें

राज (हरीश से), ''सुनाओ दोस्त क्या हाल है?''

हरीश, ''बहुत बुरा हाल है. सब साथ छोड़ गए है एक बीवी थी वह भी कटी पतंग की तरह आसमान में कहीं उड़ती फिरती है, तुम अपना हाल सुनाओ.''

राज,''मैं तो बड़े मजे में हूं. आजकल कटी पतंगें लूटना ही मेरा काम है, आराम से गुजर रही है.''

□ □ □

एक मशहूर क्रिकेटर का विवाह हुआ. विवाह के कुछ दिन उपरांत वह अपनी ससुराल गया तो उलकी साली शोखी से बोली, ''जीजा जी, दीदी कैसी लगी?''

क्रिकेटर बड़ी गंभीर आवाज में बोला, ''मीडियम फास्ट.''

□ □ □

विजय लक्ष्मी (शारदा से), ''मेरी बेटी का संगीत अभ्यास मेरे लिए बहुत भाग्यशाली साबित हुआ?'' शारदा, ''वह कैसे.''

विजय लक्ष्मी, ''मेरा पड़ोसी इसी कारण अपना मकान आधे दामों पर बेच गया और मैंने खरीद लिया.''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 1920

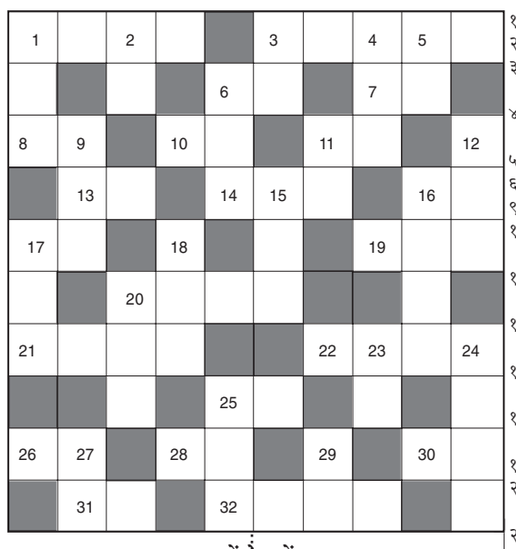

बायें से दायें:-

१. शाहरूख, जूही की 'चाँद तारे तोड़ लाऊँ' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'इस दीवाने लड़के' गीत वाली नसीर, आमिर, सोनाली की फिल्म-५
६. गोविंदा, नीलम की 'मैं तो हूँ सबका मेरा ना कोई' गीत वाली फिल्म-२
७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. 'वाटर' के निर्देशिका कौन हैं-२
१०. अमिताभ, फरदीन खान, करीना कपूर की फिल्म-२
११. श्रेयस तलपदे, आयशा की 'ये हौसला कैसे झुके' गीत वाली फिल्म-२
१३. अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-२
१४. प्रदीपकुमार, कल्पना की 'जिस दिल में बसा था प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मुझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो मारिया, बिपाशा की फिल्म-२
१७. अमिताभ, अजय, ऐश्वर्या की 'दिल डूबा नीली' गीत वाली फिल्म-२
१९. फिल्म 'कुछ कुछ होता है' में काजोल के किरदार का नाम था-३
२०. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की फिल्म-४
२१. 'दुनिया ने सुन ली है चुपके से' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा की फिल्म-४
२२. जीतेंद्र, नीतूसिंह की 'कोई रोको ना दीवाने को' गीत वाली फिल्म-४
२५.अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२६. राजेश खन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना गुमान' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
३०. 'ऐ लो प्यार के दिन' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना की फिल्म-२
३१. संजय, कुमार गौरव, पूनम 'अमीरों की शाम गरीबों' गीतवाली फिल्म-२
३२. 'फिर से आये बदरा' गीत वाली संजीव, शर्मिला, वहीदा की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-३
२. 'मैं शायर तो नही' गीत वाली फिल्म-२
३. 'तू मेरे पास भी' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज बाजपेयी, उर्मिला की फिल्म-२
४. अमिताभ बच्चन, संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
५. अरविंद स्वामी, मधु की फिल्म-२
६. 'तेरी गलियों में ना' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेंद्र कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, बबीता की 'दांतों तले दबा कर होंठ' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'अंबर हमारा रास्ता' गीत वाली अरूण, रघुवरन, बेबी शामली, श्रुति की फिल्म-३
१५. कमल हासन, शाहरूख, रानी की 'चाहे पंडित हो' गीत वाली फिल्म-१,२
१६. 'मेरे संग संग आया' गीत वाली धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, विनोद, हेमा की फिल्म-४
१७. शॉवरअली, ब्रजेश हीरजी, जूही, शिल्पा की 'मेरा मन भँवरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. प्रेमनाथ, बीना राय की फिल्म-३
२०. राजेश, फिरोजखान, शार्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२,२
२५. 'सावन का महीना पवन करे' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मुझ से दोस्ती करोगे' में करीना कपूर के किरदार का नाम क्या था-२
२९. 'तेरी याद बिछा के सोता हूँ' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1919

क्रि	मि	न	ल		प	र	व	रि	श
श		ती		डो	र		र		मा
	अ	जा	म		दे	व	दा	स	
का	श		ह	व	स		न	म	क
ला		ला	ल	च		अ		झी	
पा	य	ल		न	सी	म		ता	ल
नी		कि	ला		आ	ला	प		ड़
	त	ला	श		ई		रि	ह्म	ई
तु	म			मं	डी		णी		
	ना		रा	जू		गी	ता	बा	ली

सूडोकु -1920

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1919 का हल

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7

शब्द पहेली - 1920

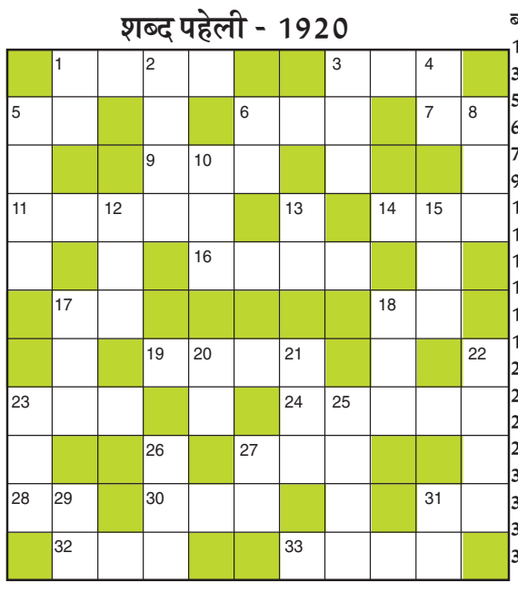

बाएँ से दाएँ

1.असभ्यता,मूर्खता-4
3.निर्भय,बहादुर-3
5.प्याला-2
6.सहारा,शरण-3
7.मां का भाई-2
9.साठ वर्ष की अवधि-3
11.परतंत्रता,गुलामी-5
14.दानव,दैत्य-3
16.लूटपाट-4
17.वाद्य यंत्र-2
18.परछाई,छाया-2
19.आदत,स्वभाव(उर्दू-4)
23.जंगल,वन-3
24.सेंधमार-5
27.गजल लिखने वाला-3
28.मोटा आटा,सूजी-2
30.गुलिस्तां,बाग-3
31.एक ग्रह,शनिश्चर-2
32.दबाना,कुचलना-3
33.रोब वाला, ठसके वाला-4

ऊपर से नीचे

1.मंत्रों का पाठ-2
2.उद्देश्यहीन-4
3.अनूठा,अनोखा-3
4.लक्ष्मी,कमला-2
5.खोजना,रोना-4
6.एक पौधा,अकुवा, आकड़ा-2
8.दक्ष,होशियार-3
10.जमीकंद,एक सब्जी-3
12.धैर्य,संयम-3
13.अस्थमा-2
15.एक गायिका-3
17.वर्षा ऋतु-3
18.महोदय-3
20.पैंदा,तला-2
21.पुत्र,बेटा-3
22.अवमानना-4
23.नास्तिक (उर्दू-3)
25.करामात-4
26.प्रतिज्ञा-3
27.ठाठ-बाट-2
29.अदालत में प्रस्तुत दावा-2
31.तीर,बाण-2

शब्द पहेली -1919 का हल

	अ	स	ह	यो	ग		अ	दा	व	त
र	क्स		रा		ग	रु	ड़		न	र
ख		स	ना	त	न		ना	म		क
र	फ्ता	र			चुं	गी		त	म	स
खा		मा		चा	बी		सी		ही	
व	ल	या	का	र		प	रा	या	प	न
	क		या		का	ल		द		क
द	वा	त		भ	ला			गा	य	ब
र		र	ज		बा	जी	ग	र		ज
क	र		ल	ह	जा		र्ज		खा	न
ना	जा	य	ज		र	घु	ना	य	क	

प्रधानमंत्री ने अहमदाबाद अंतरराष्ट्रीय पुष्प प्रदर्शनी की झलकियां साझा कीं

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अहमदाबाद अंतरराष्ट्रीय पुष्प प्रदर्शनी की झलकियां साझा कीं। मोदी ने कहा कि इस शो से उनका गहरा लगाव है, क्योंकि मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान इसे बढ़ते देखा है। इस तरह के शो प्रकृति की सुंदरता का जश्न मनाते हैं और स्थिरता के बारे में जागरुकता को प्रेरित करते हैं। प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट में कहा, अहमदाबाद अंतरराष्ट्रीय पुष्प प्रदर्शनी की कुछ झलकियां यहां दी गई हैं। इस शो से मेरा गहरा लगाव है, क्योंकि मैंने मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान इसे बढ़ते देखा है। इस तरह के शो प्रकृति की सुंदरता का जश्न मनाते हैं और स्थिरता के बारे में जागरुकता को प्रेरित करते हैं। वे स्थानीय किसानों, बागवानों और उत्साही लोगों को अपनी रचनात्मकता दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं।एक अन्य पोस्ट में तस्वीरें साझा करते हुए उन्होंने लिखा, अहमदाबाद अंतरराष्ट्रीय पुष्प प्रदर्शनी की कुछ और झलकियां...।उल्लेखनीय है कि गुजरात के साबरमती रिवरफ्रंट पर अहमदाबाद इंटरनेशनल फ्लावर शो 2025 चल रहा है। यह पुष्प प्रदर्शनी आगामी 22 जनवरी तक आगंतुकों के लिए खुली रहेगी।

मप्र के सिंगरौली में सेप्टिक टैंक में मिले चार लोगों के शव, पुलिस ने जताई हत्या की आशंका

सिंगरौली। मध्य प्रदेश के सिंगरौली जिले में बरगवां थाना क्षेत्र अंतर्गत एक मकान के पीछे स्थित सेप्टिक टैंक में चार लोगों के शव मिले हैं। इसकी सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने हत्या कर शव फेंके जाने की आशंका जताई है। घटनास्थल पर एफएसएल की टीम पहुंची और जांच शुरू कर दी । शव क्षत-विक्षत हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। फिलहाल शवों की पहचान नहीं हो सकी है बरगवा थाना क्षेत्र के हिंडाल्को गेट नंबर-3 के पास आज दोपहर में एक मकान के पीछे बने सेप्टिक टैंक से बदबू आने के बाद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। जब पुलिस ने जांच की तो उसमें से चार लोगों का शव मिले। पुलिस का प्राथमिक अनुमान है कि यह हत्या का मामला हो सकता है। घटनास्थल पर जांच टीम के साथ भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों की जांच कर रही है और मामले की तह तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है। बरगवां थाना प्रभारी शिवपूजन मिश्रा ने बताया कि हिंडालको प्लांट के गेट नंबर-3 के पास बड़ोखर गांव में हरिप्रसाद प्रजापति के मकान के पीछे बने सेफ्टी टैंक से दुर्गंध आने की शिकायत मिली थी।

वरिष्ठ आईपीएस अक्षय सचदेवा सिक्किम के नए डीजीपी

गंगटोक। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी अक्षय सचदेवा को सिक्किम का नया पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त किया गया है। 1991 बैच के आईपीएस अधिकारी अक्षय सचदेवा इससे पहले विशेष डीजीपी, कानून एवं व्यवस्था के पद पर कार्यरत थे और अब वे निवर्तमान डीजीपी एके सिंह का स्थान लेंगे। मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, आईपीएस अक्षय सचदेवा को सिक्किम के पुलिस महानिदेशक के रूप में पदोन्नति पर हार्दिक बधाई। उन्होंने कहा, सार्वजनिक सेवा के प्रति उनका समर्पण सिक्किम को और अधिक प्रगति की ओर ले जाने की उनकी क्षमता में विश्वास जगाता है। मैं इस महत्वपूर्ण भूमिका में उनकी सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं देता हूं। मुख्यमंत्री ने कहा, मैं इस अवसर पर निवर्तमान डीजीपी एके सिंह के प्रति उनकी उत्कृष्ट और समर्पित सेवा के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं। सिक्किम के कल्याण में उनके अमूल्य योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। मैं उनके सुखद, स्वस्थ और संपूर्ण सेवानिवृत्त जीवन की कामना करता हूं। इससे पहले मुख्यमंत्री तमांग ने ताशीडिंग (लासो) स्थित पूर्व मंत्री थुटोप भूटिया के आवास का दौरा किया और दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इसरो ने अंतरिक्ष में फसल उगाने जैसी तकनीक पर पायी सफलता

चेन्नई। अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अंतरिक्ष में फसल उगाने और रोबोटिक वॉक जैसी तकनीकों पर सफलता पायी है। दोनों ही वैज्ञानिक प्रयोगों का उपयोग करके 31 दिसंबर, 2024 को स्पैडेक्स अंतरिक्ष डॉकिंग प्रौद्योगिकी मिशन के हिस्से के रूप में पीएसएलवी-सी 60 पर पीओईएम -4 के भाग के रूप में लॉन्च किया गया। इसरो ने कहा कि पीओईएम-4 पर चलने वाले रोबोटिक हाथ का प्रदर्शन अंतरिक्ष रोबोटिक्स में मेक इन इंडिया का एक गौरवपूर्ण मील का पत्थर है। एजेंसी ने कहा कि वैज्ञानिक प्रयोग क्रॉप्स का उपयोग करते हुए, इसरो ने फसलों की खेती करके नई अंतरिक्ष जीव विज्ञान तकनीक का अनावरण किया। पीएसएलवी-सी 60 चौथे चरण पर पीओईएम-4 के हिस्से के रूप में भेजे गये 24 वैज्ञानिक प्रयोगों में से एक का उपयोग करते हुये, लोबिया के बीज रिकॉर्ड चार दिनों में अंकुरित हुए और जल्द ही पत्तियाँ आने की उम्मीद है। इस प्रयोग का उद्देश्य, यह समझना था कि शून्य गुरुत्वाकर्षण में पौधे कैसे उगते हैं और उनका विकास किस प्रकार होता है। इससे अंतरिक्ष में दीर्घकालिक मिशनों के लिए आत्मनिर्भरता बढ़ सकती है, जैसे कि मंगल या चांद पर मानव बस्तियाँ स्थापित करना।

ईआरसीपी से राजस्थान की 40 प्रतिशत आबादी होगी लाभान्वित- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

एजेंसी

डूंगरपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में जल उपलब्धता बढ़ाने के लिए राज्य सरकार के एक वर्ष के कार्यकाल में अभूतपूर्व कार्य किए गए हैं। प्रदेश की 40 प्रतिशत आबादी को ईआरसीपी-पीकेसी लिंक परियोजना से पेयजल एवं सिंचाई के लिए जल मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि शेखावाटी क्षेत्र में यमुना जल लाने के लिए एमओयू किया गया है। उदयपुर में देवास योजना के माध्यम से जल उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। साथ ही, माही बांध से बांसवाड़ा-डूंगरपुर को पेयजल एवं सिंचाई के लिए योजना प्रारंभ की गई है। शर्मा डूंगरपुर के खड़गदा में नदियों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु आयोजित श्रीरामकथा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर जन भागीदारी से

जल संचय का अभियान शुरू किया गया है। प्रदेश के 40 हजार गांवों में जल संचय के कार्य किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि खड़गदा एवं आस-पास के क्षेत्र के ग्रामीणों ने 9 महीने की कड़ी मेहनत और दृढ़संकल्प से एक किलोमीटर के दायरे में मोरन नदी को चौड़ा और गहरा कर जल की उपलब्धता बढ़ाकर अभूतपूर्व कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि सभी को मिलकर गांवों में उपलब्ध पेयजल के पारंपरिक स्रोतों कुएं, तालाब, बावड़ी, नदी आदि के संरक्षण के लिए सहभागिता से काम करना चाहिए, ताकि हम इस पीढ़ी और आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करा सकें। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से खड़गदा वासियों ने प्रदेश को यह संदेश दिया है कि स्थानीय पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण किया जाना बहुत आवश्यक है। शर्मा ने कहा कि पिछले साल जनवरी में 500 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद भगवान श्रीराम अयोध्या के भव्य मंदिर में विराजमान हुए। उन्होंने कहा कि जिस तरह भगवान श्रीराम ने सत्य की जीत के लिए समुद्र पर सेतु बनाकर एक छोर को दूसरे छोर से जोड़ने का काम किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आम आदमी को पानी उपलब्ध कराने के लिए नदियों को जोड़ने का काम कर रहे हैं।

कट्टरपंथी अमृतपाल की पार्टी का नाम होगा अकाली दल आनंदपुर साहिब

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब की राजनीति में एक नया दल शामिल होने जा रहा है। इस दल की अगुवाई दो मौजूदा सांसद करेंगे। असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद कट्टरपंथी सांसद अमृतपाल ने माघी के अवसर पर नए राजनीतिक दल के गठन का ऐलान किया है।

अमृतपाल के साथी सांसद सरबजीत सिंह खालसा ने ऐलान किया कि उनकी नई पार्टी का नाम शिरोमणि अकाली दल आनंदपुर साहिब होगा, जिसकी औपचारिक घोषणा 14 जनवरी को मुक्तसर के माघी मेले में होने वाले पंथ बचाओ-पंजाब बचाओ कॉन्फ्रेंस में की जाएगी। फरीदकोट जिले के कोटकपूरा में गुरुद्वारा पातशाही दसवीं में पहुंचे फरीदकोट से सांसद सरबजीत सिंह खालसा ने माघी मेले पर आयोजित होने वाली कॉन्फ्रेंस की तैयारी को लेकर कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ बैठक कर विचार विमर्श किया और सभी को नई पार्टी में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। बैठक के बाद खालसा ने नई पार्टी की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पार्टी में राज्यभर से पंथ दर्दी और अच्छे चरित्र वाले लोग शामिल होंगे, जो पंजाब को बचाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी राज्यों द्वारा अधिक अधिकारों की राजनीतिक तौर पर लड़ाई लड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पंजाब को बचाने के लिए एक नई राजनीतिक पार्टी का गठन जरूरी हो चुका है और खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह खालसा और उनके परिवार के सहयोग से इस नई पार्टी के जरिए पंजाब को बचाने का प्रयास किया जाएगा।

महाकुंभ में श्रद्धालुओं को मिलेगी सात चक्रीय सुरक्षा व्यवस्था : डीजीपी प्रशांत कुमार

एजेंसी

महाकुंभ नगर। धर्म और आस्था की संगम नगरी में महाकुंभ 2025 का आगाज होने जा रहा है। मेले की सुरक्षा व्यवस्था की लगातार शासन और प्रशासन स्तर पर निगरानी की जा रही है। महाकुंभ में पहुंचे डीजीपी प्रशांत कुमार ने मेले का निरीक्षण कर आलाधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। प्रशांत कुमार ने मीडिया से बात करते हुए कहा, आज शासन के निर्देश पर मेरे और गृह सचिव के द्वारा यहां सभी तैयारी का जायजा लिया गया। पिछले कुछ महीने से महाकुंभ की तैयारी शासन और जिला स्तर पर युद्ध स्तर की जा रही है। आज 4 तारीख हो गई और प्रथम मुख्य स्नान 13 जनवरी को संपन्न होगा उसके बाद से अन्य स्नान होंगे, जिसमें से तीन शाही स्नान होंगे। हम लोगों ने पाया की इंफ्रास्ट्रक्चर, उपकरण और मैनपावर में काफी अच्छा समन्वय है। अधिकारी इन चीज़ों को लागू कर रहे हैं। वह पूरी तरीके से कॉन्फिडेंट भी है और हमारी तैयारी भी पूर्ण हो चुकी है। इसको और कैसे बेहतर बनाया जाए, इसके बारे में हम प्रयास कर रहे हैं। ट्रैफिक नियमन के संबंध में नए

उपकरण आने थे, फायर कंट्रोल के बारे में जो नए उपकरण आने थे, इस वर्ष शासन ने अन्य चीज़ों के अतिरिक्त आपदा प्रबंधन, फायर सेफ्टी तथा ट्रैफिक के लिए विशेष प्रबंध विशेष फंड जारी किए थे, ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की यहां कोई कठिनाई न हो। यह सभी इक्विपमेंट्स आ चुके हैं। उन्होंने आगे कहा कि सुरक्षा के विशेष इंतजाम हैं। ड्रोन भी काफी संख्या में हैं। पिछले कुंभ के मुकाबले हम लोगों ने घाट की संख्या तथा घाटों की क्षमता भी बढ़ाई है। श्रद्धालु स्नान करें और फिर एक निर्धारित रूट के साथ वहां से चले जाएं। रेलवे के साथ भी बहुत अच्छा हमारा समन्वय है और हम मुख्य स्नान के दिन थल, जल और नभ तीनों तरीके से सुरक्षा की व्यवस्था प्रत्येक श्रद्धालुओं को सुनिश्चित कराएंगे। महाकुंभ में पूरी दुनिया से सबसे अधिक संख्या में लोग इन दिनों के अंदर आएंगे। लगभग चालीस से पचास करोड़ की जनता और श्रद्धालु यहां लोग आएंगे, विदेशियों के भी आने की बहुत सारी संभावनाएं हैं।

जनहित की बजाय जन-हिट की पत्रकारिता देश के लिए घातक : अनुराग सिंह ठाकुर

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने जन हित के बजाय जन-हिट की पत्रकारिता को देश के लिए घातक बताया है। ठाकुर का कहना है कि सच्ची और अच्छी पत्रकारिता वही है जो आम जन को राष्ट्र के हित में हमेशा जागरूक रखे, लेकिन ऐसे विषयों पर सावधानी अवश्य रखे जिससे देश की छवि धूमिल होती हो। हिन्दी पाक्षिक युगवार्ता के विस्तार की नवीन योजना का शुभारंभ करते हुए पत्रकारिता के क्षेत्र से यह अपेक्षा की कि वह राष्ट्रीय चेतना का संचार करने और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने का काम करता रहेगा।

नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री ठाकुर ने कहा कि देश इस समय चौतरफा तरक्की की राह पर है। आर्थिक रूप से भारत पिछले 10 वर्षों में दुनिया की दसवीं अर्थव्यवस्था से पांचवीं अर्थव्यवस्था बन गया है और तेजी से तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है। कोरोना महामारी के समय भी भारत की तरक्की रूकी

नहीं पर इंफोडेमिक के माध्यम से विश्व के मंचों पर भारत की दुर्दशा दिखाने की कोशिश की गई। मीडिया में व्याप्त कांग्रेसी-कम्युनिष्ट तंत्र का इको सिस्टम राष्ट्रहित की बजाय राष्ट्र-हिट अर्थात मोदी विरोध के चलते राष्ट्र को ही हानि पहुंचाने की कोशिश करता है। ऐसे में युगवार्ता सरीखी निष्पक्ष पत्रिका और पत्रकारिता के क्षेत्र में ईमानदारी से कार्य करने वालों का यह दायित्व है कि वह देश और उसकी सनातन की रक्षा करने में अपनी भूमिका को और प्रभावी बनाएं हिन्दी के जाने-माने पत्रकार और हिन्दुस्थान समाचार के समूह सम्पादक रामबहादुर राय ने कहा कि वर्तमान दौर में निष्पक्ष पत्रकारिता की बात अप्रासंगिक होती जा रही है। हां, राजनीतिक पत्रकारिता करते हुए यह ध्यान रखना चाहिए कि वह प्रामाणिक पक्षधरिता पर आधारित हो। जरूरी यह है कि तथ्यों और तर्कों के साथ अपनी बात को विनम्रता से प्रस्तुत करें और जिस पक्ष से आप सहमत न हों उसके प्रति भी शालीन रहें और अशोभनीय विरोध न करें। युगवार्ता की अब तक की यात्रा और विस्तार की योजना की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनावों से पूर्व इसका होना बहुत उचित समय है। युगवार्ता की यह जिम्मेदारी होगी कि वह अपने विचार को तथ्यों और तर्कों को प्रमाणों की कसौटी पर कसकर लोगों को विचार करने के लिए प्रेरित करे।

मोबाइल का विवेक पूर्ण उपयोग और आनंद पूर्वक करना चाहिए: मोहन भागवत

एजेंसी

खंडवा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत मध्य प्रदेश के प्रवास के दूसरे दिन प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान ओंकारेश्वर की नगरी में पहुंचे और यहां संघ की कुटुम्ब प्रबोधन गतिविधि की अखिल भारतीय बैठक में शामिल हुए। सरसंघचालक डॉ. भागवत ने समर्थ कुटुम्ब व्यवस्था पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मोबाइल का विवेक पूर्ण उपयोग करना चाहिए। घर में सभी सदस्यों को मोबाइल अलग रख कर आनंद पूर्वक चर्चा करना चाहिए।ओंकारेश्वर के खेड़ीघाट में सरसंघचालक डॉ. भागवत की उपस्थिति में कुटुम्ब प्रबोधन गतिविधि की अखिल भारतीय बैठक का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन सत्र में डॉ. भागवत ने समर्थ कुटुम्ब व्यवस्था पर चर्चा की। इसमें देश के अलग-अलग प्रांतों से आए कुटुम्ब प्रबोधन संयोजकों ने अपने क्षेत्र में होने वाले कुटुम्ब प्रबोधन गतिविधि से हुए परिवर्तन पर

विचार व्यक्त किए। बैठक में मोबाइल पार्किंग पर भी बातचीत हुई। इस विषय को लेकर कुटुम्ब मित्र अपने-अपने क्षेत्र के परिवारों तक जाकर चर्चा करेंगे। गौरतलब है कि सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत मध्य प्रदेश के तीन दिवसीय प्रवास पर शुक्रवार को इंदौर पहुंचे थे। वे यहां शाम को संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित घोष वादन-स्वर शतकम कार्यक्रम में शामिल हुए। ओंकारेश्वर में राजराजेश्वरी सेवा न्यास खेड़ीघाट के सौजन्य से 3 जनवरी से शुरू हुई कुटुम्ब प्रबोधन गतिविधि की बैठक पांच जनवरी तक चलेगी। इसके बाद सरसंघचालक शुक्रवार की रात ही इंदौर से ओंकारेश्वर पहुंच गए थे। सरसंघचालक डॉ. भागवत का ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग दर्शन कार्यक्रम भी प्रस्तावित था। उन्हें शनिवार सुबह 6 बजे दर्शन के लिए जाना था, लेकिन प्रोटोकॉल नहीं मिलने के वजह से वे मंदिर नहीं पहुंचे। वे रविवार सुबह 8 बजे से 10 बजे के बीच मां नर्मदा आरती के लिए घाट पर पहुंचेंगे। डॉ. भागवत के दौरे के बीच तीर्थ नगरी के साथ-साथ मंदिर परिसर और ओंकारेश्वर बांध क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सुरक्षा कमांडों के अलावा स्थानीय जवानों की अलग से तैनाती की गई है। कुटुम्ब प्रबोधन गतिविधि की बैठक में रविवार को ओंकारेश्वर के श्री मार्कण्डेय आश्रम परिसर भारत माता पूजन एवं कुटुम्ब प्रबोधन उद्बोधन होगा। वहीं, कुटुम्ब प्रबोधन गतिविधि के तहत पूरे भारत में 12 से 26 जनवरी को कुटुम्ब मित्रों अपने घर-परिवार में भारत माता की पूजा करेंगे।

गुजरात के कच्छ में 3.8 तीव्रता का भूकंप

एजेंसी

भुज। गुजरात के कच्छ में आज 4:37 बजे तीव्र भूकंप झटके अनुभव किया गया। भूकंप का केन्द्र कच्छ के दुधई के समीप बताया गया है। इंस्टीट्यूट ऑफ सिस्मिक रिसर्च (आईएसआर) की ओर से यह जानकारी दी गई है। इंस्टीट्यूट ऑफ सिस्मिक रिसर्च के अनुसार शनिवार शाम 4:37 बजे गुजरात के कच्छ जिले में 3.8 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। कच्छ के दुधई के समीप नवलखा रण में जमीन से 25 किलोमीटर नीचे इसका केन्द्र दर्ज किया गया। यह स्थल कच्छ के दुधई से उत्तर-पश्चिम करीब 28 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। प्रशासनिक जानकारी के अनुसार भूकंप से किसी तरह के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। इंस्टीट्यूट ऑफ सिस्मिक रिसर्च के डाटा के अनुसार पिछले एक सप्ताह में गुजरात में यह चौथा भूकंप का झटका आया है। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व 3 जनवरी को शाम 6.10 बजे सौराष्ट्र के दक्षिण-पूर्व में 3 किलोमीटर दूर भूकंप आया था। इसकी तीव्रता 2.5 थी। इसी दिन दूसरा भूकंप शाम 4.16 बजे कच्छ के रापर से 24 किलोमीटर दूर पश्चिम-उत्तर में था। इसकी तीव्रता 2.8 थी। इसके अलावा 1 जनवरी को सुबह और शाम भूकंप आया। सुबह 10.24 बजे आए भूकंप का केन्द्र कच्छ के भचाउ से 23 किलोमीटर उत्तर पूर्व था, जिसकी तीव्रता 3.2 थी। शाम 8.39 बजे आए भूकंप की तीव्रता 2.6 थी, जिसका केन्द्र तालाला से 15 किलोमीटर उत्तर-उत्तरपूर्व था। इसके अलावा 29 दिसंबर 2024 को कच्छ जिले में 3.2 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसका केन्द्र कच्छ के भचाउ से 18 किलोमीटर उत्तर-उत्तरपूर्व था।

छत्तीसगढ़ के पत्रकार मुकेश की हत्या के तीन आरोपित गिरफ्तार, 11 सदस्यीय एसआईटी करेगी मामले की जांच : बस्तर आईजी

एजेंसी

बीजापुर। पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या के मामले में पुलिस ने तीन आरोपितों की गिरफ्तार कर लिया है। इसकी मामले की पूरी जांच के लिए 11 सदस्यीय एसआईटी का गठन किया गया है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने आज पत्रकारों से बातचीत में बताया कि पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या के तीन आरोपितों की गिरफ्तारी कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि हत्या की पूरी जांच के लिए 11 सदस्यीय एसआईटी को मामला सौंपा गया है। बस्तर आईजी ने बताया कि पत्रकार स्व. मुकेश चन्द्रकार के हत्या के प्रकरण में जिला बीजापुर के कोतवाली थाना में पंजीबद्ध अपराध क्रमांक 1/2025 की अग्रिम विवेचना के लिए मयंक गुर्जर, अति.पुलिस अधीक्षक,

बीजापुर के नेतृत्व में 11 सदस्यीय एसआईटी टीम गठित की गई है। प्रकरण के फरार आरोपित ठेकेदार सुरेश चन्द्रकार की गिरफ्तारी के लिए पृथक से 4 पुलिस टीम उनके संभावित स्थानों पर घेराबंदी के लिए रवाना किया गया है। बस्तर आईजी ने बताया कि एक जनवरी की रात लगभग 8.30 बजे से मुकेश चंद्राकर के अपने घर से लापता होने के बावत उनके बड़े भाई युकेश चंद्राकर ने थाना कोतवाली बीजापुर में 2 जनवरी के रात्रि 7.30 बजे सूचना दी। इस पर तत्काल थाना कोतवाली बीजापुर में अज्ञात क्रमांक 01/2025 दर्ज कर जांच में लिया गया। पुलिस अधीक्षक बीजापुर द्वारा पत्रकार मुकेश चंद्राकर पिता स्व. चेन्ना चंद्राकर उम्र 32 वर्ष निवासी बासागुड़ा हाल पुजारीपारा बीजापुर के लापता होने की सूचना मिलने पर तत्काल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक युलैंडन यार्क के नेतृत्व में थाना प्रभारी कोतवाली बीजापुर निरीक्षक दुर्गेश शर्मा समेत अन्य अधिकारियों की 3 टीम का गठन कर अज्ञात के पतासाजी की गई। सुरेश चंद्राकर के बाड़े में स्थित घटनास्थल में सेप्टिक टैंक से मृतक मुकेश चंद्राकर के शव बरामद होने के बाद तीन आरोपितों रितेश चंद्राकर, दिनेश चन्द्रकार एवं महेन्द्र रामटेके को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया गया और उनसे अग्रिम पूछताछ की जा रही है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने बताया कि पत्रकार स्व. मुकेश चंद्राकर की हत्या के प्रकरण में शामिल किसी भी आरोपित को बख्शा नही जायेगा । जांच के लिए गठित एसआईटी की टीम द्वारा वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर विवेचना कर जल्द से जल्द न्यायालय में अभियोजन के लिए चार्ज रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी। उन्होंने पूरे प्रकरण के संबध में विस्तार से बताते हुए कहा कि जांच के दौरान पत्रकार मुकेश चंद्राकर के रिश्तेदार, मीडिया साथियों से मुकेश चंद्राकर के गुम होने के सबंध में पूछताछ की गयी है।

अतुल सुभाष आत्महत्या मामला : अदालत ने पत्नी निकिता सिंघानिया, उनकी मां और भाई को दी जमानत

एजेंसी

बेंगलुरु। बेंगलुरु के सिटी सिविल कोर्ट ने अतुल सुभाष की पत्नी निकिता सिंघानिया, सास निशा सिंघानिया और साले अनुराग सिंघानिया को जमानत दे दी। अतुल सुभाष ने पिछले महीने अपनी पत्नी और ससुराल वालों पर उत्पीड़न का आरोप लगाकर आत्महत्या कर ली थी। एआई इंजीनियर अतुल सुभाष के वकील पोन्नन्ना ने कहा, हमने अभी तक कोर्ट के आदेश की समीक्षा नहीं की है। जो भी शर्तें लगाई गई हैं, हम उस पर गौर करेंगे। अपीलीय अदालत के समक्ष जाने और इस आदेश के लिए अपील करने का अवसर होता है, हम वह करेंगे। अतुल के दूसरे वकील विनय सिंह ने कहा, अदालत ने उनकी याचिका स्वीकार कर ली है। हमें आगे कोई भी बयान देने से पहले आदेश का विश्लेषण करने की

जरूरत है। यहां कोर्ट की कार्यवाही पर चर्चा करना उचित नहीं है। उनका तर्क तकनीकी आधार पर था, जबकि हमारा तर्क तथ्यात्मक और तकनीकी दोनों पहलुओं पर आधारित था। दरअसल सुभाष की पत्नी और ससुराल वालों को पिछले महीने बेंगलुरु पुलिस ने गिरफ्तार किया था। मृतक के भाई की शिकायत के आधार पर सुभाष की अलग रह रही पत्नी निकिता सिंघानिया, उसकी मां निशा सिंघानिया और भाई अनुराग सिंघानिया के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 108 (आत्महत्या के लिए उकसाना) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस पूछताछ के दौरान निकिता ने दावा किया कि अतुल ही उसे परेशान करता था। उन्होंने मामले में जमानत के लिए बेंगलुरु की सत्र अदालत का दरवाजा खटखटाया था। एक निजी कंपनी में डिप्टी जनरल मैनेजर 34 वर्षीय सुभाष ने 9 दिसंबर को अपने बेंगलुरु अपार्टमेंट में आत्महत्या कर ली थी।

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा में सेना का वाहन खाई में गिरा, चार जवान बलिदान

एजेंसी

बांदीपोरा। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में सेना का एक वाहन खाई में गिर गया। हादसे में चार जवानों का बलिदान हो गया, जबकि दो घायल हैं। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना जिले के एसके पायीन इलाके में हुई। सेना का वाहन सड़क से फिसलकर पास की खाई में गिर गया। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के तुरंत बाद बचाव अभियान शुरू कर दिया गया था। एमएस बांदीपोरा अस्पताल के डॉ. मसरत ने बताया कि दुर्घटना में घायल हुए छह में से पांच सैन्य कर्मियों को अस्पताल लाया गया। उन्होंने बताया कि इनमें से दो को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि तीन गंभीर घायलों को श्रीनगर रेफर किया गया। इस दौरान एक जवान ने रास्ते में दम तोड़ दिया। इसी बीच सूत्रों के अनुसार एक और सैनिक की श्रीनगर के एक अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई है जिससे इस

हादसे में बलिदान हुए सैनिकों की संख्या बढ़कर चार हो गई है।

जौनपुर की अटाला मस्जिद पर अगली सुनवाई 18 फरवरी को : हिंदू पक्ष के अधिवक्ता

एजेंसी

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में अटाला मस्जिद को खाली कराने के मामले में जिला जज के कोर्ट में सुनवाई हुई। इस सुनवाई में हिंदू पक्ष ने मुस्लिम पक्ष की ओर से इस मामले की विश्वसनीयता को चैलेंज करने वाली याचिका पर आपत्ति दर्ज कराई। जिला जज इस मामले की अगली सुनवाई 18 फरवरी को करेंगे। हिंदू पक्ष के अधिवक्ता राम सिंह ने इस मामले में आईएएनएस को तफ्सील से बताया। अधिवक्ता राम सिंह ने कहा, अटाला मस्जिद को मुगल आक्रांताओं ने अपने कब्जे में कर लिया था। उसको खाली करने के लिए स्वराज वाहिनी एसोसिएशन के अध्यक्ष संतोष कुमार मिश्रा ने शहर की अदालत में एक वाद दाखिल किया था। इसमें कानूनी तौर पर मुस्लिम पक्ष की ओर से इस बात की विश्वसनीयता को चैलेंज किया गया था। इसके बाद मुस्लिम पक्ष की इस एप्लीकेशन सिविल जज जूनियर डिवीजन के यहां से 22 अक्टूबर को खारिज कर दी गई थी। इसी को लेकर मुस्लिम पक्ष, जो कि वक्फ बोर्ड

है, उसकी तरफ से जिला जज के यहां एक निगरानी याचिका दाखिल की गई है। उन्होंने कहा, उसमें सुनवाई और आपत्ति के लिए तारीख थी। हमारी तरफ के निगरानी के संबंध में अपनी आपत्ति दर्ज करा दी गई है। हमने लिखित आपत्ति जिला जज के यहां संबंधित पत्रावली में दर्ज करा दी है। इस आपत्ति की कॉपी भी मुस्लिम पक्ष द्वारा रिसीव कर ली गई है। अब मामले की सुनवाई 18 फरवरी को जिला जज के यहां होगी। 18 फरवरी को दोनों पक्ष अपनी-अपनी दलीलें जिला जज के समक्ष रखेंगे। बता दें कि अटाला मस्जिद को खाली करने के लिए स्वराज वाहिनी एसोसिएशन के अध्यक्ष संतोष कुमार मिश्रा ने शहर की अदालत में एक वाद दाखिल किया था। इसके बाद मुस्लिम पक्ष की ओर से इस केस की विश्वसनीयता को चैलेंज किया गया था। मुस्लिम पक्ष की इस एप्लीकेशन को सिविल जज जूनियर डिवीजन ने 22 अक्टूबर को खारिज कर दिया। इस पर मुस्लिम पक्ष(वक्फ बोर्ड) ने जिला जज के यहां एक निगरानी याचिका दाखिल की थी।

बेर के सेवन से पाएं कई सेहत समस्याओं से निजात

'बेर' खास और खट्टा-मीठा फल है। यह फल खाने में जितना अच्छा लगता है, इसके फायदे भी उतने ही होते है। यदि आप ठंड में बेर का सेवन करते हैं तो इस मौसम में होने वाली सेहत समस्या और अन्य कई समस्याओं से निजात भी पा सकते हैं। आइए, जानते हैं बेर फल को खाने से मिलने वाले फायदे -

- यदि आपकी त्वचा पर कट लगा हो या घाव हो जाए तो आप बेर का गूदा घिसकर घाव पर लगा लें। ऐसा करने से घाव जल्दी भरता है।
- बेर का सेवन खुश्की और थकान को दूरने में मदद करता है।
- बेर की पत्तियों में कैल्शियम, फास्फोरस, मैग्नीशियम, पोटेशियम, सोडियम, क्लोरीन, प्रचुर मात्रा में होता है। यदि आप बेर और नीम के पत्ते पीसकर सिर में लगाएं तो इससे सिर के बाल गिरने कम होते हैं।
- बेर का जूस पीने से बुखार और फेफड़े संबंधी रोग ठीक होते है।
- बेर पर नमक और काली मिर्च लगाकर खाने से अपच की समस्या दूर होती है।
- सूखे हुए बेर खाने से कब्ज और पेट संबंधित परेशानियां दूर होती हैं।
- अगर आप बेर को छाछ के साथ लेंगे तो इससे घबराहट, उलटी आना और पेट दर्द से राहत मिलती है।
- नियमित बेर खाने से अस्थमा के रोगियों को भी आराम मिलता है साथ ही अगर किसी को मसूड़ों में घाव हो गया हो तो वह भी जल्दी भर जाता हैं।

टमाटर सूप है बेहद फायदेमंद

लाल लाल स्वादिष्ट टमाटर कई सब्जियों व डिश का अहम हिस्सा होते है। कच्चे टमाटर के अलावा उनका सूप भी बहुत ही स्वादिष्ट और पौष्टिक होता है। आमतौर पर खाने से पहले स्टार्टर के तौर पर लिए जाने वाले टमाटर सूप में विटामिन A, E, C, K और एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं। जो आपको हेल्दी और फिट रखने में मदद करते हैं। टमाटर सूप पीने से सेहत को मिलने वाले गजब के फायदे -

हड्डियों के लिए फायदेमंद

टमाटर सूप में विटामिन K और केल्शियम होता है जो हड्डियों को मजबूत रखता है। इसके अलावा शरीर में लाइकोपीन की कमी होने से भी हड्डियों पर तनाव बढ़ता है और टमाटर में काफी मात्रा में लाइकोपीन होता है, जो हड्डियों के लिए अच्छा होता है।

दिमाग को रखें दुरुस्त

टमाटर सूप में भरपूर मात्रा में कॉपर और पोटेशियम पाया जाता है, जिससे नर्वस सिस्टम ठीक रहता है और दिमाग को मजबूती मिलती है।

विटामिन की कमी करे पूरी

टमाटर सूप में विटामिन A और C अच्छी मात्रा में होता है। विटामिन इ, टिशू के विकास के लिए जरूरी होता है। कहते है कि शरीर में रोजाना 16% विटामिन A और 20% विटामिन C की जरूरत होती है और टमाटर सूप इसकी जरूरत को पूरा करता है।

वजन करे कम

टमाटर सूप को अगर ऑलिव ऑयल से बनाया जाए तो यह वजन घटाने में सहायक होता है, क्योंकि इसमें पानी और फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है, जिससे आपको काफी समय तक भूख नहीं लगती।

कैंसर का खतरा करे कम

टमाटर सूप में लाइकोपीन और कैरोटोनॉयड जैसे एंटी-ऑक्सीडेंट होते हैं, जिससे कैंसर की आशंका कम हो जाती है।

ब्लड शुगर को करे नियंत्रण

डायबिटीज के मरीजों को डाइट में टमाटर सूप जरूर लेना चाहिए। इसमें क्रोमियम होता है, जो ब्लड शुगर को नियंत्रण में रखने में सहायक होता है।

रक्त प्रवाह को बढ़ाए

टमाटर में सेलेनियम होता है, जो रक्त प्रवाह को बढ़ाता है जिससे एनिमिया का खतरा कम हो जाता है।

गुड़ एक ऐसा खाद्य पदार्थ है जो आपको घर की रसोई में ही बड़ी आसानी से मिल जाएगा। इसका सेवन अगर अलग-अलग रूपों से किया जाए तो यह हमारी सेहत को नीचे बताई जा रही बीमारियों की चपेट में आने से बचाए रख सकता है।

रात में सोने से पहले गर्म पानी के साथ करें गुड़ का सेवन

गुड़ के फायदे

रात में सोने से पहले गर्म पानी के साथ करें गुड़ का सेवन, इन जानलेवा बीमारियों का खतरा हो जाएगा कमसेहतमंद बने रहने के लिए हमें कई प्रकार के खाद्य पदार्थों का सेवन नियमित रूप से भी करना चाहिए। खाने के बाद हमें अक्सर किसी मीठे पदार्थ को खाने की सलाह दी जाती है ताकि पाचन क्रिया में आसानी हो। इन खाद्य पदार्थों में गुड़ का भी नाम शामिल है जो आमतौर पर सभी घरों में बड़ी आसानी से मिल जाता है। विभिन्न प्रकार के पकवानों को बनाने में भी गुड़ का इस्तेमाल किया जाता है। इसका अलग-अलग रूप से सेवन करें तो यह हमारी सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। इस लेख में आपको गुड़ का सेवन करने से होने वाले विशेष फायदों के बारे में बताया जाएगा ताकि आप भी अपनी दिनचर्या में इसको शामिल करके सेहतमंद बने रहें।

वजन घटाने में

वजन घटाने के लिए मुख्य रूप से गुड़ के पानी का सेवन करने की सलाह दी जाती है। कई मशहूर डायटिशियन भी सुझाव देते हैं कि जिन लोगों को मोटापे की समस्या है, उन्हें नियमित रूप से गुड़ के पानी का सेवन करना चाहिए। इससे वजन को कम करने में प्रभावी रूप से असर दिखाई पड़ने लगता है।

पाचन क्रिया को ठीक करने के लिए

पाचन क्रिया को अगर थोड़ी भी समस्या का सामना करना पड़ता है तो यह में कई प्रकार की बीमारियों की चपेट में ला सकता है। एक अध्ययन के अनुसार इसमें फाइबर की अच्छी मात्रा पाई जाती है। फाइबर एक ऐसा पोषक तत्व है जो मुख्य रूप से पाचन क्रिया को सुचारू रूप से चलाए रखने के लिए शरीर के लिए बहुत आवश्यक होता है। गुड़ के जरिए इस पोषक तत्वों की पूर्ति करके पाचन क्रिया को मेंटेन रखा जा सकता है।

खून की कमी होने से बचाए

खून की कमी सबसे ज्यादा गर्भावस्था में महिलाओं को परेशान कर सकती है और यह समस्या गर्भस्थ शिशु के लिए मुसीबत बन सकती है। चूंकि गुड़ में आयरन की काफी मात्रा होती है इसलिए महिलाओं के लिए इसका सेवन खून की कमी होने से रोकेगा और जच्चा-बच्चा दोनों को स्वस्थ रखने में भी मददगार साबित होगा।
हालांकि, पहली और दूसरी तिमाही में गुड़ का सेवन न करने की सलाह दी जाती है क्योंकि गुड़ की तासीर गर्म होती है और यह बच्चे के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को सुधारने के लिए

रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यून सिस्टम) को मजबूत बनाकर आप कई प्रकार कीसंक्रामक बीमारियों और कुछ जानलेवा बीमारियों के खतरे से भी बचे रह सकते हैं। एक वैज्ञानिक अध्ययन के अनुसार, गुड में मौजूद जिंक और विटामिन-सी की मात्रा रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने के लिए प्रभावी रूप से मददगार साबित होती है। इसलिए जिन लोगों की इम्युनिटी कमजोर है, वे गुड़ का सेवन कर सकते हैं।

ब्लड प्रेशर को कम करे

हाई ब्लड प्रेशर की समस्या से हर साल पूरी दुनिया में लाखों लोगों की मौत होती है। इसे हाइपरटेंशन के नाम से भी जाना जाता है। जबकि गुड़ में मौजूद पोटेशियम की मात्रा आपको हाइपरटेंशन की समस्या से बचा सकती है। इतना ही नहीं, गुड में मौजूद पोटैशियम की मात्रा आपके ब्लड प्रेशर को संतुलित बनाए रखने के साथ-साथ स्ट्रोक, ओस्टियोपोरोसिस और किडनी स्टोन की समस्या से भी शरीर को सुरक्षा प्रदान करती है।

लिवर को साफ रखने के लिए

लिवर की क्लीनिंग करना बहुत जरूरी है, नहीं तो यहां अल्सर और इंफेक्शन की भी समस्या हो सकती है। लिवर में अगर लंबे समय तक संक्रमण बना रहता है तो यह कैंसर का रूप ले सकता है। जबकि गुड़ में मौजूद डिटॉक्सिक गुण टॉक्सिक पदार्थों को लिवर से बाहर निकालने का कार्य कर सकता है। इसके लिए आप चाहे तो गुड़ को गर्म पानी में उबालकर भी इसका सेवन कर सकते हैं।

गुड़ खाने के नुकसान क्या हैं?

गुड़ खाने के फायदे के साथ-साथ आपको इससे होने वाले संभावित नुकसान के बारे में भी बताया जा रहा है ताकि आप अपनी सेहत का खास ख्याल रख सकें। अधिक मात्रा में किसी भी खाद्य पदार्थ का सेवन करना नुकसानदायक होता है और गुड़ के साथ भी यही बात लागू होती है। अधिक मात्रा में यदि आप गुड़ का सेवन करते हैं तो यह शुगर, मोटापा और टाइप टू डायबिटीज का खतरा भी बढ़ा सकता है।

दाल के पोषक तत्व

- दालों में सबसे पौष्टिक दाल, मूंग की होती है, इसमें विटामिन ए, बी, सी और ई की भरपूर मात्रा होती है। साथ ही पोटेशियम, आयरन, कैल्शियम की मात्रा भी मूंग में बहुत होती है। इसके सेवन से शरीर में कैलोरी भी बहुत नहीं बढ़ती है। अगर अंकुरित मूंग दाल खाएं तो शरीर में कुल 30 कैलोरी और 1 ग्राम फैट ही पहुंचता है।
- अंकुरित मूंग दाल में मैग्नीशियम, कॉपर, फोलेट, राइबोफ्लेविन, विटामिन, विटामिन सी, फाइबर, पोटेशियम, फास्फोरस, मैग्नीशियम, आयरन, विटामिन बी -6, नियासिन, थायमिन और प्रोटीन होता है।
- मूंग की दाल के स्प्राउट में ग्लूकोज लेवल बहुत कम होता है इस वजह से मधुमेह रोगी इसे खा सकते हैं।
- मूंग की दाल के स्प्राउट में ओलियोसाच्चाराइडस होता है जो पॉलीफिनॉल्स से आता है। ये दोनों की घटक, गंभीर रोगों से लड़ने की क्षमता को प्रबल करते हैं। कैंसर के रोगी भी इसका सेवन आराम से कर सकते हैं।
- मूंग की दाल में ऐसे गुण होते हैं, जो शरीर की

दालें प्रोटीन से भरपूर होती हैं। वैसे तो हर दाल पोषक तत्वों से भरपूर होती है लेकिन फिर भी अगर आपको प्रोटीन की मात्रा से के साथ कुछ परेशानियों को जड़ से खत्म करना है, तो आप अपनी डाइट में मूंग दाल जरूर जोड़ें। किसी भी रूप में मूंग दाल के सेवन के कई फायदे हैं।

पोषण के मामले में सभी दालों पर भारी है मूंग दाल

प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा देते हैं और उसे बीमारियों से लड़ने की ताकत देते हैं। इसमें एंटी-माइक्रोबियल और एंटी-इंफलामेट्री गुण होते हैं, जो शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाते हैं।

ऐसे बनाएं हेल्दी मूंग दाल का चीला

रात को मूंग दाल को एक पैन में पानी डालकर रख दें। इसके बाद सुबह इसे छान कर ग्राइंडर में पीस लें। इसके बाद इसमें नमक डालकर अच्छी तरह से मिला लें। अब तवा को गर्म करें। गर्म हो जाने में थोड़ा सा तेल डालकर मूंग दाल के पेस्ट को डालकर अच्छी तरह से फैला लें। इसके बाद इसमें सभी सब्जियां और पनीर डाल दें। इसके बाद इसमें थोड़ा सा घी डालकर दूसरी तरफ भी सेंक लें। इसके बाद इसे प्लेट में निकाल लें। आपका मूंग दाल का चीला बनकर तैयार हैं। इसे हरी या लाल चटनी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

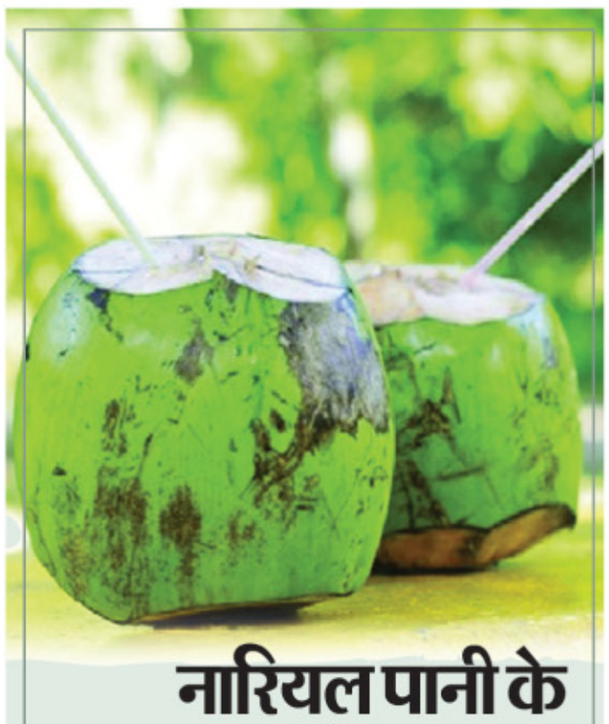

नारियल पानी के सेवन से मिलते हैं बेहतरीन सेहत लाभ

नारियल पानी अधिकतर लोगों को पसंद आता है। लेकिन ये सिर्फ स्वादिष्ट ही नहीं बल्कि सेहत के लिहाज से भी काफी फायदेमंद है। दरअसल, इसमें शरीर के लिए फायदेमंद कई तरह के विटामिन्स, मिनरल्स और इलेक्ट्रोलाइट पाए जाते हैं। जो आपको कई सेहत लाभ देते है। तो आइए जानते हैं नारियल पानी से क्या-क्या फायदे मिलते हैं.

- नारियल पानी का सेवन लिवर के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। नारियल पानी में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं। जो लिवर में कई तरह के विषाक्त पदार्थों की गतिविधि को कम करते हैं। इसका सेवन करना लिवर के लिए काफी लाभकारी होता है।
- पेट के लिए नारियल पानी बेहद फायदेमंद है। इसके सेवन से पेट दर्द, एसिडिटी, अल्सर में थोड़ा-थोड़ा नारियल पानी पीने से आराम मिलता है।
- ऊर्जावान रहने के लिए नारियल पानी काफी अच्छा होता है। इसके सेवन से कमजोरी, थकान, चक्कर आने जैसी समस्याओं में इसको पीने से तत्काल लाभ प्राप्त होता है।
- नारियल पानी हृदय रोग का जोखिम कम करने का काम करता है। इसके सेवन से खराब कोलेस्ट्रॉल कम होता है।
- वजन कम करना चाहते है, तो नारियल पानी आपकी बहुत मदद करेगा। यह कैलोरी में कम और पचाने में आसान होता है। इसमें कई ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो वजन और मोटापा कम करने में मददगार हैं।
- त्वचा में ग्लो और स्किन बिलकुल क्लिन रखना चाहते है तो नारियल पानी आपको नियमित रूप से पीना चाहिए। यदि चेहरे पर मुहांसे और दाग धब्बों की समस्या बढ़ गई है ,तो नारियल पानी का सेवन आपकी सारी समस्या को दूर करेगा।

इस आयुर्वेदिक चाय से मजबूत होगा इम्यून सिस्टम

अगर आपकी प्रतिरोधक क्षमता में कमी आ गई है और आप बार-बार सर्दी, खांसी, जुकाम या बुखार से पीड़ित हो रहे हैं तो आपको जरूरत है इस खास आयुर्वेदिक चाय की। तुलसी और अन्य मसालों से बनी ये चाय तेजी से आपकी प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएगी।

चाय बनाने की सही विधि

सामग्री : तुलसी के सुखाए हुए पत्ते (जिन्हें छाया में रखकर सुखाया गया हो) 500 ग्राम, दालचीनी 50 ग्राम, तेजपान 100 ग्राम, ब्राह्मी बूटी 100 ग्राम, बनफशा 25 ग्राम, सौंफ 250 ग्राम, छोटी इलायची के दाने 150 ग्राम, लाल चन्दन 250 ग्राम और काली मिर्च 25 ग्राम।
विधि : सब पदार्थों को एक-एक करके इमाम दस्ते (खल बत्ते) में डालें और मोटा-मोटा कूटकर सबको मिलाकर किसी बरनी में भरकर रख लें। बस, तुलसी की चाय तैयार है। दो कप चाय के लिए यह 'तुलसी चाय' का मिश्रण (चूर्ण) आधा छोटा चम्मच भर लेना काफी है।
दो कप पानी एक तपेली में डालकर गरम होने के लिए आग पर रख दें। जब पानी उबलने लगे तब तपेली नीचे उतार कर आधा छोटा चम्मच मिश्रण डालकर फौरन ढक्कन से ढंक दें। थोड़ी देर तक उबलने दें फिर छानकर कप में डाल लें। इस चाय में दूध नहीं डाला जाता। मीठा करना चाहें तो उबलने के लिए आग पर तपेली रखते समय ही उचित मात्रा में शकर डाल दें और गरम होने के लिए रख दें।

ह्यूबर्ट हर्काज़, स्विएटेक ने पोलैंड को यूनाइटेड कप के फाइनल में पहुंचाया

एजेंसी

सिडनी। इगा स्विएटेक ने सिडनी में सेमीफाइनल मुकाबले में अपने सबसे कठिन प्रतिद्वंद्वियों में से एक एलेना रयबाकिना पर कड़ी जीत के साथ पोलैंड को लगातार दूसरे यूनाइटेड कप फाइनल में पहुंचा दिया। शीर्ष 10 खिलाड़ियों और ग्रैंड स्लैम चैंपियन के बीच मुकाबले में, स्विएटेक ने कजाकिस्तान की एलेना रयबाकिना को 7-6(5), 6-4 से हराया, जिससे 2024 के फाइनलिस्ट के लिए 2-0 की अजेय बढ़त हासिल हुई। इससे पहले, ह्यूबर्ट हर्काज़ ने अलेक्जेंडर शेवचेंको पर शानदार जीत के साथ पोलैंड को 1-0 की बढ़त दिलाकर स्विएटेक के निर्णायक प्रदर्शन के लिए मंच तैयार किया। एलेना रयबाकिना, उन कुछ खिलाड़ियों में से एक हैं जो लगातार पांच बार की प्रमुख चैंपियन स्विएटेक को चुनौती देती हैं, शनिवार के मैच में एक मजबूत रिकॉर्ड के साथ उतरीं, उन्होंने अपने पिछले छह मुकाबलों में से चार में जीत हासिल की थी। 2022 विंबलडन चैंपियन ने शुरुआत में ही अपनी खास ताकत का प्रदर्शन किया, और 5-3 की बढ़त हासिल की, जबकि स्विएटेक कई फोरहैंड त्रुटियों से जूझ रही थीं।चुनौतियों का सामना करते हुए, स्विएटेक ने अपनी लय पाई, रैलियों में गति बढ़ाई और खेल के अपने चौथे ब्रेक पॉइंट पर 5-5 से वापसी की। स्विएटेक ने फिर 6-5 पर दो सेट पॉइंट अर्जित किए, लेकिन राइबाकिना ने संघर्ष किया और टाई-ब्रेक के लिए मजबूर किया।

लेब्रोन जेम्स ने माइकल जॉर्डन के सबसे ज़्यादा 30-पॉइंट गेम का रिकॉर्ड तोड़ा

लॉस एंजिल्स। लेब्रोन जेम्स ने अटलांटा के खिलाफ लॉस एंजिल्स लेकर्स के मैच के दौरान माइकल जॉर्डन के 30 अंकों के एनबीए रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है।5:58 मिनट शेष रहते जेम्स ने अपने करियर में 563वीं बार नियमित सत्र में कम से कम 30 अंक बनाए, जिसने 2003 में जॉर्डन द्वारा स्थापित रिकॉर्ड को तोड़ दिया। जॉर्डन ने 15 सत्रों में 1,072 करियर खेलों में रिकॉर्ड बनाया, जबकि जेम्स ने 22 सत्रों में अपनी 1,523वीं उपस्थिति में यह रिकॉर्ड तोड़ा। जेम्स ने ओहियो के अक्रोन में अपने बचपन के दौरान जॉर्डन को अपना आदर्श माना, और जब उन्होंने मार्च 2019 में एनबीए की करियर स्कोरिंग सूची में जॉर्डन को पीछे छोड़ते हुए चौथा स्थान प्राप्त किया, तो उस पल ने उन्हें लेकर्स की बेंच पर आंसू बहाए। संयोग से, जेम्स ने हॉक्स से लेकर्स की यात्रा के दौरान एनबीए के इतिहास में नियमित सत्र में खेले गए चौथे सबसे अधिक मैचों के डर्क नोवित्स्की (1,522) के रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया। जेम्स पिछले सप्ताह 40 वर्ष के हो गए, और वे उन कुछ सक्रिय खिलाड़ियों में से हैं जिन्होंने व्यक्तिगत रूप से जॉर्डन को 1990 के दशक में शिकागो बुल्स के साथ उनके शीर्ष पर देखा था।

बिग बैश लीग के दौरान चोटिल हुए बैनक्रॉफ्ट, नाक और कंधे में लगी चोट

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी कैमरून बैनक्रॉफ्ट को बिग बैश लीग (बीबीएल) मैच के दौरान टीम के साथी डेनियल सैम्स के साथ हुई टक्कर में कंधे और नाक की हड्डी टूट गई। उनकी टीम सिडनी थंडर ने उक्त जानकारी दी। पर्थ स्कॉर्चर्स के खिलाफ मैदान में कैच पकड़ने के दौरान हुई भिड़ंत के बाद बैनक्रॉफ्ट और सैम्स को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। भिड़ने के बाद दोनों खिलाड़ी चोटिल हो गए और मैदान पर पड़े रहे। सलामी बल्लेबाज बैनक्रॉफ्ट, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 10 टेस्ट खेले हैं और 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गेंद से छेड़छाड़ के मामले में नौ महीने के लिए प्रतिबंधित किए गए थे, उनकी नाक से खून बह रहा था। ऑस्ट्रेलिया के लिए 10 टी20 मैच खेल चुके सैम्स को अपने साथी 32 वर्षीय खिलाड़ी के साथ सिर टकराने के बाद स्ट्रेचर पर ले जाया गया। टीम ने एक बयान में कहा, सिर में चोट लगने के अलावा, बैनक्रॉफ्ट की नाक और दाहिने कंधे की हड्डी में भी फ्रैक्चर है।

डबल ओलंपिक पदक विजेता फ्रेड केर्ली मियामी पुलिस के साथ कथित विवाद में गिरफ्तार

नई दिल्ली। डबल ओलंपिक पदक विजेता फ्रेड केर्ली को मियामी पुलिस ने रात गिरफ्तार कर लिया और उन पर मारपीट के आरोप लगाए। पुलिस के साथ झड़प के दौरान उन पर टेजर से हमला किया गया। 29 वर्षीय अमेरिकी धावक ने 2024 पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की 100 मीटर स्पर्धा में कांस्य और 2020 टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीता। वह रिले और 100 मीटर स्प्रिंट स्पर्धाओं में पूर्व विश्व चैंपियन भी हैं।स्थानीय समाचार चैनल फॉक्स 7 न्यूज ने मियामी पुलिस के हवाले से कहा कि केर्ली सक्रिय जांच स्थल पर पहुंचे और प्रयासों में बाधा उत्पन्न की। उन्होंने अपनी कार के बारे में चिंता व्यक्त की जो पास में ही खड़ी थी। धावक को क्षेत्र खाली करने के लिए कहा गया, लेकिन उसने मना कर दिया। पुलिस ने दावा किया कि वह आक्रामक हो गया और फिर उसने उसे बिजली के झटके दिए, यह बॉडी कैम फुटेज में देखा जा सकता है जिसे बाद में स्थानीय टीवी चैनलों पर दिखाया गया। पुलिस के एक बयान में कहा गया, स्थिति को शांत करने के अधिकारियों के प्रयासों के बावजूद, प्रतिवादी ने लड़ाई का रुख अपनाया और उनके वैध आदेशों की अनदेखी करना जारी रखा। जब अधिकारियों ने उसकी गिरफ्तारी को प्रभावी बनाने का प्रयास किया, तो उसने सक्रिय रूप से उनके प्रयासों का विरोध किया।

आईएसएल 2024-25: मेजबान ओडिशा एफसी को एफसी गोवा ने 4-2 से हराया

एजेंसी

भुवनेश्वर। एफसी गोवा ने ओडिशा एफसी के खिलाफ इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में अपना अपराजित प्रदर्शन जारी रखा है। गौर्स ने भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में खेले गए आईएसएल 2024-25 के मुकाबले में मेजबान ओडिशा एफसी को 4-2 से हराया है। एफसी गोवा की जीत में 23 वर्षीय मिडफील्डर ब्राइसन फर्नांडेज ने 8वें व 53वें, राइट-विंगर उदांता सिंह ने 45+2वें और ओडिशा एफसी के राइट-बैक अमेय रानावाडे (आत्मघाती गोल) ने 56वें मिनट में गोल किए। मैच का पहला गोल 8वें मिनट में आया, जब 23 वर्षीय मिडफील्डर ब्राइसन फर्नांडेज ने एफसी गोवा को शुरुआती बढ़त दिलाते हुए स्कोर 1-0 किया। फिर 29वें मिनट में मोरोक्कन मिडफील्डर अहमद जाहौह ने पेनल्टी किक पर गोल कर ओडिशा एफसी को 1-1 की बराबरी दिला दी। तीन मिनट में

स्टॉपेज टाइम के दौरान 45+2वें मिनट में राइट-विंगर उदांता सिंह ने गोल करके एफसी गोवा को फिर से बढ़त दिलाते हुए स्कोर 2-1 कर दिया। 53वें मिनट में मिडफील्डर ब्राइसन फर्नांडेज ने अपना दूसरा गोल करके एफसी गोवा की बढ़त को 3-1 कर दिया। 56वें मिनट में ओडिशा एफसी के राइट-बैक अमेय रानावाडे के आत्मघाती गोल से एफसी गोवा की बढ़त 4-1 हो गई। वहीं, 88वें मिनट में लेफ्ट-विंगर जैरी माविहिंगथांगा ने गोल करके ओडिशा एफसी को कुछ राहत पहुंचाते हुए स्कोर 2-4 कर दिया। मैच के दौरान मेजबान ओडिशा एफसी को 90वें मिनट में झटका भी लगा, जब अहमद जाहौह को दूसरा येलो यानी रेड कार्ड दिखाकर रैफरी ने मैदान से बाहर भेज दिया।

दरअसल, मैच में पिछड़े की हताशा में अहमद जाहौह ने मिडफील्डर साहिल टवोरा को धक्का देकर गिरा दिया था। इसके बाद मेजबान टीम को छह मिनट तक दस खिलाड़ियों से खेलना पड़ा। जाहौह को पहला येलो कार्ड 35वें मिनट में मिला था। आईएसएल में दोनों टीमों के बीच 11वां मुकाबला था और आज एफसी गोवा ने सातवीं बार जीत हासिल की। जबकि दोनों के बीच 4 मैच ड्रा रहे हैं। वहीं, ओडिशा एफसी का जीत का इंतजार जारी हैं क्योंकि उसको गौर्स पर अभी तक कोई जीत नहीं मिली है।

लीजेंड 90 लीग में दिल्ली रॉयल्स का प्रतिनिधित्व करेंगे शिखर धवन

एजेंसी

नई दिल्ली। जैसे-जैसे लीजेंड 90 लीग का समय नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे दिग्गजों के नाम भी सामने आ रहे हैं। इस क्रम में दिल्ली रॉयल्स ने भी सूची जारी की है। फरवरी 2025 में खेले जाने वाले लीजेंड 90 लीग में पूर्व भारतीय स्टार क्रिकेटर शिखर धवन और न्यूजीलैंड के धाकड़ बल्लेबाज रॉस टेलर दिल्ली रॉयल्स की बल्लेबाजी क्रम को मजबूती प्रदान करेंगे। धवन टीम का प्रतिनिधित्व भी करेंगे। इसके अलावा उनके साथ वेस्टइंडीज के पूर्व सलामी बल्लेबाज लेंडल सिमंस, श्रीलंका के एंजेलो परेरा, भारतीय ऑलराउंडर बिपुल शर्मा और वेस्टइंडीज के रयाद एमरिट भी टीम का हिस्सा होंगे।उत्तर भारत के अग्रणी राजमार्ग ब्रांड मन्नत समूह के स्वामित्व वाली दिल्ली रॉयल्स की टीम राष्ट्रीय राजधानी की भावना और गौरव का प्रतीक है। टीम के मालिकों ने अनुभव और कौशल के मिश्रण से सजी अपनी टीम की क्षमता पर विश्वास व्यक्त किया है। इस बारे में मन्नत ग्रुप के चेयरमैन देवेंदर कादयान ने कहा कि, हमे पूरा विश्वास है कि शिखर धवन और रॉस टेलर जैसे खिलाड़ियों के नेतृत्व में दिल्ली रॉयल्स लीजेंड 90 लीग में एक बेंचमार्क स्थापित करेगी। हमने ऐसी टीम तैयार करने की कोशिश की है जो, मैदान के अंदर और बाहर दोनों ही जगह मजबूती से एक दूसरे के साथ खड़ी रहे। उनकी बात को आगे बढ़ाते हुए मन्नत ग्रुप के प्रतिनिधि मंदीप मलिक ने कहा कि, हम काफी भाग्यशाली हैं, जो टीम का प्रतिनिधित्व करने के लिए हमें इतने बेहतरीन खिलाड़ी मिल पाए हैं। शिखर धवन, रॉस टेलर, लेंडल सिमंस जैसे कई दिग्गजों से सजी हमारी टीम अनुभव और प्रतिभा का खजाना लेकर आती है। हमें पूरी उम्मीद है कि दिल्ली रॉयल्स लीजेंड 90 लीग में जबरदस्त प्रदर्शन करेगी। पिछले हफ्ते एक समारोह के दौरान दिल्ली रॉयल्स ने अपने आधिकारिक लोगो का अनावरण किया था। कवच और ढाल से सजा या यह लोगो टीम की लड़ने की क्षमता, उत्कृष्टता, ताकत, लचीलेपन और वीरता का प्रतीक है।

टीएसएच इलेवन ने सीपी इलेवन को हराकर दर्ज की शानदार जीत

एजेंसी

कानपुर। टीएसएच इलेवन ने द स्पोर्ट्स हब में खेले गए रोमांचक मुकाबले में सीपी इलेवन को 4 विकेट से हराकर अपनी कौशल और टीम वर्क का शानदार प्रदर्शन किया। मैच का आरंभ टीएसएच इलेवन के टॉस जीतने के साथ हुआ, जिसके बाद उन्होंने फील्डिंग करने का निर्णय लिया। सीपी इलेवन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 114 रन बनाए। उनके बल्लेबाजों ने धीमी शुरुआत की, लेकिन अंत में कुछ तेज रनों की बदौलत टीम एक सम्मानजनक स्कोर खड़ा करने में सफल रही। टीएसएच इलेवन की ओर से गेंदबाजी में मयंक गुप्ता ने कमाल का प्रदर्शन किया। उन्होंने 4 ओवर में मात्र 14 रन देकर 3 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए, जिससे सीपी इलेवन का स्कोर बड़ा नहीं हो पाया। इसके अलावा अन्य गेंदबाजों ने भी नियंत्रित गेंदबाजी की, जिससे बल्लेबाज खुलकर रन नहीं बना सके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीएसएच इलेवन की शुरुआत थोड़ी धीमी रही, लेकिन मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने अपनी बेहतरीन

बल्लेबाजी से पारी को संभाला। उन्होंने संयम और आक्रामकता का बेहतरीन संतुलन दिखाते हुए अहम रन जोड़े। हालांकि, सीपी इलेवन के गेंदबाजों ने भी बीच-बीच में विकेट लेकर मैच को रोचक बनाए रखा। आखिरकार, 18.2 ओवर में टीएसएच इलेवन ने 6 विकेट खोकर 115 रन बनाते हुए लक्ष्य को हासिल कर लिया। मैच में सुमित ने अपनी फील्डिंग से सभी को प्रभावित किया और उन्हें सर्वश्रेष्ठ फील्डर का खिताब दिया गया। वहीं, हसन सर ने अपने शानदार सिक्सर से दर्शकों का दिल जीत लिया और सिक्सर ऑफ द मैच का पुरस्कार हासिल किया। मैच के समापन पर मुख्य अतिथि पीयूष अग्रवाल और सम्मानित अतिथि संजीव पाठक (उत्तर प्रदेश टेबल टेनिस संघ के अध्यक्ष) ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया और पुरस्कार वितरण किया।

मेजबान भारत ने बांग्लादेश को दी शिकस्त

एजेंसी

लखनऊ। मेजबान भारत की यूथ टीम ने बेहतर रणनीति, दमदार अटैक और उम्दा डिफेंस के सहारे आईएचएफ ट्रॉफी पुरुष यूथ व जूनियर हैंडबॉल (कांटिनेंटल फेज -एशिया) में बांग्लादेश को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 35-29 से हराकर पहली जीत दर्ज की। केडी सिंह बाबू स्टेडियम के नवनिर्मित अटल बिहारी वाजपेयी बहुउद्देश्यीय हाल में आयोजित चैंपियनशिप के दूसरे दिन उज्बेकिस्तान ने जीत से यूथ व जूनियर दोनों में दोहरी जीत अपने नाम की। भारत की यूथ अंडर-18 टीम को घरेलू दर्शकों के समर्थन का भी खूब फायदा मिला।

पहले हॉफ में बांग्लादेश ने कड़ी चुनौती दी और मेजबान ने पहले हॉफ में 17-15 से करीबी बढ़त बनाई। दूसरे हॉफ में भारतीय खिलाड़ियो ने लगातार अटैकिंग मूव बनाए लेकिन बांग्लादेश ने उन्हें कड़ी टक्कर दी। भारत को तेज व सटीक हमलों का फायदा मिला और जवाबी आक्रमण के अवसर को टीम ने बखूबी भुनाया। भारतीय गोलकीपर नवीन ने भी कई उम्दा बचाव करते हुए टीम

की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत की ओर से मनीष यादव ने शानदार 9 गोल दागे। उनका साथ देते हुए रवि ने भी 9 गोल करने में सफलता हासिल की।

अंशु ने 7, रोहित ने 6 व सुयश अवस्थी ने 2 गोल किए। बांग्लादेश से मोहम्मद रतुल उद्दीन ने 9 जबकि फर्शीद खान व सोहाग अली ने 5-5 किए। इस मैच के प्लेयर ऑफ द मैच भारतीय यूथ टीम के मनीष यादव को मुख्य अतिथि विधान जायसवाल (पीसीएस, कंट्रोलर ऑफ एग्जामिनेशन, यूपीएसएससी) सहित कराटे एसोसिएशन ऑफ यूपी के अध्यक्ष टीपी हवेलिया, हैंडबॉल एसोसिशन इंडिया के कोषाध्यक्ष विनय कुमार सिंह व कार्यकारी निदेशक डा.आनन्देश्वर पाण्डेय ने पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन के आयोजन सचिव अमित पाण्डेय भी मौजूद थे।

रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग सीजन-2: चांगला ब्लास्टर्स और शम वोल्व्स ने पहले दिन की दमदार शुरुआत

एजेंसी

लेह। रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग सीजन-2 के एक्शन से भरपूर पहले दिन चांगला ब्लास्टर्स ने यूनाइटेड नुबरा को 6-2 से हराया, जिसमें ओपदमा एम के शानदार दो गोलों का योगदान रहा। इसके बाद शम वोल्व्स ने मरीयल स्पावो को 4-1 से हराया, जिसमें उर्गन की शानदार प्रदर्शन और दो गोल प्रमुख रहे। दूसरे दिन के कार्यक्रम में भव्य उद्घाटन समारोह होगा, जिसमें ट्रॉफी और जर्सी का अनावरण, स्केट शार्पनिंग मशीन का हैंडओवर, पक ड्रॉप समारोह और बहुत ही प्रतीक्षित मैच होगा, जिसमें कांग सिंग्स (गत चैंपियन) और शकर चिक्तान रॉयल की टीमें आमने-सामने होंगी। चांगला ब्लास्टर्स, जो इस खेल में विजिटिंग टीम के रूप में आए थे, ने पहले ही

मिनटों में आक्रामकता से मैच की गति निर्धारित की, पहले पीरियड में चार गोल करते हुए एक मात्र गोल यूनाइटेड नुबरा से हुआ। जेमोटुप ने गोल की शुरुआत की, इसके बाद तुनातुप ने लगातार दो गोल कर एक मजबूत बढ़त बनाई। फिर त्सेवांग टी ने चौथा गोल कर चांगला ब्लास्टर्स की स्थिति मजबूत कर दी। यूनाइटेड नुबरा का एकमात्र जवाब ओपदमा एम द्वारा था, जो एक गोल के साथ स्कोर को 4-1 कर गए, लेकिन खेल के रुख को नहीं बदल सके।दूसरे पीरियड में यूनाइटेड नुबरा ने अपनी रक्षा को मजबूत किया और चांगला ब्लास्टर्स को गोल करने से रोका, लेकिन वे खुद भी कोई गोल करने में सफल नहीं हो पाए। इस पीरियड का अंत गोलरहित हुआ और स्कोर 4-1 रहा चांगला ब्लास्टर्स के पक्ष में। तीसरे और अंतिम पीरियड में चांगला ब्लास्टर्स ने फिर से अपना दबदबा दिखाया, डॉर्जी एम और आंगचुक डब्ल्यू ने गोल करके टीम की बढ़त को बढ़ाया। यूनाइटेड नुबरा के तामिम आर ने एक गोल किया, लेकिन यह उनकी टीम के लिए वापसी की उम्मीद नहीं जगा सका। अंततः चांगला ब्लास्टर्स ने 6-2 के स्कोर से शानदार जीत दर्ज की। रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग का दूसरा सीजन लेह के नवांग डॉर्जी स्टोबडन (एनडीएस) स्टेडियम में 04 जनवरी 2025 से 13 जनवरी 2025 तक आयोजित किया जा रहा है।

श्रद्धा और सुधा यूपी अंडर–23 टीम में

एजेंसी

महाकुम्भ नगर। आशीष नेहरा क्रिकेट अकादमी की प्रशिक्षु श्रद्धा तिवारी और सुधा शुक्ला का चयन उत्तर प्रदेश की अंडर-23 टीम में हुआ है। अकादमी की कोच स्वाति सिंह के अनुसार विकेटकीपर बल्लेबाज श्रद्धा तिवारी और वामहस्त स्पिनर सुधा शुक्ला उनसे ही प्रशिक्षण प्राप्त करती हैं। श्रद्धा टीम की उपकप्तान भी बनाई गई हैं। उत्तर प्रदेश की टीम 5 से 12 जनवरी के बीच अपने मुकाबले खेलेगी। पहला मैच पुदुचेरी (पोंडीचेरी) से होगा। यूपी के ग्रुप में हिमाचल, कर्नाटक, छत्तीसगढ़ और विदर्भ की टीम भी है।

लीजेंड 90 लीग : हरियाणा ग्लेडिएटर्स में शामिल हुए हरभजन सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह फरवरी से शुरू हो रहे लीजेंड 90 लीग में हरियाणा ग्लेडिएटर्स की तरफ से जादू बिखेरते नजर आएंगे। 103 टेस्ट और 236 एकदिवसीय अंतराष्ट्रीय मैच खेल चुके हरभजन का अनुभव निश्चित तौर पर ग्लेडिएटर्स के बहुत काम आने वाला है। इसके अलावा टीम में पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बेन डंक, श्रीलंकाई ऑलराउंडर असेला गुणरत्ने और गेंदबाज पवन सुयाल, अनुरीत सिंह और प्रवीण गुप्ता को भी शामिल किया गया है। हरियाणा ग्लेडिएटर्स का स्वामित्व रियल स्टेट की अग्रणी फर्म शुभ इंफ्रा के पास है।

टीम के बारे में शुभ इंफ्रा के निदेशक हरीश गर्ग ने एक बयान में कहा कि हरियाणा ग्लेडिएटर्स साहस, दृढ़ संकल्प और उत्कृष्टता के मूल्यों पर बनी है। हम पूरी तरह से आश्वस्त हैं कि हरभजन सिंह जैसे अनुभवी खिलाड़ी के नेतृत्व में हमारी टीम सफलता के नए आयाम स्थापित

करेगी। शुभ इंफ्रा के निदेशक सनी सहगल ने कहा कि हमारी टीम युवा ऊर्जा और अनुभव का बेहतरीन मिश्रण है। इस लीग का अनूठा प्रारूप क्रिकेट को अलग तरह से परिभाषित करने का एक बेहतरीन मंच है और ऐसे में इस यात्रा का हिस्सा बनना हमारे लिए गर्व की बात है। इससे पहले पिछले महीने हरियाणा ग्लेडिएटर्स ने अपनी टीम के लोगो का अनावरण किया था। दहाड़ते हुए शेर से सजा लोगो साहस, शक्ति और लचीलेपन की शानदार छवि दर्शाता है। लीजेंड 90 लीग 90 बॉल क्रिकेट का ऐसा ताबड़तोड़ प्रारूप है, जो न केवल क्रिकेट को नए तौर पर परिभाषित करता है, बल्कि क्रिकेट के पूर्व दिग्गजों का ऐसा उत्सव है, जो उन्हें फिर से उसी गौरव का अनुभव कराता है, जो कभी हुआ करता था। लीग में 7 फ्रेंचाइजी टीमें हिस्सा लेंगी और लीग का प्रारूप जिस तरह से नजर आ रहा है, निश्चित तौर पर यह प्रशंसकों के लिए एक रोमांचक अनुभव होने वाला है।

बीसीसीआई की चैलेन्जर ट्राफी में खेलेंगी नगर की तीन खिलाड़ी

एजेंसी

कानपुर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की एक दिवसीय चैलेंजर ट्रॉफी में खेलने के लिए नगर की तीन महिला खिलाड़ियों का चयन किया गया है। अब यह खिलाड़ी रविवार से चेन्नई में शुरु हो रही ट्राफी में प्रतिभाग कर बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेंगी। कानपुर क्रिकेट एसोसिएशन (केसीए) के सचिव कौशल कुमार सिंह ने बताया कि बीसीसीआई की ओर से घोषित एक दिवसीय चैलेन्जर ट्रॉफी टीम में केसीए की अर्चना देवी, गरिमा यादव (टीम-बी) एवं तृप्ति सिंह का चयन (टीम-सी) में किया गया है। इन खिलाडियों में अर्चना देवी (ऑफ ब्रेक गेंदबाज) तृप्ति सिंह (बल्लेबाज) एवं गरिमा यादव (मध्यम गति की तेज गेंदबाज) हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व में अर्चना एवं तृप्ति का चयन नवम्बर माह में सम्पन्न हुई चैलेन्जर ट्राफी में हुआ था। इसमें अर्चना देवी एवं तृप्ति सिंह कानपुर के रोवर्स क्लब से क्रिकेट की बारीकियां सीख कर पहले प्रदेश और अब चैलेंजर ट्रॉफी में खेलती नजर आएंगी। जबकि गरिमा यादव

जीआईसी जैसे छोटे मैदान में क्रिकेट की नर्सरी से सीख कर प्रदेश की टीम में अपना नाम शामिल करवाने में सफल रही हैं। बोर्ड की चैलेंजर ट्रॉफी के लिए चयनित तीनों खिलाडियों ने पिछले माह सम्पन्न हुई एक दिवसीय सीनियर महिला चैम्पियनशिप में उत्तर प्रदेश टीम की ओर से खेलते हुये शानदार प्रदर्शन किया था।

यूपी स्टेट क्लोज स्क्वैश चौंपियनशिप में आर्यन और उन्नती बनी चैंपियन

एजेंसी

कानपुर। धामपुर के आर्यन प्रताप सिंह व प्रयागराज की उन्नती त्रिपाठी ने टीएसएच यूपी स्टेट क्लोज स्क्वैश चौंपियनशिप में क्रमशः पुरुष व महिला वर्ग की विजेता ट्राफी जीतने का श्रेय प्राप्त किया। आज यहां 'द स्पोर्ट्स हब' में खेले गये पुरुष वर्ग के फाइनल मैच में आर्यन प्रताप सिंह ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुये अपने ही शहर धामपुर के राघव वशिष्ठ को 3-1 से हराकर चौंपियन होने का गौरव प्राप्त किया। इधर, महिला वर्ग की खिताबी भिड़ंत में प्रयागराज की उन्नती आशानुरुप प्रदर्शन किया और धामपुर की खुशबू को सीधे सेटों में 3-0 से पराजित कर विजेता का खिताब अपने नाम कर लिया। इसके अलावा अंडर-19 वर्ग के फाइनल मैच में धामपुर के राज यादव ने अपने शहर के आयुष पाल को 3-0 से हराकर विजेता ट्राफी पर कब्जा कर लिया। उधर, अंडर-17 बालक वर्ग के फाइनल मैच में धामपुर के राघव वशिष्ठ ने धामपुर के हर्षित पाल को 3-0 से हरा दिया। अंडर-15 बालक वर्ग में धामपुर के अभिनव तोमर ने प्रयागराज के मधुर आनंद को 3-0 से, अंडर-13 बालक वर्ग के फाइनल मैच में धामपुर के अंश कुमार ने वाराणसी के शुभम कुमार को 3-0 से और धामपुर के काव्य शंकुश ने वाराणसी के अतुल उपाध्याय को 3-1 हराकर विजेता होने का गौरव हासिल किया। वेस्ट प्लेयर का अवार्ड वाराणसी के नवोदित आठ वर्षीय खिलाड़ी आदर्श प्रजापति को दिया गया। फाइनल मैचों की समाप्ति के बाद विजेता-उप विजेता खिलाड़ियों को %द स्पोर्ट्स हब% की निदेशक प्रज्ञा अग्रवाल ने बतौर मुख्य अतिथि ट्राफी व पुरस्कार प्रदान किये। इस मौके पर यूपी स्क्वैश रैकेट एसोसियेशन के वाइस प्रेसीडेंट उल्लास वाही व शिवराज शाह ने भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्द्धन किया। इस मौके पर स्क्वैश को 25 सालों से प्रोत्साहित करने के लिये डॉ. यदुपति सिंहानिया कप कानपुर क्लब को प्रदान किया गया। यूपी स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन के सचिव विनय पांडेय ने स्वागत व टीएसएच के डायरेक्टर आपरेशंस पीके श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि का आभार ज्ञापित किया। रेफरी में अब्दुल कादिर, धीरज सिंह पटेल, हसन रजा, राजेंद्र कश्यप और मो. शाकिब शामिल रहे।

आसान नहीं है सिडनी की पिच, मैच पूरी तरह खुला है : प्रसिद्ध कृष्णा

एजेंसी

सिडनी। भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा का मानना है कि सिडनी की असामान्य उछाल वाली पिच पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं है और मैच अभी पूरी तरह खुला हुआ है। गौरतलब है कि गावस्कर बार्डर ट्राफी की मौजूदा सीरीज के पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में भारत ने मेजबान टीम के खिलाफ न सिर्फ पहली पारी में चार रन की बढ़त हासिल की बल्कि दूसरी पारी में रिषभ पंत (61) की धुआंधार पारी की मदद से अपनी दूसरी पारी में छह विकेट पर 141 रन बना लिये। इस तरह भारत की कुल बढ़त अब 145 रन की हो चुकी है मगर रनो के लिहाज से अभी भी भारत को काफी बल्लेबाजी करनी होगी।

इसके बावजूद प्रसिद्ध कृष्णा भारत की अब तक मिली बढ़त

को चुनौतीपूर्ण मानते है। दिन के खेल की समाप्ति के बाद प्रेस कांफ्रेंस में उन्होने कहा कि सिडनी में पिच से मिल रही असामान्य उछाल में बल्लेबाजी करना चुनौती भरा है। ऑस्ट्रेलिया के लिए चौथी पारी में बल्लेबाजी करना आसान नहीं होगा। उन्होने कहा पिच के कुछ हिस्सों से गेंद को परखना मुश्किल हो रहा है। गेंद कभी-कभी नीचे रह रही है। हमारे पास मैच में बने रहने का पूरा मौका है। हमें पर्याप्त उछाल हासिल कर बल्लेबाज को बल्ले की दोनों ओर से छकाना होगा और किनारा लगने पर कैच लपकने के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा हमने फिलहाल जीतने लायक रन के लिये कोई विशेष संख्या तय नहीं की है मगर रविवार को बनने वाला हर रन हमारी जीत की भूमिका तय करेगा।

आस्ट्रेलिया की पहली पारी में तीन विकेट चटकाने वाले कृष्णा ने कहा ÷ लंच के समय मुझे अपनी गेंदबाजी का आकलन करने का मौका मिल गया। मैंने टीम के विश्लेषक के साथ बातचीत की और इससे मुझे अंदाजा हुआ कि क्या करना है। लंच के विश्राम के बाद जब गेंदबाजी के लिये आया तो इससे मुझे काफी मदद मिली।

उन्होने कहा ऑस्ट्रेलिया में गेंदबाजी करते हुए मुझे थोड़ा आत्मविश्वास मिला और इससे पहले दलीप ट्रॉफी में लाल गेंद से क्रिकेट खेलने के बाद मैं अच्छी लय में था। इस मैच में जब मुझे गेंदबाजी का मौका मिला तो शुरुआत में थोड़ी घबराहट थी। पहला ओवर अच्छा गया, अगले कुछ ओवर वास्तव में अच्छे नहीं थे। इस टीम में काफी लोग है जिनसे मैच गेंदबाजी के बारे में चर्चा कर सकता हूं। इससे बेहतर करने में मदद मिलती है।

कियारा आडवाणी

की तबीयत खराब, अस्पताल में भर्ती, राम चरण के साथ गेम चेंजर इवेंट में नहीं हुईं शामिल

कियारा आडवाणी के मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है. उन्हें मुंबई में अपनी फिल्म गेम चेंजर के ट्रेलर लॉन्च प्रेस मीट में उपस्थित होना था. लेकिन तबीयत की वजह से वह इवेंट का हिस्सा नहीं बन सकीं.

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी, जो इस साल की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'गेम चेंजर' में नजर आने वाली हैं. इस फिल्म में उनके साथ साउथ के सुपरस्टार राम चरण नजर आने वाले हैं. कियारा आडवाणी को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है. बताया जा रहा है कि उन्हें मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है. एक्ट्रेस को आज शहर में फिल्म के प्रमोशनल इवेंट में शामिल होना था, लेकिन वह वहां नहीं पहुंच सकीं.

हमारी सहयोगी वेबसाइट न्यूज18 के सूत्रों के मुताबिक, कियारा को आज सुबह अस्पताल में भर्ती कराया गया. हालांकि, उनकी अस्पताल में भर्ती होने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन उनके फैंस चिंतित हैं और उनकी सेहत के बारे में अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

फिल्म की प्रोडक्शन टीम ने अभी तक इस मामले पर कोई कॉमेंट नहीं किया है और जल्द ही और इस मामले में ज्यादा जानकारी सामने आने की उम्मीद है. हम कियारा के जल्द सेहतमंद होने की कामना करते हैं.

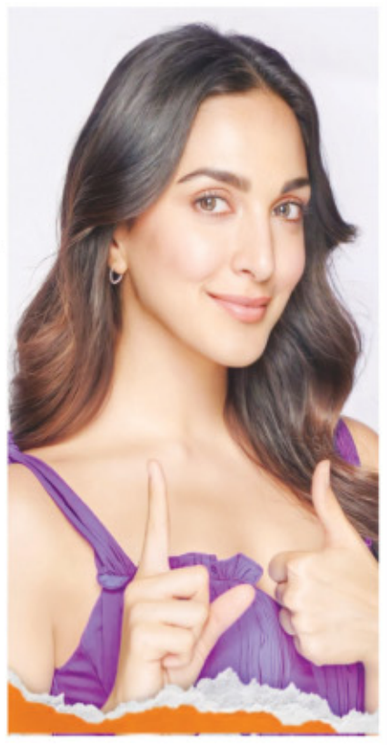

500 करोड़ में तैयार हुई फिल्म 'गेम चेंजर'

फिल्म गेम चेंजर का बजट 500 करोड़ रुपये है. ग्रेट आंध्र की रिपोर्ट के अनुसार, राम चरण ने फिल्म 'गेम चेंजर' के लिए तगड़ी फीस चार्ज की है. रिपोर्ट में दावा किया गया कि एक्टर को फीस के तौर पर 100 करोड़ रुपये मिलने वाली थी. हालांकि फिल्म में देरी, प्रोडक्शन कॉस्ट में वृद्धि की वजह से एक्टर ने अपनी फीस कम कर दी. एक्टर को 65 करोड़ रुपये मिले हैं.

कियारा को एक्टर से 13 गुना कम मिली फीस

वहीं, फिल्म के लिए कियारा आडवाणी को सिर्फ 5-7 करोड़ रुपये की फीस मिली है. राम चरण से एक्ट्रेस की फीस की तुलना की जाए तो उन्हें एक्टर से 13 गुना कम फीस मिली है. बजट का एक बड़ा हिस्सा फिल्म के गानों पर खर्च किया गया है. कहा जा रहा है कि फिल्म के गानों पर सिर्फ 75 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं. ये एक पॉलिटिकल ड्रामा है.

अगले जन्म में वह मेरा पति नहीं बने..., गोविंदा के साथ नहीं रहती हैं पत्नी सुनीता आहूजा, किया शॉकिंग खुलासा

गोविंदा और सुनीता आहूजा की शादी को 37 साल हो गए है. अपनी शादी के बारे में दोनों कई बार बातें कर चुके हैं. उन्होंने बताया था कि कैसे जब वह गोविंदा से मिलीं, तो वह एक टॉमबॉय थीं, जो स्कर्ट पहनती थीं और उनके छोटे बाल थे, लेकिन गोविंदा के खातिर उन्होंने अपने सारे शौक कुर्बान कर दिए और सिर्फ वो किया जिसमें उन्हें (गोविंदा) को खुशी मिली. हाल में उन्होंने शौकिंग खुलासा किया और बताया कि वो और गोविंदा अब साथ-साथ नहीं रहते.गोविंदा अपनी प्रोफेशनल लाइफ में काफी सक्सेसफुल रहे हैं. लेकिन क्या सुनीता आहूजा संग कुछ खटपट है ? ये सवाल इसलिए क्योंकि उन्होंने हाल ही में उन्होंने कुछ ऐसा कह डाला जिसके बाद से फैंस परेशान हैं.

गोविंदा और सुनीता रहते हैं अलग-अलग

हिंदी रश से बात करते हुए गोविंदा की पत्नी सुनीता ने खुलासा किया है कि वे साथ-साथ नहीं रहते हैं. उन्होंने बताया कि वो ज्यादातर अलग-अलग रहते हैं. जहां सुनीता अपने बच्चों के साथ एक फ्लैट में रहती हैं, वहीं गोविंदा अपार्टमेंट के सामने एक बंगले में रहते हैं.

मैं मेरी फ्लैट में मेरा मंदिर और बच्चों के साथ और...

सुनीता ने बताया, 'हमारे पास दो घर हैं, हमारे अपार्टमेंट के सामने एक बंगला है. फ्लैट में मेरा मंदिर और मेरे बच्चे हैं. हम फ्लैट में रहते हैं जबकि उन्हें अपनी मीटिंग्स के बाद देर हो जाती है.'

वो 10 लोगों को इकट्ठा करेगा और...

सुनीता ने आगे कहा कि उसे (गोविंदा) को बातचीत करना पसंद है इसलिए वह 10 लोगों को इकट्ठा करेगा और उनके साथ बातचीत करेगा. जबकि मैं, मेरा बेटा और मेरी बेटी एक साथ रहते हैं, लेकिन हम कम ही बात करते हैं क्योंकि मुझे लगता है कि अगर आप ज्यादा बात करके अपनी एनर्जी बर्बाद कर रहे हैं.

अगले जन्म में वह मेरा पति नहीं बने

सुनीता आहूजा से जब एक्टर के रोमांटिक नेटर के बारे में बात की तो उन्होंने जो कहा वो शॉकिंग था. उन्होंने कहा गोविंदा हमेशा काम करता रहता है और उनके पास रोमांस के लिए समय नहीं है. उन्होंने कहा, 'मैंने उससे कहा है कि अगले जन्म में वह मेरा पति नहीं बने. वह छुट्टी पर नहीं जाता. मैं एक ऐसी इंसान हूं जो अपने पति के साथ बाहर जाना चाहती है और सड़कों पर पानी-पूरी खाना चाहती हूं. उन्होंने काम करने में बहुत ज्यादा समय बितायाज मुझे एक भी किस्सा याद नहीं है जब हम दोनों फिल्म देखने बाहर गए हों.'

इस सुंदर एक्ट्रेस के साथ बहुत बुरा हुआ! चॉल में गुजारे कई साल, 100 बार मिला रिजेक्शन, कहानी सुन आ जाएगा तरस

बॉलीवुड के कई सितारे हैं जिन्होंने बड़ा नाम बनाने के लिए खून-पसीना एक किया. कोई चॉल में रहा, तो कोई सड़कों पर सोया. बॉलीवुड अभिनेत्री प्रिया बापट की कहानी भी ऐसी है. उन्होंने सालों तक चॉल में जिंदगी गुजारी. काम पाने के लिए 100 बार रिजेक्शन को झेला. तब जाकर उन्हें संजय दत्त के साथ बॉलीवुड में डेब्यू करने का मौका मिला.

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रिया बापट की कहानी

प्रिया बापट बॉलीवुड के साथ मराठी इंडस्ट्री में जाना-पहचाना नाम हैं. साल 2023 में उन्होंने मुन्ना भाई एमबीबीएस से बॉलीवुड में कदम रखा था. इस मूवी को राजकुमार हिरानी ने डायरेक्ट किया था. संजय दत्त लीड रोल में थे. फिल्म लगे रहो मुन्ना भाई में भी एक्ट्रेस को देखा गया था.

25 साल चॉल में गुजारी जिंदगी

मुंबई के दादर रानडे रोड पर बनी एक चॉल में वो रहती थीं. टाइम्स ऑफ इंडिया से बात करते हुए एक्ट्रेस ने इस बारे में बताया था कि उन्होंने 25 साल चॉल में गुजारे हैं. शादी के बाद उन्होंने चॉल में रहना छोड़ा. एक्ट्रेस के पति का नाम उमेश कामत है.

100 बार किया रिजेक्शन का सामना

बॉलीवुड हंगामा को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि पहले टीवी विज्ञापन को पाने के लिए उन्होंने 100 बार रिजेक्शन को फेस किया था. सिटी ऑफ ड्रीम्स और रफूचक्कर जैसे कई प्रोजेक्ट्स में भी नजर आ चुकी हैं. मराठी सिनेमा देखने वाले फैंस प्रिया को बहुत प्यार देते हैं.

2 मिलियन फैंस करते हैं फॉलो

इंस्टाग्राम पर प्रिया फैंस के साथ अपनी जिंदगी के खास पल शेयर करती हैं. उन्होंने 2 मिलियन, यानी 20 लाख यूजर्स फॉलो करते हैं. प्रिया का फैशन सेंस लोगों को बहुत पसंद आता है. हर इवेंट पर वो एक अलग अंदाज में नजर आती हैं.

कभी जैकी श्रॉफ भी रहते थे चॉल में

आज लाखों करोड़ों कमाने वाले सितारों ने भी अपनी जिंदगी में कई मुश्किलों का सामना किया है. इस लिस्ट में जैकी श्रॉफ का नाम शामिल है.

एक समय पर वो भी चॉल में रहते थे. रणवीर अल्लाहबादिया से बात करते हुए अभिनेता ने अपनी स्ट्रगल लाइफ को याद किया था. आज भी सपनों में अभिनेता खुद को चॉल के शेयरिंग बाथरूम की लाइन में खड़ा हुआ देखते हैं.

मुझे जाह्नवी में श्रीदेवी

नहीं नजर आती, RGV को पसंद नहीं चांदनी की बेटी, नहीं करना चाहते साथ काम

श्रीदेवी बॉलीवुड की वो हसीन अदाकारा, जिन्होंने साउथ के भी दिग्गजों के साथ काम किया और वहां भी मेकर्स की पहली पसंद बनी रहीं. बॉलीवुड में ऐसे कई फिल्ममेकर हैं, जो आज उनके दुनिया से जाने के बाद भी उनकी एक्टिंग का तारीफ करते नहीं थकते. फैंस उनकी फिल्मों को काफी पसंद करते हैं. 'चांदनी', 'प्रेमरोग', 'जुदाई', 'मिस्टर इंडिया', 'कुछ सच्चा कुछ झूठा', 'आर्मी' जैसी कई फिल्में हैं, जिनको देखकर आज भी फैंस उनकी यादों में खो जाते हैं. श्रीदेवी की बेटी जाह्नवी कपूर की तुलना अक्सर उनसे की जाती है. हाल ही में एक नामी फिल्ममेकर ने कहा दिया कि लोग भले इस बात को कहते हैं, लेकिन उन्हें अभी तक जाह्नवी कपूर में अभी तक अपनी मां जैसी बात नजर नहीं आई. साथ ही उन्होंने साफ कहा कि वो जान्हवी के साथ काम नहीं करना चाहते.ये कोई और नहीं बल्कि 'रंगीला', 'सत्या', 'कंपनी' और 'भूत' जैसी शानदार फिल्मों के पहचाने जाने वाले डायरेक्टर राम गोपाल वर्मा हैं. ऋङ्क अपने बेबाक अंदाज और तीखे बयानों को लेकर अक्सर सुर्खियों में बने रहते हैं. हाल ही में राम गोपाल वर्मा ने अपने चैनल पर दिए एक इंटरव्यू में हिंदी सिनेमा के दिग्गज दिवंगत अदाकारा श्रीदेवी के लिए अपने प्यार और सम्मान जाहिर किया. वहीं, उनकी बेटी और एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर पर अपनी राय साझा की.

जूनियर एनटीआर की बात को बताया 'श्रीदेवी का हैंगओवर'

जाह्नवी कपूर के 'देवरा' को-स्टार जूनियर एनटीआर ने खुले तौर पर कहा कि फिल्म के फोटोशूट के दौरान एक फ्रेम में उन्हें लगा कि जाह्नवी अपनी मां की हूबहू कॉपी हैं. हालांकि, आरजीवी ने ऐसी किसी भी तुलना को खारिज करते हुए इसे 'श्रीदेवी का हैंगओवर' बता दिया.

'मुझे मां पसंद थी, बेटी नहीं'

उन्होंने श्रीदेवी की अदाकारी की तारीफ करते हुए कहा, 'चाहे 'पदाहरेल्ला वयसु' हो या 'वसंत कोकिला', उनकी परफॉर्मेंस ने मुझे दर्शक बनाए रखा, मैं एक फिल्ममेकर हूं ये भूल गया'. जब उनसे पूछा गया कि क्या वे जाह्नवी कपूर के साथ काम करेंगे ? तो उन्होंने कहा, 'मुझे मां पसंद थी, बेटी नहीं'. हालांकि, उन्होंने ये भी साफ किया कि वे बात किसी बुरी भावना से नहीं कह रहे. उन्होंने कहा, 'मेरे करियर में कई ऐसे बड़े सितारे रहे, जिनसे मेरा कनेक्शन नहीं बना, इसलिए जाह्नवी कपूर के साथ फिल्म करने का कोई इरादा नहीं है'.

राम गोपाल वर्मा और जाह्नवी कपूर के पास कौन से हैं नए प्रोजेक्ट

वर्कफ्रंट की बात करें तो राम गोपाल वर्मा अपने 'सत्या' स्टार मनोज बाजपेयी के साथ एक फिल्म के साथ वापसी करने के लिए तैयार हैं. वहीं.

दूसरी तरफ, जाह्नवी कपूर, जिन्हें हाल ही में 'देवरा' में देखा गया था, अब जल्द 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' और 'परम सुंदरी' जैसी फिल्मों के साथ लोगों के धड़कनों को बढ़ाने वाली हैं.